संलग्नक-03

399

लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण

विषयः— भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक का.आ. 1533 (अ), दिनांक 14 सितम्बर 2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के तहत् अंजन हिल ओपनकास्ट कोल माईन, मेसर्स एस.ई.सी.एल., चिरमिरी क्षेत्र ग्राम–भण्डारदेई, तहसील–चिरमिरी, जिला–मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (छ.ग.) में प्रस्तावित ओपनकास्ट कोल माईन, कोल क्षमता–1.35 मिलियन टन प्रतिवर्ष, प्रोजेक्ट एरिया–388.261 हेक्टेयर एवं माईन एरिया–211.54 हेक्टेयर के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 05/02/2026 को समय प्रातः 11:00 बजे स्थल–सामुदायिक भवन पानी टंकी के पास सड़कपारा ग्राम–भुकभुकी, तहसील–चिरमिरी, जिला–मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (छ.ग.) में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के राजपत्र में प्रकाशित पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन अधिसूचना 14 सितम्बर 2006 यथा (संशोधित) के परिपालन में लोकसुनवाई की सूचना का प्रकाशन दिनांक 31/12/2025 को एक राष्ट्रीय समाचार पत्र 'द इंडियन एक्सप्रेस, स्थानीय समाचार पत्र 'हरिभूमि' एवं पत्रिका में कराई गयी। साथ ही लोकसुनवाई की सूचना को बोर्ड के वेबसाईट पर enviscecb.org के पब्लिक कंसल्टेंट के बिंदु क्रमांक 759 पर अपलोड कर प्रदर्शित किया गया। तदानुसार लोकसुनवाई दिनांक 05/02/2026 को समय प्रातः 11:00 बजे स्थल–सामुदायिक भवन पानी टंकी के पास सड़कपारा ग्राम–भुकभुकी, तहसील–चिरमिरी, जिला–मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (छ.ग.) में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 के प्रावधानो के अनुसार प्राप्त ई.आई.ए. रिपोर्ट, एवं कार्यपालक सार की प्रति एवं इसकी सी.डी. जन सामान्य के अवलोकन हेतु डॉयरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोरबाग रोड, नई दिल्ली, क्षेत्रीय अधिकारी, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर, कार्यालय कलेक्टर, मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी., मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कार्यालय, मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी., अनुविभागीय अधिकारी (रा.), कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी., खनिज अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी., कार्यालय महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी., सरपंच/सचिव, कार्यालय ग्राम पंचायत–भुकभुकी, आमाडांड कदरेवां, मुकुंदपुर, मेरो एवं दुबछोला, तह.–चिरमिरी, जिला–एम.सी.बी., सदस्य सचिव, मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, पर्यावास भवन, नार्थ ब्लाक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर (छ.ग.), क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, कन्या परिसर रोड, शासकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के पास, नगनाकला गंगापुर, तह.–अंबिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) में रखी गई थी।

400

उक्त परियोजना के संबंध में आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, कन्या परिसर रोड, शासकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के पास, नमनाकला गंगापुर, तह.–अंबिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) में कार्यालयीन समय में मौखिक अथवा लिखित रूप में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। लोकसुनवाई की निर्धारित तिथि तक क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, कन्या परिसर रोड, शासकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के पास, नमनाकला गंगापुर, तह.–अंबिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.) में लिखित रूप से उक्त परियोजना के संबंध में आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां – 01 प्राप्त हुई। उक्त परियोजना के लोकसुनवाई हेतु निर्धारित तिथि 05/02/2026 को समय प्रातः 11:15 बजे से अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी. की अध्यक्षता/पर्यवेक्षण में स्थल–सामुदायिक भवन पानी टंकी के पास सड़कपारा ग्राम–भुकभुकी, तहसील–चिरमिरी, जिला–मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (छ.ग.) में लोकसुनवाई समय– प्रातः 11:15 की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्व प्रथम अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी द्वारा लोकसुनवाई प्रारंभ करते हुए भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली, ई.आई.ए. अधिसूचना 14/09/2006 यथा (संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोकसुनवाई के महत्तव एवं प्रकिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई। तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से प्रतिनिधि श्री अशोक कुमार, महाप्रबंधक चिरिमिरी क्षेत्र एसईसीएल एवं कंसल्टेंट श्री विनय खंडेलवाल, ईआईए समन्वयक, जेएम एनवायरोनेट द्वारा प्रस्तावित परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी गई। तदोपरांत स्थल–सामुदायिक भवन पानी टंकी के पास सड़कपारा ग्राम–भुकभुकी, तहसील–चिरमिरी, जिला–मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (छ.ग.) द्वारा लोकसुनवाई प्रारंभ करने की घोषणा की गई।

क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, अंबिकापुर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को लोकसुनवाई से संबंधित विषय पर अपने आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां मौखिक/लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। तत्पश्चात् उपस्थित जनसमुदाय ने उक्त परियोजना के संबंध में अपना आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्र.	वक्ता का नाम	पता	कथन
1.	प्रदीप कुमार सलूजा, वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता,	चिरमिरी	आपने जो अभी इस पूरी खदान को चलाने का नक्शा खसरा पेश किया विवरण जो पेश किया मैं आपसे यह जानना चाहता हूँ कि इसके पूर्व भी वहीं पे खदान चलाई जा रही है। उस खदान की अनुमति भारत सरकार से प्राप्त है या नहीं, उसके पेपर आज यहाँ पर दिखाया जाए और उसका अनुमति भारत सरकार से एसईसीएल को प्राप्त हुई थी या नहीं, नहीं तो ये आपराधिक कृत्य के मामले में आता है। आज पूर्व में दो खदान चल रही है। चिरमिरी के जनसमुदाय के साथ धोखाधड़ी हो रही है और इसी तरह इस खदान को भी चलाया जाएगा। इसकी अनुमति भारत सरकार से प्राप्त हुई है या नहीं, मैं इसको नहीं जानता हूँ और वृक्षों को लाखों वृक्ष जब काट दिये जायेंगे तो चिरमिरी बड़ा बाजार गोदरीपारा पूरा तहश–नहश हो

401

			जाएगा, जिससे लोगों का जनजीवन बर्बाद हो जाएगा। जब तक भारत सरकार की आपके पास अनुमति नहीं है यह छत्तीसगढ़ सरकार की वृक्ष काटने की अनुमति नहीं है। मैं इस खदान को चलाने का विरोध करता हूँ। भारत सरकार पूर्व में जो सरकार जो खदान अभी चल रही है पहले इसको सुनवाई के पूर्व पहले उसका पेपर यहाँ पर जन समुदाय को दिखाया जाए। मेरा कहना यह है सबसे पहले उसके बाद दूसरी बात की जाए, धन्यवाद।
2.	ओमप्रकाश अग्रवाल व्यवसायी	बड़ा बाजार चिरमिरी	आदरणीय मेरा नाम ओमप्रकाश अग्रवाल मेरा दायित्व जो है। अध्यक्ष व्यापार सनपड़ा बाजार चिरमिरी एव चेम्बर ऑफ कॉमर्स जिला एमसीबी का दायित्व भी मेरे पास है। सबसे पहले आज के इस जनसुनवाई के कार्यक्रम में उपस्थित माननीय सिदार साहब, डिरिट्रक्ट मजिस्ट्रेट सीजीएम साहब श्री अशोक कुमार जी, एसडीएम साहब, तहसीलदार, पुलिस प्रशासन, सम्मानित नागरिक बंधु, सभी जनप्रतिनिधि, एसईसीएल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी, नगर एवं ग्रामवासी का मैं अभिनंदन करता हूं। एक बहुत अच्छी पहल जो अंजनी हिल माइंस के ओपनकास्ट के संदर्भ में यहाँ पर एक लोक जनसुनवाई के माध्यम से प्रारम्भ की गई है और इस अंजन हिल माइंस के विस्तारीकरण का मैं व्यापार के नाते उसका स्वागत करता हूँ, समर्थन करता हूँ महोदय पूर्व में भी कुछ एसईसीएल के साथ हम लोगों के विरोधाभास रहे हैं हम लोगों को कई बार एसईसीएल के खिलाफ धरना आंदोलन प्रदर्शन, थाने का घेराव एसईसीएल ऑफिस का घेराव विभिन्न मुद्दों को लेकर के करना पड़ा है। लेकिन उसके बाद भी हमारी मंशा हमारी इच्छा बड़ी सख्त है कि राष्ट्रहित में यदि कोयला उत्खनन आवश्यक है तो जनहित की उपेक्षा करके नहीं किया जा सकता है। ऐसा मेरा मानना है और जब जनहित की मैं बात करता हूँ तो उससे पीछे मेरा उद्देश्य केवल इतना ही है की जब आप नई माइन ओपेन कर रहे हैं। तो उसमें मेरा निवेदन है की सारे बेरोजगार लोगों को यहाँ पर प्राथमिकता दी जाएगी ऐसी अपेक्षा आपसे मैं करता हूँ। दूसरा पूर्व में भी चिरमिरी कालरी रही हो बरतुंगा कालरी रही हो कुरसिया कालरी रही हो उसकी हेवी ब्लास्टिंग में सबसे ज्यादा भी प्रभावित कोई क्षेत्र हुआ है तो बड़ा बाजार क्षेत्र हुआ है, जिसके लिए हम लोगों ने कई बार जैसे पूर्व में मैंने कहा कि धरना प्रदर्शन आंदोलन घेराओ ये सारा कुछ हम लोगों ने किया है और जिसकी वजह से कुछ हेवी ब्लास्टिंग पर रोक लगी थी। लेकिन अभी दो दिन पहले की बात बता दूं कि एसईसीएल बरतुंगा केंद्र का जो हेवी ब्लास्टिंग की गई खुद से बड़ा बाजार तहसील कार्यालय भी अछूता नहीं रहा। एसईसीएल से इसलिए मेरा निवेदन है कि कोयला उठाना ही जरूरी है तो हेवी ब्लास्टिंग पर रोक लगाकर के और कोयला उत्खनन का कार्य किया जाएगा तो हमारा पूरा समर्थन रहेगा और यदि नियमों के विरूद्ध जाकर किया जाएगा तो हम खुलकर विरोध करेंगे और सड़कों पर भी उतरने में हमें देरी नहीं लगेंगी। तीसरी बात जो है। हमारे क्षेत्र में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान है। उसमें से जो भी छात्र प्रशिक्षण प्राप्त किए हुए है उन्हें वरीयता के आधार पर प्राथमिकता के आधार पर उन्हें यहाँ पर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा ऐसा मैं आपसे मांग करता हूँ। जब आप लोग कोयला उत्खलन का कार्य करते हैं। तो वेलफेयर का पैसा भी आप लोगों के पास रहता है कि सामाजिक कार्यों में आपकी भूमिका निर्बाध गति से चलती रहे। इसके लिए चाहे स्कूल युवाओं की शिक्षा पर स्वार्थ पर सड़क पर भी आपकी जवाब से ही तय होती है मेरा आपसे निवेदन है इस जवाब से ही से आप वंचित ना हो, इस तरह का मुँह ना मोड़े और जो भी जन सुनवाई के दौरान ये बातें सामने आ रही है उसको गंभीरता से लेकर के और जो भी व्यय का पैसा है वो पूरा का पूरा उपयोग किया जाए। ऐसी मैं आत्म अपेक्षा रखता

8

			हूँ जहाँ हैवी कोयला उपकरण का कार्य किया जाता है तो बड़ी–बड़ी गाड़ियां वहाँ पर चलती है। धूल काफी उड़ती है, कोयले का डस्ट उड़ता है, जिसके कारण बीमारियां भी लोगों के घरों तक पहुंचती है और उसके साथ साथ जो डस्ट उड़ करके घरों तक जाता है तो घरों में महिलाओं को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसलिए मैं आपसे आग्रह करूँगा कि जो भी आपकी बड़ी गाड़ियां चलेंगी, छोटी गाड़ियां चलेंगी, जल का छिड़काव सड़कों पर पूरी तरह से नियमित रूप से करके और उस पर रोक लगाई जाएगी जो गर्दा उड़ेगा जो डस्ट उड़ेगा, ऐसी अपेक्षा मैं यहाँ से रखता हूँ। महोदय, मेरा एक तगड़ा अनुभव रहा है कि शहर के लोग जब कभी भी जन सुनवाई होती है यहाँ हम लोग घेराव प्रदर्शन कुछ भी करते हैं उस समय जो भी है जो लिखित समझौता या मौके समझौता उन लोग करते हैं लेकिन उसके बाद वो उस पर अमल नहीं करते हैं, ऐसे मैं 1985 से ले करके और 2018 तक के अनेक उदाहरण आपके सामने रख सकता हूँ लेकिन क्योंकि समय कम है इसलिए केवल इतना निवेदन करना चाहूँगा की इस लोक सुनवाई के दौरान आपने अभी तक जो भी घोषणाएं की है की हम ये काम करेंगे पौधारोपण करेंगे, वृक्षारोपण करेंगे और भी अन्य काम करने की जो बात आपके द्वारा कही गई है स्थानीय लोगों को रोजगार देने की जो घोषणा यहाँ पर की गई है, मैं ऐसी अपेक्षा रखता हूँ कि एसईसीएल अपनी बातों पर यहाँ पर खरा उतरेगा और किसी भी प्रकार की जन सुनवाई के दौरान जो भी बातें कहीं भी आ गई है यहाँ पर सुनी जा रही है, उसका पूरी तरह से अमल करेगा, ऐसी अपेक्षा मैं रखता हूँ और उसके बाद केवल अंत में यह निवेदन करना चाहूंगा कि जनसुनवाई के दौरान जो भी बातें सामने आ रही है भविष्य में किसी भी आम जनता को आप के खिलाफ प्रदर्शन के लिए या किसी अन्य चीज के लिए सड़कों पर ना उतरना पड़े और एक सद्भावनापूर्वक तरीके से आप कोयला का उत्खनन भी कीजिए राज्य के लिए यदि कोयला जरूरी है तो मैं पूरा दोहराना चाहूंगा कि जनहित की उपेक्षा करके नहीं किया जा सकता है। इन्हीं बातों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़।
3.	भागवत प्रसाद दुबे	चिरमिरी	मेरा नाम भागवत प्रसाद दुबे है और ये जनसुनवाई देखने का और आने का ये मेरा पहला मौका है। इस मौके में जनसुनवाई का जो अनुभव मुझे हो रहा है बहुत अच्छा लग रहा है कि सब लोगों को बोलने का मौका मिल रहा है, लेकिन एक थोड़ी सी दूसरी बात यह है जो मैं कहना यहाँ पे उचित समझता हूँ वही बहुत अभी यदि यहां आज थोड़ी बहुत मात्रा में पुलिस की व्यवस्था हो तो अच्छा लगता है, लेकिन अधिक मात्रा में अगर कोई हो तो लोगों के मन में एक भय पैदा हो जाता है तो उस भय में वे अपनी बात ठीक से नहीं कह पाते। जो पीड़ित पक्ष है वो यहाँ आ नहीं पाता है। हम लोग तो हर लोग शहर मे रहते हैं और बहुत कुछ समझते भी नहीं है। कोयला खदान की स्थिति के बारे में लेकिन जो लोग भुगतते हैं, गांव के लोग वो गांव की आवाज ही नहीं दिखती है यहाँ पे जिनका श्रेय है। इन्होंने अभी कुछ दिन पहले कलेक्टर कार्यालय के सामने ज्ञापन दिया उनकी आवाज को कोई सुनता नहीं है सदियों से वो यहाँ वंचित रहे हैं और ये 40–50 साल का कोयला उसके बाद क्या होगा, क्या इसमें इतनी क्षमता रहेंगी, वो उन लोगों को पोषण दे सके। कभी भी हम लोगों ने गांव वालों की गरीबी और उनकी असहायता को ध्यान में नहीं रखा। उनकी ऊंची बात करके ऊंची ऊंची प्रलोभन देकर के उनकी जो बुनियादी समस्या है उसे हम सांस लूँ लेते हैं। तो कैसी प्रगति हुई जिस प्रगति ने गांव वालों का कोई योगदान नहीं है, कोई हिस्सा नहीं है। उनके भविष्य का कोई रूप–रेखा नहीं है। इनके सामने में गांव वालों की समस्याओं से

बहुत परिचित हूँ और उठाता रहता हूँ। उसी के साथ–साथ दूसरी समस्या भी है कि आप खदान को खोल देंगे। मैं इसका विरोध करने नहीं आया हूँ, मैं स्वागत करने आया हूँ लेकिन देखिए स्वागत की पीछे जो कल की सच्चाई है वो भी मैं बोलना चाहता हूँ। आप खदान खोल रहे हैं, खोलिए, गांव वालों की समस्याओं का ध्यान रखिए, उसका निदान कीजिए, खदान आप खोल रहे हैं। उसमें काम करने वाले आदमी की तनख्वाह के बारे में सोचिए। उनकी सहूलियत के बारे में सोचिए, उनकी जो डेली एक्टिविटी है उसके बारे में सोचिए, इसके बारे में कुछ आज खदानें बड़े हाथों में जा रही है। बिना इस बात के कि उन खदानों में काम करने वाले लोगों की तनखा क्या होगी, उनकी सेवा शर्तें क्या होगी क्या उनको वो सारे लाभ मिलेंगे जो नियमित मजदूरों को मिलते हैं अब सवाल ये है कि नियमित मजदूर की परिभाषा भी बदल गई अब और वो तुलना किससे करेंगे एक ठेके में काम करने वाला आदमी अगर ये मांग करता है कि नियमित मजदूर की तनख्वा मिले तो नियमित मजदूर है कहाँ जिसको वो कोट करे दो करे की उसकी तनख्वा मिले इक्वल पेपर इक्वल वर्क हमारे संविधान में भी लिखा हुआ है कहाँ मिलता है वो इन्हीं तीन चीजों को लेकर के मैं आपके सामने लुधुर हुआ हूँ मुझे वो दिन याद है मई का महीना जब अंजनहिल में दुर्घटना हुई थी। हमारे ऑफिसर मारे गए, जो यश टू के अच्छे लोग के कार्यकर्ता जो खदान के भीतर गए थे, वो मारे गए। आज तक याद है उनके डेड बॉडी को हम पहचान नहीं पा रहे थे। अस्पताल में भीड़ लगी हुई थी सुरक्षा के मानक का क्या होगा आपने यहाँ पे इतनी बड़ी–बड़ी बातें की उसकी एक कॉपी हमको दीजिए ताकि हम फॉलोअप एक्शन करें। हम पूछे आपसे की आपने क्या किया आपने बताया कि इस साल में इतना होगा इस साल में इतना होगा इस साल में इतना होगा उसकी जानकारी हमको दीजिए एक कॉपी हमको दीजिए आज का जो जमाना है वो उसका का जमाना है आज हम किसी भी लोग को जिम्मेदारी पेश करना चाहते हैं की इसकी वजह से ये काम नहीं हुआ। हम किसके ऊपर ये जिम्मेदारी ठीक करेंगे की 2003 साल तक इतना करना था, ये इतना नहीं हुआ। इसका करना था। इतना नहीं हुआ क्या होगा उसके लिए उसकी एक कॉपी दीजिए हम लोगों को ताकि हम जागरूकता के साथ किसी को रिस्पांस की जरूरत नहीं है। मैंने एक ज्ञापन बनाया है। इस ज्ञापन में मैंने सेफ्टी क्लर्न, एम्पायर एंड सर्विस, ट्रांजिशन स्कैनिंग ऑर्डर, सोशल सपोर्टिव वेलफेयर और ग्रेट इंडियन लाइफ आज सबसे बड़ी समस्या तो है की मजदूर संगठित नही हो पा रहे हैं। आज मजदूरों के संगठन को प्रश्न वाचक दृष्टि से देखा जा रहा है। अगर किसी ने उन्हें मना किया तो उसको काम से निकाल दिया काम से निकालने की कोई। कोई कोई सीमा ही नहीं है। किसी को भी निकाल दिया काम से। किसी ने अपने हक की बात की कल से मत आना। किसी ने तनखा की बात की, कल से मत आना बहुत से कार्य सेक्टर यहाँ पर हैं लेकिन कोई इंतजाम नहीं है। हेल्थ का शक्ति का उनके पास जूते कट नहीं हैं। सेफ्टी किट नहीं है उनके पास में। और यहाँ बहुत सी बातें हो रही हैं। ये सारी बातें हैं जो मैंने लिखा है और पर्यावरण सीसी टी के लिए भी कुछ बातें हैं जो मैं ज्ञापन में दिया हूँ। अब मैं चाहता हूँ कि ये रिकॉर्ड में आए ताकि हम ये देख सकें। की उसका पालन हो रहा है की नहीं हो रहा है। खदान वाले खदान शुरू करने के लिए जिला प्रशासन से सहयोग ले जाते हैं। जिला प्रशासन से भी कोई मदद नहीं मिलती हम लोगों को पुलिस के लिए कोई मदद नहीं मिलती हम लोगों को न्याय के लिए हम लोग तरसते रहते हैं। कभी जाते हैं एसडीओ के पास कभी जाते हैं तहसीलदार के पास कभी जाते हैं इनके पास की कार्यशैली ऐसी है कि उनसे मिलना मुश्किल

			हो जाता है के साथ मिलना मुश्किल हो जाता है जाने में जैसे लगता है जैसे हम अपराधी हैं पकड के बंद कर दिया वहाँ ये कि कैसा जो है भाई जहाँ आदमी खुद कटघरे में खडा है आजादी खत्म हो गई। कोई सुनने वाला नही कोई। देखने वाला नहीं। इस युग की सबसे बडी समस्या यह है कि कानून लागू होता ही नहीं है, आज घंटे की शिफ्ट है। बारह–बारह घंटे। लोग काम कर रहे हैं। एग्रीमेंट में। होता है कि ये तनखा मिलेंगे वो। तनखा मिलती नहीं है. हम कौन होते हैं किसी की तनखा तय करने वाले जब सरकार ने तनखा तय कर दी है तो वो तनखा हमको क्यों नहीं मिलती। जब सरकार ने तय कर। दिया है कि आज घंटे की शिफ्ट। होगी तो आज घंटा शिफ्ट क्यों नही होता। क्यों 12–12 घंटे होता है जब सरकार ने तय कर दिया कि ओवरटाइम मिलेगा तो। ओवरटाइम क्यो नहीं मिलता आज कानून ही लागू नहीं हो रहा है इस देश में। कानून को लागू करना ही बहुत ही समस्या हो गई है। मैं यहाँ कलेक्टर बैठे हुए होंगे मैं पहचानना नही हूँ उनको। एसडीओ बैठे होंगे मैं नहीं जानता हूँ उनको हुआ जो है कालरी के अधिकारी बैठे हुए हैं, बड़े तनाव में काम करते हैं, ये लोग मैं जानता हूँ कि ठेकेदार लोग भी बड़े तनाव में काम करते हैं, के लोग एटीएम मशीन समझते हैं। सब उनसे पैसा लेते हैं। वो ठेकेदार लोग मुझसे कहते हैं कि द्विवेदी आप छुट्टी लिखते हैं हमारा कमिशन बढ जाता है, पहले 10 देते थे, अब 15 प्रतिशत दे रहे हैं। आप क्यों छुट्टी देते हैं उसको अगर यहाँ उस कंपनी के मालिक बैठे होंगे तो मैं उनसे कहता हूँ कि आप पैसा देना बंद कर दीजिए। आपको अगर देना है तो मजदूरों को दीजिए आप ईमानदारी से काम कीजिए। आपने मुझे मौका दिया बहुत धन्यवाद, लेकिन मजदूरों की स्थिति बहुत दयनीय है। सर। बहुत दयनीय है आप लोग है। यूपीएससी की पीएससी की टॉप परीक्षा दे करके आप आए हैं। आज आपके ज्ञान की परीक्षा है कि जिस ज्ञान से आप कलेक्टर बने हैं, एसडीओ बने हैं, तहसीलदार बने हैं। उस ज्ञान के क्या फायदा अगर समाज में अपमानता है तो समाज में कुछ लोग जीते है तो वो ज्ञान सीखना चाहिए। वो ज्ञान हम लोगों को न्यायिक रूप में लिखना चाहिए। बस मैं इतना कहना चाहता हूँ और मैं जो ज्ञापन दे रहा हूँ उसको मेहरबानी करके रिकॉर्ड में ले लीजिए। और वो जो आप कह रहे हैं अभी उसकी एक कॉपी मुझको दीजिए। ताकि I can hold them responsible for the non-fulfillment of their commitments. Thanks.
4.	सच्चिदानंद दुबे	चिरमिरी	हमारे चिरमिरी क्षेत्र के माननीय महाप्रबंधक महोदय, हमारे सभी प्रशासनिक अधिकारी, हमारे पुलिस के सम्मानित अधिकारी, हमारे ग्रामीण भाई जो भाई आए हैं बहनें उन सबका मैं हार्दिक स्वागत अभिनंदन करता हूँ और मैं मंच के माध्यम से अंजनहिल माइन खोलने के लिए जो बात रखी गई है उसका समर्थन करता हूं कि माइंस खोली जाए। माइंस खोलने से हमारे चिरमिरी का जो उजड़ना चालू है वो स्थगित तो होगा चिरमिरी से जो जनता भाग रही है वो रुकेगी चिरमिरी के लोगों को रोजगार मिलेगा। मेरा इस मंच के माध्यम से यही निवेदन है कि मैं पहले कि चिरमिरी के स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाए। पहली प्राथमिकता चिरमिरी के लोगों की जो टेक्निकल है, डिग्री है डिप्लोमा है, आई टी आई हैं उन लोगों को कंपनी के माध्यम से किया जाए, ग्रामीण वासियों के लिए सड़क मुहैया कराई जाए। हॉस्पिटल बनाया जाए, स्कूल खोली जाए, उनके ये स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़िया से बढ़िया उपलब्ध कराई जाए। माननीय मंच से हमें मेरा आग्रह है या अधिक से अधिक चिरमिरी के लोगों को रोजगार दिया जाए जिससे कि चिरमिरी का उजड़ना ना बंद हो। चिरमिरी का अस्तित्व बना रहे। अभी के आई कंपनी में जो हमारे साथी का चिरमिरी के लोकल लोग कार्यरत हैं, कंपनी यहाँ है नहीं, बेचारे को भाग से जाना

			पड़ता है। बंगाल, मुंबई कहाँ कहाँ जाते हैं तो कम से कम अपने घर में रहकर अपनी रोजी रोटी अपने परिवार के बीच में चला रहे हैं। इससे माननीय मंच के माध्यम से यही निवेदन रहेगा मेरा कि चिरमिरी के लोगों को रोजगार दिया जाए, चिरमिरी का विकास किया जाए और चिरमिरी का नाम रोशन हो। अंजनहिल माइन से अधिक से अधिक उत्पादन किया जाए जिससे कि हम सब लोगों को अच्छा लगे। सब खुश रहे। धन्यवाद।
5.	प्रकाश तिवारी	बड़ा बाजार	बड़ा बाजार से बिलोंग करता हूँ और मेरा नाम प्रकाश तिवारी है। सार्वजनिक जीवन में रहने से बहुत सारी चीजों का लघु अनुभव है दीर्घ अनुभव है। आयोजकगण इसके साथ जनसुनवाई के आयोजकगण जिसमें एसईसीएल भी है हमारे कलेक्टर ऑफिस से भी लोग हैं। पुलिस बीच के प्रशासन के लोग हैं पर्यावरण प्रशासन के लोग हैं, सब को मेरा नमस्कार है। उपस्थित जो हमारी जनता है से आये हुए लोग हैं और ग्रामीण क्षेत्रों से आये हुए लोग हैं। इन सब का हार्दिक अभिनंदन है। आप लोगों ने जो ये प्रस्ताव रखा है कि अंजनहिल माइन्स को खुलना चाहिए, जिससे कि चिरमिरी का जो पलायन है वो रुक सके। ये तो बहुत अच्छी बात है किंतु साथ ही साथ हमारे बहुत सारे प्रवक्ता लोगों ने जो बात बताई है, उसको भी संज्ञान में आपको रखना चाहिए, लेकिन 40 साल 50 साल से मैं भी सार्वजनिक जीवन में हूँ। यूनियन में भी थोड़ा बहुत सहभागिता था सब देख रहा हूँ, जिनमें राज्यों का निर्वाइन जो है जो कमिटमेंट होता है, ये प्लेटफार्म का आज सबका जो है अधिकारियों के दम पे चलती है। इसमें कोई दो राय नहीं है। अधिकारी अगर चाहें कि हम नियम के विपरीत जा के काम नहीं करेंगे, जो हम कह रहे हैं उसको हम करेंगे तो निश्चित रूप से आम जन को लाभ होगा। आज पर्यावरण के लोग यहाँ पर हैं। मैं उनसे निवेदन करूँगा कि यदि खदान खुलती है तो पर्यावरण के प्रत्येक नियमों का जो आपने नहीं यहाँ पर सहारा है, कोई नहीं उसको उसका हर हाल में पालन होना चाहिए। बहुत लंबी बात है पर्यावरण में वृक्ष भी आएँगे, पाइप भी आएगा, जल भी आएगा, सब कुछ आएगा। कम शब्दों में यही कहना चाहूंगा कि पर्यावरण के अगर अधिकारी जो है कड़ाई से जिस बातों को यहाँ कर रहे हैं जो हमारे सरकार का नियम है उसका पालन करवा देंगे तो बहुत अच्छी बात हो जाएगी। दूसरी बात होती है कि रोजगार का निश्चित रूप से रोजगार जो है वो स्थानीय लोगों को ग्रामीण लोगों को चिरमिरी क्षेत्र के बच्चों को मिलना चाहिए। ये सब जो शर्त है ये शर्तों को मानते हुए आप लोगों को विज्ञप्ति जारी करना चाहिए जिससे कि उस कापी के माध्यम से आमजन जा करके जो काम नहीं करेगा, जो अपने दायित्वों का निर्माण नहीं करेगा उसके ऊपर उसके विरुद्ध उस संस्था के विरुद्ध सरकार के पास न्यायालय में जा सके। यह बहुत जरूरी चीज है। आपने कह दिया कार्य नहीं होगा, जिसके पास जाएंगे वो बोलेंगे, उसके टेबल में जाओ, बोलेंगे उसके टेबल में जाओ, कहीं कुछ नहीं है। कार्य चालू होने के पहले एक प्रस्तावना जो आपकी है उसको सार्वजनिक करना चाहिए। पेपर के माध्यम से जैसे आपने अभी विज्ञप्ति जारी की है उसको कीजिए। अगर न्यूज पेपर में आते हैं वो चीज तो हमारे लिए रिकॉर्ड होगा। आप हमें अभिमत मत दीजिए लेकिन वो जो रिकॉर्ड रहेगा वो जनता के काम आएगा। अब रही सवाल अंजन हिल में जो दुर्घटना हुई थी आपने जो पक्ष रखे हैं वो बहुत ही जीएम साहब ने में भी पक्ष रखे हैं। मैं उनके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि अंजनहिल कोल माइंस का खुलने का शुरुआत कम है। मैं ठेकेदारी भी करता हूँ। मैं ठेकेदार का सिफ्टिंग का काम मैंने वहाँ किया है, उस भवन को बनाने का काम किया है जो ऊपर में कुआं बना है अर्थात वो बोलते हैं या सब बोलते हैं उसको भी मैंने बनाया है अंजनहित और बरतुंगा का हिल दोनों का बनाया है बरतुंगा हिल

8

			के अंदर और अंजन माइंस के अंदर बहुत समय तक मैंने काम किया है और खुद जाके करता था कभी पूरे सेफ्टी के साथ करता था जिस दिन मई में ये घटना हुई है। उसके बाद एक व्यक्ति भी सामने आकर के खदान को बंद करने के लिए तैयार नहीं हुआ। कालरी के अधिकारी खोजते रह गए थे। कोई नहीं जा करके उस जगह पर जहाँ पर हुआ था जहाँ आग लगी थी जहाँ हमारे कालरी के अधिकारी जो अधिकारी शहीद हुए थे। कोई नहीं गया है। निर्मल कुमार जी आए वहाँ से जीएम साहब उस समय के जो थे, मुझे बुलाए बोले तिवारी जी आप एक काम कीजिए सहयोग कीजिए मैंने जान की बाजी लगाकर खुद खड़े होकर के उसमें 10 दिन तक पूरा जिस दिन लास्ट तक मैंने खदान बंद कराई है। जो प्रकाश तिवारी एवं उसके सहयोगियों ने जो बात कही है पूछिये एक रूपया नही लिया हूं पता लगा लीजिए अभी निर्मल कुमार जी हैं मैंने कहा एक रूपया नहीं लूंगा इसका और कहा जिसको देना है दीजिए मुझे मालूम है आप जो हो मैं इसका विरोध इस लिये नहीं कर सकता कि मुझे मालूम है मैं खदान के अंदर तक गया हूं देखा हूं कहां पर आग लगी है और कहां तक आग पहुंचेगी। अभी जीएम साहब ने कहा आग जहां है आगे 10–15 साल में आग ऊपर तक जा सकती है ठीक है सर आप बिल्कुल ठीक बात बोल रहे हैं 10 साल और बीतेगा तो आग की परत ऊपर उठेगी और जलाकर के जंगल को तहश नहश कर देगी श्रीमान् जी यदि कोयला राष्ट्रहित के लिए निकलेगा तो आज नही तो कल प्रदूषण आग पकड़ लेगा तो होगा, सब चीज सही है किन्तु जो आप इस खदान को खोलने के लिए जिससे कि सरकार का भी फायदा है हमारी प्रापर्टी भी सुरक्षित रहे साथ ही साथ ये जो वादे हैं आपकी ये सब बातें है इसलिए खदान खुलना चाहिए किन्तु जो स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना है जो उनका पैरामीटर गवरमेन्ट पे करती है कि इतनी तनख्वा होनी चाहिए वो एकदम उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा, आज तो आपलोग कह रहे हैं बाद में वही लोग निकाल दिये जाते हैं जैसा कि हमारे पूर्व वक्ताओं ने कहा कोशिश कीजिए आप कर सकते हैं कोई भी व्यक्ति तत्काल जो अभी का जीएम हैं कर सकते हैं उनके बाद जो ये लाइन फिक्स करेंगे उसके बाद दूसरा आयेंगे वो भी कहेंगे जिनका भी इम्प्लायमेन्ट होता है उनको जो है पूरी सुरक्षा मिलनी चाहिए किसी टेड्यूल की जरूरत न पड़े आप उनका काम कर दीजिए ताकि वो किसी नेता के पास न जाए जब आप नहीं सुनते हैं श्रीमान् जी तब हम मजदूर को उस ग्रामवासी को जनता के पास जाना पड़ता है। आपने अभी कहा सबको तो नौकरी नहीं मिल सकती है किन्तु सरकार है किन्तु जो वेल्फेयर फंड का जो पैसा है उस पैसे से हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में जो अगल बगल के लोग हैं उनके बच्चों के पढने के लिए जो सरकार है ऐसा कारण प्रस्तुत कीजिए आपने जो डीएवी स्कूल खोल के रखा है क्या यहां नहीं हो सकता है यहां भी हो सकता है ताकि हमारे ग्रामीणों के बच्चे यहां पढ़ सके आगे जो के भी कुछ बन सके हर चीज आप कर सकते हैं बस ये होना चाहिए जनता में भी इतनी ईमानदारी होना चाहिए आपको मेरा निवेदन है कि जनता को भटकना न पड़े जनता को किसी भी चीज को लेकर आप ये वादा कीजिए ताकि कोर्ट में जाने या अन्य किसी जिम्मेदार व्यक्ति के पास जाने की जनता को जरूरत नहीं पड़ेगी हम जितना कह रहे हैं जिसका शत् प्रतिशत पालन करेंगे और भारत ग्रामीण का काम कंपनी जो आ रही है कंपनी जो एसईसीएल कंपनी को दे दिया है वह कंपनी नहीं करेगी तो हम क्या करेंगे एक उत्कृष्ठ कार्य करा दीजिए जीएस साहब इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय हिन्द जय भारत
6.	नरेन्द्र कुमार तराई	चिरमिरी	मेरा नमस्कार, अगर यह खदान आगे बढ़ती है तो सबसे पहले स्थानीय लोगों पर्यावरण पानी पर ध्यान दिया जाये। हम लोगों को काम मिले तो

			रोजगार के लिये बाहर न जाना पड़े। मुझे भरोसा है आप जो फैसला लेंगे वह सबके लिये अच्छा होगा। धन्यवाद।
7.	श्रीकांत	चिरमिरी	लोग सुनवाई के लिए आए सम्मानित मंच और मेरे पीछे बैठे मेरे परिवार के सदस्य लोक सुनवाई होती तो निश्चित भलाई के ज्यादा आसार रहते हैं वहाँ कहीं पे बाधा भी आती है ये लोग सुनवाई जो है अंजन हिल माइंस की है, वो अंजन हिल माइंस जिसकी अवधि काफी रही। अधिकारियों की लापरवाही से वो भेट चढ़ गई। विस्फोट की अब पुनः अधिकारियों की मनमानी से उस के खुलने के आसार बने हैं। जिन अधिकारियों के चलते चाहे वो एसई.सी.एल के हो, चाहे राष्ट्र शासन के हो या किसी भी विभाग के हो, इस माईश के खुलने के आसार बने हैं। मैं व्यक्तिगत तौर से और चिरमिरी वासियों की ओर से मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। क्योंकि इस माइंस के खुलने से मरते चिरमिरी को नया जीवन मिल सकता है। मैं फिर से दोहराना चाह रहा हूँ कि इस इस माइंस के खुलने से अस्तित्व से संघर्ष कर रहे छिन-छिन मरते चिरमिरी को नवजीवन मिल सकता है। इसका जीता जागता प्रमाण है कि अभी यहाँ के सीजीएम साहब माननीय अशोक कुमार साहब ने बताया जबकि एसईसीएल के अधिकारी बहुत कम बोलते हैं, बहुत बच के चलते हैं। बात बात में बिलासपुर का इशारा करते हैं। बात बात में बोलेंगे की पीआरओ से बात करो, आप उनसे बात करो, लेकिन चिरमिरी जीएम के इस दिलेरी की मैं तारीफ करूँगा कि उन्होंने खुलकर बोला कि चिरमिरी का भविष्य पांच-छः साल का है। महोदय, चिरमिरी ओपेन कास्ट सब एरिया साहब हैं। पूछ लीजिये कितने साल है मुश्किल से पांच साल कुरासिया 2 साल, एलसीपीहेच चार 5 साल। क्योंकि वहाँ पर मशीन पूज चुकी है। सवाल ये उठता है उसके बाद क्या होगा। उसके बाद जो भारत की ऐतिहासिक कोल खनन कंपनी रही। खनन क्षेत्र चिरमिरी रहा जिसका की माइनिंग के किताबों में चिरमिरी का नाम दर्ज है। देश नहीं विदेश के उत्कृष्ट कोयला खान व कोयले की व्यवस्था के लिए उस चिरमिरी का क्या होगा उस चिरमिरी के भरोसे जो खड़गवां के हमारे परिवार साथी चल रहे थे आर्थिक स्थिति से मजबूत हो रहे थे उनका क्या होगा, यहाँ जो बेरोजगारों की फौज है चिरमिरी में खड़गवां विकासखंड में उनका क्या होगा, एसईसीएल के अधिकारी तो ऊपर से आदेश आएगा वो गुलाम होते हैं। बिलासपुर से आएगा अगर बिलासपुर से नहीं आएगा तो कलकत्ता से आ जाएगा, कलकत्ता से नहीं आएगा तो को मंत्रालय से आ जाएगा कि माइंस बंद कर दो लॉस हो रहा है। उनकी हिम्मत नहीं है कि वो माइंस चालू रखे। किसी ना किसी और जो अधिकारी माइंस चालू रखने की कोशिश करेगा तो उसका सीआर खराब कर दिया जाएगा। या उसका ट्रांसफर कर दिया जाएगा। उसको देखते हुए जो अंजनहिल का जो प्रोजेक्ट आया है, भले वो कोल इंडिया और निजी सेक्टर से मिलीभगत से चलेगा। ये एक ऐसा संजीवनी है की जो चिरमिरी को 21 साल की जीने की लाइफ देगा। भले ही वो गोल्डन पीरियड वाला चिरमिरी नहीं रहे लेकिन चिरमिरी की सांसे चलती रहेंगी। चिरमिरी के बेरोजगारों को कुछ ना कुछ रोजगार मिलेगा। चिरमिरी का व्यापारी जो त्रस्त है दिन भर दुकान खोलकर बैठता है, बिक्री नहीं होती। ये उम्मीद की जानी चाहिए की उसे भी कुछ दो जून की रोटी मिलेंगे। लेकिन दो चार मेरे सीनियर ने कुछ सुझाव दिए हैं। मैं भी उसमें देना चाहूंगा की माईंस खोलने का मैं स्वागत करता हूँ क्योंकि ये लाइफ लाइन इन्युनिटी रहेंगी। इसमें जो रोजगार होगा। जीएम साहब ने बताया लगभग 600 लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से इसमें डेढ़ से 2000 जानिए जो भी जाए उसमें कोशिश ये हो कि 75 प्रतिशत से ज्यादा स्थानीय रोजगार वहाँ के बेरोजगारों को मिले साली बेरोजगारी से मेरा मतलब है चिरमिरी के वो

बेरोजगार जो आधे पेट खाके जी रहे है खडगवा के वो बेरोजगार जो की पानी पी के रह रहे है। जिनके यहाँ खेती बाड़ी है, उनका तो चल जा रहा है, जो दैनिक मजदूर है। उनका सोचना पड़ेगा। अगर ऐसे बेरोजगारों को आपको सोचना है तो आपको अंजन हिल माईन चालू करनी पड़ेगी आज की बात मेरे साथियों ने बताई मेरे पैदा होने के पहले सन 1962 से कुरासिया में आग लगी रही हैं आज भी वो आग अभी बराबर दहक रही है। उसका कारण वर्तमान कोल इंडिया नहीं रहा, वो निजी सेक्टर रहे कि जो मात्र कोयला का लाभ देखते रहे। साल 62 में लगी आग अभी भी धधक रही है। जीसको पूरी तरीके से नियंत्रित नहीं किया जा सका है क्योंकि जो खनन के जानकार हैं उनका ये कहना है कि अगर कोयले की आग को खत्म करना है तो आपको कोयला को ही जड से निकालना पड़ेगा। मैं फिर बोलेंगे जीएम साहब ने एक वो खुलासा कर दिया जो कि उनको नहीं करना चाहिए। शायद रिटायरमेंट के करीब होंगे डेढ़ 2 साल इसलिए हिम्मत कर गए वो की ये आग अगर कोयला नहीं निकाला गया तो 10 साल बाद पहाड़ का सीना फाड़ कर बाहर आ सकती है और ये मैं आपको जीएम साहब बता दूं कि वो आज आप 10 साल बाद वो बात बोल रहे है अंजन हिल में जाइए। कई जगह आग के धुआं निकल रहे हैं। अगर आप अंजन हिल माइस को नहीं चालू करेंगे तो वो कोयला जो आपको अरबों खरबो का है, देश के विकास के लिए रहेगा चिरमिरी के लिए नौजीवन होगा यहाँ के लिए बेरोजगारों के लिए रोजगार का माध्यम होगा। वो आग की भेंट चढ़ जाएगा, आग की भेंट चढ़ेगा, उसके बाद जहरीली गैस फैलेगी। इस बात का विचार आप कर लीजिए की अंजनहील को खोलना क्यों जरूरी है अंजनहील को खोलना इसलिए भर जरूरी नहीं है की उससे कोयला मिलेगा। अंजनील को खोलना इसलिए भी जरूरी है। स्थानीय बेरोजगारों को उससे रोजगार मिलेगा, पर्यावरण बचेगा वो पर्यावरण विभाग आया है। जिसको आग 2010 से ही नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहिए था। वो पर्यावरण विभाग आया है। जिसको 2011 से ही एसईसीएल को देना था कि आप माइन से चाहे कैसे भी करके आग को नियंत्रित कराइये। आपकी बात को धन्यवाद देता हूँ एक अच्छी पहल उसके तरफ से हो रही है। राज्य शासन की ओर से धन्यवाद दूंगा और साथ ही साथ डेड यूनियन से जुड़े लोगों का आभार मानता हूँ मैं सत्ताधार या उनका भी मानता हूँ की अंजनहिल खोलने का इकबाल किए हैं एक और छोटा सी बात की ट्रैफिक फण्ड आता है। समुदाय विकास के नाम पर लेकिन पिछले 10 सालों से ये 15 सालों से नहीं पड़ता। चालू हो गई ब्यूल फण्ड आय चिरमिरी का पैसा है। आप चिरमिरी का पैसा ब्यूल फण्ड में जाके बांटेंगे। कलेक्टर साहब जहाँ चाहेंगे वहीं खर्चा करेंगे, जो बड़े बड़े नेता बोलेंगे वही करेंगे। वास्तव में ये होना चाहिए की जीस जगह का डीएमएफ जा रहा है उस पैसे का सदुपयोग वहीं और उसके आस पास होना चाहिए। इसके लिए एक मेरा सुझाव है की चिरमिरी माइस है तो चिरमिरी के साथ साथ खडगवां के बीच जो जनापत्ति नहीं है, चाहे किसी भी राजनीतिक दल के हो, किसी भी पार्टी के हो, किसी भी श्रम संगठन के उनकी एक कमेटी बनाई जाए और उस कमेटी की देख–रेख में वो पैसा खर्चा करे। आप फण्ड को दे देते है। जाइए आप देखिये कहाँ कितना पैसा खर्चा होता है अमृत धारा इसका बेहतरीन वो है की अमृत धारा के नाम पे करोड़ों करोड़ों खर्चा कर दिए गए, लेकिन वो पैसा और उसका क्या सही उपयोग हुआ है। कोई भी जाके देख सकता है। एक दो काम निश्चित बेहतर हुए है लेकिन जितना पैसा खर्चा हुआ है उतना काम बेहतर नहीं हुआ है। इसके लिए इस्लामी जनप्रतिनिधि, श्रम संगठन यूनियन, राजनीतिक दलों और जनपद या जो भी है उनका आपको एक कमेटी

बनाना पड़ेगा। ब्लास्टिंग का एक मुद्दा हमारे ओम प्रकाश भाई ने बहुत अच्छा मुद्दा है। निश्चित रूप से कभी कभी जो ब्लास्टिंग होती है बहुत घातक होती है, इसका मयादी आपको असर देखना है। बड़ी बाजार में आप बैठ के कभी देखिए आपकी मजबूरी हम जान रहे है कि फायर वाली माइंस आप चला कर। हमारे ऊपर ये आभार नही कर रहा है। देश की गरीबी पर आभार कर रहा है। मैं उस हर श्रमिक का करता हूँ कि जो चिरमरी की ओपन कास्ट में जलते आग के बीच में जाकर देश हित में हमारे हित में कोयला निकाल रहा है। कुछ लोग उसमें शहीद भी हुए हैं उनको निश्चित रूप से नमन करने का समय है क्योंकि अगर आग को कानिज नही करेंगे। नहीं करेंगे तो आने वाले टाइम पे और भी बहुत कुछ हो सकता है। प्रदूषण एक बड़ा मुद्दा है। सर उसके लिए एक राहत कार्यक्रम बनाना चाहिए और उसके लिए जो के लिए है उसको एसईसीएल के साथ साथ उसमें नगर निगम का भी समावेश होना चाहिएकि ये बैठ के रस को रोकने के लिए एक योजना बना है और उसमें भी मैं ये मानता हूँ की जो जनप्रतिनिधि उनकी सार्थक भूमिका होनी चाहिए, साथ ही अधिकारियों की भूमिका होनी चाहिए, एक कमेटी होनी चाहिए, खाली आप ऐसी शहर के ऊपर थोप देंगे तो नहीं चलेगा। उसकी भी एक सीमा होती है। जब आप वो उसमें शामिल होंगे तो निश्चित रूप से बिलासपुर कोल इंडिया के भी ऑफिस दबाव में आये होंगे तो उसके लिए भी एक सुनियोजित योजना बननी चाहिए। स्थायी या अस्थायी कोई भी कामगार लगाए ये हम सब ने खुलासा कर दिया है की स्थायी लगभग 600 लोग रहेंगे अस्थायी की संख्या। 1500 से 2000 होंगे। काम तो दे देंगे लेकिन सवाल ये उठता है की उनको सैलरी कितनी देनी है सैलरी सुनिश्चित होनी चाहिए और ये उसमें होना चाहिए कि एसईसीएल ये सुनिश्चित करें की उनको जो भी सैलरी मिले जो भी सरकारी नियम है, चाहे केंद्र शासन पे हो, चाहे प्रशासन हो। वो सैलरी उसको मिलनी चाहिए, जिससे वो आग के बीच में जाकर जब अपना खून पसीना जलाएगा और खाद आएगा तो उसको भी दो जून की भरपूर रोटी मिल सकेगी इसमें ये चिरमिरी हित के लिए अंजन डिल नहीं खुल रहा है। इसके साथ साथ खड़गवां का भी हित है। कोई भी योजना अगर उसमें बनाई जाती है तो चिरमिरी के साथ साथ उसमें खडगवां विकास खंड के भी जनप्रतिनिधियों को रखे। वहाँ के ग्राम वासियों को रखे उनके सरपंचों की सलाह माने। विश्वास करिये फायदे में रहेंगे आप लोग। आप आराम से बैठे रहेंगे और संचालन आपकी कंपनी का और खदानों का होता रहेगा। इसलिए चिरमिरी के साथ साथ एक गठजोड़ बनाया जाना हितकर रहेगा। इस माइंस के लिए एक दो छोटे छोटे और सुझाव है, क्योंकि मैं अभी पीछे लाइन नहीं देख रहा हूँ जो माइंस वालू होगी सर। उसके दायरे में जो भी गांव आ रहे हैं। एसईसीएल चिरमिरी के अंतर्गत आने वाले कोई भी बस्ती और उससे प्रभावित क्षेत्र के साथ साथ माइंस के करीब पड़ने वाले ग्राम जो उससे प्रभावित होंगे निश्चित रूप से जमीन आप नहीं ले रहे हैं। बहुत अहसान कर रहे हैं क्योंकि किसान के लिए बड़ा हो रहता है लेकिन वहाँ से होने वाले प्रदूषण या अन्य चीज के लिए ऐसे ग्राम और पूरे चिरमिरी के लिए एक मेडिकल की ऐसी योजना बनाई जानी चाहिए की अंजन ही खुलने के बाद चिरमिरी के हर एक नागरिक के साथ साथ। ग्रामवासी को जो भी उसके करीब पढ़ते हैं। उनके स्वास्थ्य की सम्पूर्ण परीक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्हें निशुल्क दवाई मिलनी चाहिए। इसके लिए राज्य शासन और एसईसीएल मिलकर एक अच्छी योजना बनाये दूसरे एक दूसरे फ्री जिला अस्पताल खुल गया है। वो ओरिजिनल अस्पताल खुल गया है। रीजनल हॉस्पिटल की हालत ऐसे खराब है। एक टाइम मुझे याद है 42 डॉक्टर

			होते रहे अब वहाँ पर कोई नहीं है। डॉक्टरों को यदि मैं बोलूं की नहीं मक्खी मार रहे है तो उनकी होगी क्योंकि वो ही डॉक्टरों की बदौलत मै भी जिंदा हूँ। डॉक्टरों की संख्या बढ़ाई जाए क्योंकि चिरमिरी में रोगियों की संख्या बढ़ रही है। दो अधिकारी मंच में बैठे हैं माननीय सिंघार साहब मान लीजिए दूसरे पर्यावरण हम सबको एसई सीएल को बाध्य करें। ये अपने अस्पतालों में डॉक्टरों को विशेषज्ञों की नियुक्ति विशेष तौर पे करें जो क्षेत्र इकाई के अस्पताल बंद हो रहा है वहाँ भी ये डॉक्टरों को वो बैठने की व्यवस्था करें अगर वहाँ ये बैठने की व्यवस्था नहीं कर रहे तो एसईसीएल के जो डॉक्टर रिटायर हो रहे हैं काफी संख्या में रिटायर होना है। उनको जवाबदारी दे की वो में बैठे हैं, वो अपना भी चला सकते हैं। उससे ये फायदा होगा सीधा सा कि लोग आपके जो है नीम हकीम के चंगुल में ले फंसे हुए है आखिरी आँखों में मुझे ध्यान से सुना मेरी बातों को गंभीरता से लिया मैं अंत में ये बोलना चाह रहा हूँ कि मैं अंजन हिल माइंस के खुलने के समर्थन में हूँ क्योंकि इसे चिरमिरी को ही नहीं खड़गवा को नवजीवन मिलेगा यहाँ के बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे यहाँ के व्यापारियों में दो पैसा है धन्यवाद।
8.	राजेश महाराज	चिरमिरी	मेरी इस बगल में बैठे, फिर मेरी क्षेत्र के महापौर जी, पूर्व विधायक। महोदय में कुछ दिनों से सोशल मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से अंजलि माइंस को लेकर और विशेषकर रोजगार को लेकर जो लेख आ रहे हैं मैं उसे पढ़ रहा था और मुझे चूंकि मैं एससी सी एल से रिटायर कर्मचारी हूँ, वो मुझे समझ में नहीं आ रहा था आप वो ये कह रहा है कि उसमें 2000 लोगों को रोजगार मिलेगा। कोई बोल रहा 2500 लोगों को रोजगार मिलेगा लेकिन मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि वो 2500 लोगों को रोजगार देंगे या सब जवाब दिखा रहे हैं पूरे समाज को कारण कि ओपेन कास्ट माइंस से यदि आप चलाते हो उसको तो उस माइंस में ऐसी मशीनें रहेंगी। ड्राइवर रहेंगे ड्राइवर क्षेत्र से जीतने भी ड्राइवर हैं। वो किसी ना किसी संस्थान से जुड़कर काम कर ही रहे हैं। कुछ बचे होंगे पर्यावरण आपको उस रेड्डी मशीन में डोजर लगेगा डोजर ऑपरेटर आप कहाँ से लाएंगे डंपर ऑपरेटर कहाँ से लाएंगे क्रेन ऑपरेटर कहाँ से लाएंगे सॉफ्टवेयर ऑपरेटर कहाँ से लाएंगे डिप्लोमाधारी माइनिंग के बच्चे हैं, डिग्री के कुछ माइनिंग के बच्चे हैं। यदि ओपेन कास्ट माइंस चलता है तो वो सारे समाहित क्यों पाएंगे और जितने मैं बात को कह रहा हूँ ये जितने ऑपरेटर हैं वो तो वो कंपनी फिर बाहर से ही लाएगा तो फिर यहाँ के लोगों को रोजगार मिलेगा। पैसे और वो 2500 की संख्या पूरी कैसे होगी ये मुझे थोड़ा सा मैं चाहूंगा कि आपके माध्यम से समझाया जाए पूरे इस सदन को और दूसरी बात मैं तो ये चाहता हूँ कि यदि हम अंजनहिल माइंस फॉर अंडरग्राउंड के माध्यम से चलाएं तब जाकर हम क्षेत्र के और आसपास के जीतने भी ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे हैं। उनको हम कुछ समाहित कर पाएंगे। 1000 1500 यदि अंडरग्राउंड चलाएंगे तो ओपनकास्ट चलाने से मैं इस मंच से मैं क्लियर कर दूं की जो भी आपको ये बोल रहा है की 2500 में रोजगार पैदा होंगे, 500 से ज्यादा बोल भी नहीं सकते। 500 भी मैं बहुत ज्यादा बोल रहा हूँ क्योंकि आप लाएंगे कहाँ से वो उतने सारे टेक्निकल लोग तो मैं चुकी मेरे पीछे यहाँ पे बहुत लोग हैं और भी बोलने वाले मैं इतना ही कहता हूँ कि ये सब विभाग न दिखाए और जमीनी स्तर पर टेक्निकल चीजों को समझ कर ही काम करें और अंडरग्राउंड चलाने का प्रयास करें। यदि वो संभव नहीं है तब तो ओपेन कास्ट करेगा, उसके लिए अब करती नहीं है। वो सेक्टर के लिए अच्छी बात है लेकिन युवाओं को बेरोजगारों को देखते हुए अंडरग्राउंड माइंस चलाएंगे तो ज्यादा उनको फायदा होगा और पर्यावरण को भी फायदा होगा। जो ओपेन कास्ट चलाने

411

			के समय में जो वो आपको जितने, जंगल, पहाड काटने पड़ेंगे, उनसे भी बचाव हो जाएगा और सारे लोग उसमें समाहित हो जाएंगे। मैं आप सभी को पुनः धन्यवाद देता हूँ। इस पर विचार अवश्य करियेगा। धन्यवाद।
9.	राहुल भाई पटेल पार्षद वार्ड नं. 34	चरमिरी	जी नमस्कार, मै राहुल भाई पटेल नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 34 का पार्षद हूँ श्रीमान क्षेत्रीय अधिकारी महोदय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अंबिकापुर मैं आपके संबंध में कुछ आवेदन लेकर आया हूँ जो आपके समक्ष रखना चाहता हूँ। सबसे पहला मेरा आवेदन है। अंजन हिल कोल माइंस परियोजना में स्थानीय बेरोजगारों को तकनीकी एवं श्रमिक पदों पर रोजगार दिए जाने के संबंध में महोदय, आपसे मै आग्रह करना चाहता हूँ कि मेरी क्षेत्र अंतर्गत प्रस्तावित। अंजन हिल्स कोल माइंस परियोजना जो अभी प्रारंभ होने जा रही है, जिससे क्षेत्र के पर्यावरण एवं सामाजिक ढांचे पर प्रभाव पड़ेगा। यह अत्यंत आवश्यक है कि इस परियोजना में प्रभावित एवं आसपास के स्थानीय निवासियों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदाय किया जाए। अतः मेरा आपसे आग्रह है कि परियोजना मे आवश्यक तकनीकी कर्मचारियों को अर्ध तकनीकी कर्मचारियों को, साथ ही साथ श्रमिक वर्ग के पदों पर आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ साथ चिरमिरी क्षेत्र के वार्डों में रहने वाले बेरोजगारी, युवकों को रोजगार किया जाए। साथ ही साथ स्थानीय निवासी वर्षों में क्षेत्र निवास रत हैं तथा खनन गतिविधियों के कारण होने वाले प्रभावों को प्रत्यक्ष रूप से सहन करेंगे। ऐसी परिस्थिति में यदि उन्हें रोजगार के अवसर नहीं मिलते हैं, यह सामाजिक असंतोष को जन्म दे सकता है। साथ ही साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलने से क्षेत्र में आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक संतुलन एवं परियोजना के प्रति सकारात्मक सहयोग सुनिश्चित होगा। साथ ही मेरा ये भी निवेदन है की स्थानीय युवाओं को रोजगार योग्य आवश्यक आप लोग प्रशिक्षण भी दे। इसकी डेवलपमेंट कराये एवं कंपनी परियोजना के माध्यम से तकनीकी पदो पर भी कार्य कर सके। आपसे विनम्र आवेदन है। इस जनहित को ध्यान में रखते हुए कोल मास परियोजना में स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार देने का कार्य किया जाए। साथ ही साथ मेरा जो आपसे दूसरा आग्रह है। आर्यन श्रीमान, क्षेत्रीय अधिकारी महोदय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, अंबिकापुर मेरा दूसरा अगर आपसे ये है की अंजनहिल कोलमाइन परियोजना के अंतर्गत जो भी वृक्ष काटे जाए उसका बिच्छारोपण चिरमिरी शहर में ही किया जाए। चिरमिरी क्षेत्र अंतर्गत। प्रस्तावित कोल माइन परियोजना के अंतर्गत लगभग 388.261 हेक्टेयर क्षेत्र में कोयला उत्खनन किया जाना प्रस्तावित है। यह मुख्य क्षेत्र वन भूमि है, जिसमें बड़ी संख्या में पेड़ पौधों की कटाई हो जाएगी, जिससे चिरमिरी क्षेत्र का। पर्यावरण, जलवायु प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। मेरा आपसे आग्रह है इस परियोजना में जीतने भी पेड़ काटे जाएं उस पेड़ का जो आपस में यहाँ उनके प्रतिरोध वृक्षारोपण की जो सम्पूर्ण व्यवस्था है और चिरगिर क्षेत्र में ही की जाए। जिससे की चिरमिरी क्षेत्रों में होने वाले जलवायु परिवर्तन में किसी प्रकार की हानि ना हो इसके लिए मैं आपको आग्रह करना चाहता हूँ की चिरमिरी क्षेत्र में एक ऐसा जगह है जहाँ वृक्षारोपण हो सकता है। मैं आपका ध्यान चिरमिरी क्षेत्र के गोदरीपार और डोमन हिल के। क्षेत्र में दिलाना चाहता हूँ। जहाँ नगर पालिक निगम ने वृक्षारोपण का जगह सुनिश्चित किया था, लगभग 100 एकल से अधिक का एरिया है। उस एरिया में मात्र 5 प्रतिशत् ही वृक्ष लगभग 95 प्रतिशत् वृक्ष मर चूके हैं तो उस क्षेत्र का आप यदि नगर पालिक निगम चिरमिरी से बात करके उस क्षेत्र को ले लेंगे, तो एक बड़ा क्षेत्र आप सभी के लिए वृक्षारोपण के लिए मिल जायेगा। महोदय, क्षेत्र अधिकारी महोदय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षा मंडल में आपके माध्यम से। अपने वार्ड के आप जो लोग जो सीएसआर

412

			मत से कार्य की जो खर्च करेंगे, जीस भी प्रकार की राशि का खर्च करेंगे उसका मैं अपने वार्ड के लिए चुकी हूँ। पांच किलोमीटर क्षेत्र की परिधि में आता है। कुछ मैं अपनी तरफ से। एक मांग लेकर आपके समक्ष आया हूँ की मेरे वार्ड में सीएसआर से काम कराया गया जिससे की सीएसआर का कार्य भी हो सके और आपकी जो परिधि का क्षेत्र पांच किलोमीटर का दायरा उसमें भी काम हो सके। सबसे पहले वार्ड कमान 34 के मध्य तीन आंगनबाड़ी है। उस आंगनबाड़ी में विद्युत उपकरण एवं खेल सामग्री लगाए जाए। साथ ही साथ वे वार्ड में जो आपके परिक्षेत्र में दायरे मे आता है। वार्ड क्रमान 34 का प्राइमरी स्कूल सीएसआर मख से प्राइमरी स्कूल में झूले का निर्माण कराया जाए, जिससे कि वहाँ के बच्चों को। खेलने में सुविधा हो। साथ ही साथ हमारे वार्ड में एक मिडिल स्कूल है। उस मिडिल स्कूल में भी डिजिटल क्लास आपके माध्यम से लग जाता तो बहुत अच्छा होता। डिजिटल क्लास लग जाने से बच्चों को बहुत ही बढ़िया सुविधा मिल जाएगा और वो पढ़ाई के क्षेत्र में अपना योगदान देंगे। साथ ही साथ सीएसआर मद से वाटर प्यूरीफायर बस्तियों में झुग्गी झोपड़ियों में आप लगाए जिससे की क्षेत्र में अभी जो जन हानि हो रही है पेयजल से वो ना हो सके। मैं लिखित में आपके समक्ष सात आवेदन प्रस्तुत कर रहा हूँ। मैं उम्मीद करता हूँ की आप मेरे सभी आवेदन में सहानुभूति। मूर्तिपुर का विचार करेंगे बहुत बहुत धन्यवाद जी बहुत बढ़िया।
10.	रामचन्द्र गोंड	चिरमिरी	मैं कंपनी खुलने का समर्थन करता हूं।
11.	मो. शहाबुद्दीन	पार्षद निवासी वार्ड नं. 24 बरतुंगा	जहाँ पर ये अंजनहिल माइंस खुलने वाली है, मैं उसी वार्ड से आता हूँ। मेरे क्षेत्रवासियों को खुलने से ये प्रतीत हो रहा है कि हमारे क्षेत्रवासियों को वहाँ से हटा दिया जाएगा। मैं इसकी आपसे गारन्टी चाहता हूँ की उसका मेरा पूरा समर्थन हमारे क्षेत्रवासियों को लेकिन क्या ऐसा आगे चल के होगा क्या की वहाँ जो बिजली, पानी और घर में जो लोग रह रहे हैं उनको हटा दिया जाएगा इसकी भी गारन्टी आप लोग तो हम लोगों को समाचार पत्र के माध्यम से या लिखित कर लिखित में देना पड़ेगा। जिससे की मैं अपने क्षेत्रवासियों को ये आश्वस्त कर सकूँ की स्माइल्स के घुलने से किसी भी प्रकार का हम लोगों को परेशानी नहीं होगा और वहाँ के स्थानीय बेरोजगार जो जैसी योग्यता रखता है, उसको उस हिसाब से नौकरी दिया जाए और वो भी आप लोग सार्वजनिक समाचार पत्र के माध्यम से ये हम लोगों को अवगत कराएं की वहाँ के क्षेत्रवासियों को आसपास से सटे जीतने भी भारत है उन क्षेत्रवासियों को किसी भी प्रकार का।कोई परेशानी नहीं होगा मैं खोलने की आपको अनुमति एवं अपनी अनुशंसा करता हूँ, धन्यवाद।
12.	अविनाश विश्वकर्मा	चिरमिरी	मैं श्री बलवंत सेना हिंदू आदमी समठन का प्रदेश अध्यक्ष और उसकी दुनिया की बात चिरमिरी बात करेंगे। चिरमिरी की चिरमिरी की माटी से जुड़े हुए हम लोग है और एक ऐसा शहर है जिसे सी कैटेगरी का शहर का दर्जा प्राप्त है। नगर पालिक निगम है और जिले का सबसे बड़ा शहर है। साथ ही कोयला की खदानों पर निर्भर रहने वाला ये शहर है। एक समय था जब यहाँ पे नौ खदानें चला करती थी आबादी ढेर से 2 लाख हुआ करती थी घटते–घटते सात से सत्तर हजार हो गयी। खदाने बंद हो गयी है। कुछ चंद खदाने चल रही है, जो 2–4–5 साल की मेहमान है। दुःख इस बात का रहता है की जनप्रतिनिधि रहते है। स्थायित्व देने के लिए कोई सार्थक पहल नहीं हुई, ना कोई कारखाने लगे और आज एक ऐसा अवसर आया है की 2010 में दुर्घटना के कारण बंद हुई। मैं किसी बात पे नहीं जाऊंगा सिर्फ यह ही कहूंगा की अगर चिरमिरी के अस्तित्व को देखना है तो जो ओपेन कास्ट प्रोजेक्ट के रूप में तैयार हो रहा है उसका हम लोगों को समर्थन करना चाहिए। बात है 75,000 लोगों की एक

			बसे बसाए शहरी चिरमिरी की बात है एक ये एमसीबी जिले के सबसे बड़े शहर की है और जब माइंस नहीं रहेगा तो चाहे राजनीति हो, चाहे हम पत्रकार है और चाहे हम किसी संगठन से है तो हमारा जब रहेंगे नहीं तो विद्यालय बने आई टी आई बने मेटल कॉलेज, खुले हॉस्पिटल खुले। जब यहाँ पे आबादी ही नहीं रहेंगी तो वहाँ पे शिक्षा कौन ग्रहण करने जायेगा कौन अपना इलाज कराने जायेगा तो एक ऐसा सार्थक पहल किया जा रहा है। बंद हो गया है, इसको नौकरी लगनी है, इसको नही लगनी है। बहुत सारे इनके टर्म्स कंडीशन्स रहते हैं और आगे जो लेकिन एक खुल रही है ये सबसे बड़ा सौभाग्य है चिरमिरी के लिए की एक बसा–बसाया साहब मैं एक प्रकार से जैसे हमारे सुप्रिया जी बोले की जान फूंकने की तैयारी की जा रही है तो मेरा पूरा समर्थन है और मैं यही चाहूंगा की अगर चिरमिरी के हित की बात करे। तो इस खदान का सभी लोगों को समर्थन करना चाहिए।
13.	शाहिद महमूद अधिवक्ता	चिरमिरी	आज यहाँ परप्रोजेक्ट के विस्तारीकरण पहुंचे उन्हे खोले जाने के लिए जनसुनवाई है। सबसे पहले मैं अंजन हिल माइंस में जो रणबीर शहीद हुए थे, उन्हें मैं सादर नमन करता हूँ और मैं अपनी बात यहाँ से शुरू करना चाहता हूँ कि मैं आज चिरमिरी मे हूँ या यहाँ कुछ बोलना चाहता हूँ तो सिर्फ सिर्फ यहाँ पे इसलिए हूँ कि मेरे पिताजी एसईसीएल में काम करते थे मेरा जन्म यही हुआ शिक्षा दीक्षा यही हुई और छोटा सा एक सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता हूँ तो मैं इसी कौरी क्षेत्र में पल बढ़के उसी के बदौलत हूँ साथियों, मेरा नाम शाहिद महमूद है और मै पेशे से अधिवक्ता हूँ और समाधान चिरमिरी। मैं सामाजिक संस्था भी चलाता हूँ और दिशा लाइफ सोशल फोरम भी है। साथियों, मै आपको बताना चाहता हूँ। और इस बात के लिए भी मैं यहाँ पे आश्वस्त करना चाहता हूँ कि चूंकि मैं एक श्रमिक का बेटा हूँ और पूरी चिरमनी साहित्य के लिए और रोजगार के लिए संघर्ष कर रहा है। आज चिरमिरी की 80 प्रतिशत् आबादी एसईसीएल के मकानों में रह रही है। मैं भी रह रहा हूँ मेरे पिता श्रमिक थे, बिजली फ्री है, पानी भी फ्री है। मैं इसलिए बात नहीं बोल रहा हूँ की यहाँ पे बात को बताना भी आवश्यक है कि एसईसीएल का एक बहुत बड़ा कृपा है इसलिए सब लोग रह रहे हैं। अगर आज ये बंद कर दे तो लोग पलायन के लिए मजबूर हो जाएंगे तो इसके लिए भी मैं धन्यवाद उनको करना चाहता हूँ और ये बताना चाहता हूँ ये जो अंजनहिल माइंस प्रोजेक्ट चालू होना है, इसमें मेरे सामाजिक संस्था का पूर्ण समर्थन है और समर्थन इसलिए है कि हम जिस क्षेत्र में निवास करते हैं वो शुरू से ही 1927 से ही एक उत्खनन क्षेत्र है और कोयला निकाला जा रहा है।वहाँ के कोई पर्यावरण दृष्टिकोण में बहुत मूलभूत परिवर्तन नहीं होते हैं और इस क्षेत्र में अगर खदान खुलेगी तो मैं सबसे पहले इस बात के लिए मैं आपको कंपनी को गारंटी देनी पड़ेगी कि यहाँ पे जो नियुक्तियां होंगी। उन पूर नियुक्तियों में 90 प्रतिशत स्थानीय लोगों को देना होगा जो यहाँ पे सब काम कर रहे हैं, बैठे हैं आप 10 प्रतिशत् लोगों को ही टेक्निकल लाए। तकनीकी रूप से लाए प्रबंधन के लिए लाए। लेकिन 90 प्रतिशत् भागीदारी स्थानीय चिरमिरी के लोगों के और इस पांच किलोमीटर परिधि के अंदर के जो जनसुनवाई हो रही है। उनको दिया जाए। ऐसा ना हो की भुकभुकी से जनसुनवाई के दौरान समर्थन लेने के बाद आज टीएमसी कंपनी को देखिये चिरमिरी के लोग तरस रहे है और मिनिमम वेतन ऊपर नहीं दिया जा रहा है उनको सुरक्षा के उपकरण नहीं दिया जा रहा है। काम समय से ज्यादा काम लिया जा रहा है और इस 90 प्रतिशत् में और बात बोलना चाहूंगा हमारे पास मात्र शक्तियां भी हैं और ये भी कोई पढ़ी लिखी है कोई कुशल कर्मचारी है 30 आरक्षण मातृ शक्ति को भी उस 90 प्रतिशत् एक स्थानीय

			में दिया जाए मैं एक एसइ सीएल प्रबंधन के यहाँ बैठे हुए लोग हैं, उनको एक और रिक्वेस्ट करना चाहूंगा सर ये आपका जो सेंट्रल अस्पताल है वहाँ आयुष्मान कार्ड से इलाज तत्काल प्रारंभ कर दिया जाए। ओके और इसको होना चाहिए क्योंकि अब नौकरी करने वाले लोग नहीं है और किसी भी कर्मचारी की अगर कोई समस्या लेकर आए तो उसकी बातों को सुनना है। मैं आए दिन देखते रहता हूँ कि हमारे जो प्राइवेट कंपनियों में दो तीन कंपनियां हैं वो जो काम करने उनके कर्मचारियों को कंपनी द्वारा प्रताड़ित किया जाता है, अगर वो अपनी आवाज उठाते हैं तो बिना कारण बताये नोटिस दिए उनको बैठा दिया जाता है। ये चेंज नहीं होना चाहिए और श्रमिक का हक सबसे पहले होना चाहिए और मेरी पूर्ण समर्थन है इसमें कि ये खदान खोली जाए, किसी भी स्थिति में खोली जाए क्योंकि जब खदान खुलेगा तो रोजगार का सृजन होगा, बाजार गुलजार होंगे, लोगों की आवाजाही बढ़ेगी, उनके रोजगार बढ़ेंगे, व्यापार बढ़ेंगे। साथियों और एक बात फिर आश्वस्त करना चाहता हूँ कि इस चिरमिरी की अपनी मातृभूमि अपनी जन्मभूमि के लिए। हमने अपने जांबाज साथियों के साथ 350 किलोमीटर पदयात्रा चिरमिरी से लेकर रायपुर तक किया था और श्रमिकों के खिलाफ कभी कोई बात आएगी तो मैं किसी भी स्तर तक आंदोलन करने के लिए तैयार रहूंगा। इस कदम को खोलने में मेरी पूर्ण सहमती है। जय हिंद। जय भारत जय चिरमिरी।
14.	मो. इकराम	वार्ड नं. 24, चिरमिरी	सम्मानित मंच में मोहम्मद इकराम वार्ड नंबर 23 का पार्षद हूँ। मेरा मेरी निवेदन है कि सदन समर्थन करता हूँ की सदन होनी चाहिए और जीएम साहब से मेरा निवेदन ये है की आउटसोर्सिंग ना हो। ज्यादा से ज्यादा लोगों स्थानीय निवासी को नौकरी मिले इससे हमारा बना रहे। लोग पलायन करने की संभावना न हों इसी बातों से मैं अपनी बातों को अपना शब्द को विराम देता हूँ। जय हिंद।
15.	शीत जैन	चिरमिरी	मैं शीत जैन भारतीय जनता पार्टी चिरमिरी मंडल का मंडल महामंत्री के दायित्व में हूँ। पार्टी बाद में है, शहर पहले है। मैंने चिरमिरी में ही जन्म लिया, चिरमिरी का ही नमक खाया और आज मैं यहाँ पर खड़ा हूँ तो मुझे इस बात का गर्व है कि मैं चिरमिरी का मूल निवासी हूँ। चिरमिरी मे मेरा लालन पालन हुआ। चिरमिरी में मेरी पढ़ाई हुई, उच्च शिक्षा जरूर मैंने बाहर से ली, लेकिन कहीं ना कहीं चिरमिरी का मैं रिणी हूँ मैं आज इस मंच से साउथईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एसईसीएल को बहुत-बहुत साधुवाद देता हूँ कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की संयुक्त हस्तक्षेप से आपने जो अंजन हिल माइंस परियोजना की शुरुआत करने की जो पहल की है, उस पहल का मैं खुले मंच पर सहृदय स्वागत करता हूँ और अपना समर्थन देता हूँ। निश्चित रूप से इस माइन के खुलने से शहर गुलजार होगा। शहर की रोजी रोटी बढ़ेगी। आज यदि हम ₹1 भी कमा रहे हैं तो वो पैसा चिरमिरी के लोगों के बीच से ही हम कमा रहे हैं तो कहीं ना कहीं आज एसई सी एल। धीरे धीरे खाने बंद हुए लोग रिटायर होते गए। चूंकि नई भर्तियां एसईसीएल ने नहीं की तो कहीं न कहीं शहर से पलायन हुआ। लोग चिरमिरी से जहाँ से आए थे वहाँ चले गए चिरमिरी। एक ऐसा शहर हुआ करता था जहाँ पूरे भारत से लोग काम करने आते थे। ऐसा कोई राज्य नहीं था जहाँ का निवासी चिरमिरी में एसईसीएल में काम नहीं किया। लेकिन ये बिडम्बना रही कि लोग रिटायर हुए और यहाँ से पलायन कर दिए। लेकिन आज मुझे इस बात का गर्व है कि मेरे स्वर्गीय पिताजी ने चिरमिरी में ही घर बनाया, चिरमिरी में ही मकान बनाया और हम लोगों को लालन पालन करके ये शिक्षा दी कि चिरमिरी मे ही बेटा रहना। चिरमिरी नहीं सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए चिरमिरी के लोगों की सेवा करना और चिरमिरी के लोगों के अधिकारों के लिए लडाई लडना। आज

415

इस बात का गर्व होता है कि जीस खदानको 2010 में एक बहुत बड़ी दुर्घटना हुई थी। उसके बाद बंद कर दिया। मैं इस मंच से उन शहीदों को भी नमन करता हूँ। जिन्होंने उस खदान में सेवा करते हुए अपने बलिदानों को न्योछावर किया। आज बहुत ही के पहले जब हम उन लोगों को भी याद कर रहे हैं जो उस अन्य हिल माइंस में शहीद हुए थे आज यहाँ पर छत्तीसगढ़ सरकार के पर्यटन विभाग के भी लोग आए हुए हैं। आज यहाँ पर पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से लगा हुआ है। आदरणीय जीएम साहब है आदरणीय सवेरिया साहब है जो कि चिरमिरी ओसीपी को देखते हैं आदरणीय मनीष कुमार साहब आदरणीय अशोक कुमार साहब, हमारे चिरमिरी के प्रथम नागरिक आदरणीय श्री राम नरेश राय जी, सभापति, नगर पालिक निगम चिरमिरी सम्मानित संतोष भाई साहब, पूर्व विधायक महोदय भी हैं। माननीय मंत्री जी भी रहते हैं लेकिन हो चुकी है। अपने प्रवास पर हैं सभी जन मानस आज यहाँ पर एकत्रित हुआ है। ये माईंस फुलनी चाहिए, लेकिन एक बात मैं मैं कहीं खड़े हो जाऊंगा दादा मैं दिक्कत नहीं है। आदरणीय जी एम साहब के माध्यम से कहना चाहता हूँ कि पूरा चिरमिरी का युवा। चिरमिरी का नागरिक चिरमिरी की महिलाएं चिरमिरी का एक एक संगठन निश्चित रूप से आपके इस फैसले के साथ खड़ा है। लेकिन एक बात आप जरूर नोट कर लें। मैं प्रशासन के लोगों से भी आग्रह करूँगा। जो सुबह से यहाँ पर अपनी मुस्तैदी के साथ लगे हैं कि किसी भी प्रकार की असली घटना ना हो। ये जनसुनवाई सिर्फ जनसुनवाई ही ना रहे। इस जनसुनवाई के बाद जब भर्ती की प्रक्रिया हो तो आप उसमें हमारे सभी राजनीतिक दलों के लोगों को भी महत्त्व दें।एक बार इस जनसुनवाई के खत्म होने के बाद मैं पत्रकारों से भी आग्रह करूँगा। मैं आप सबको दमन करता हूँ, हमारे प्रिंट मीडिया के जांबाज साथी हैं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लोग हैं, हमारे यूट्यूब चैनल के लोग हैं। जो कि रात दिन मेहनत करके चिरमिरी की स्थिति को जनता के पटल में सरकार के पटल में ध्यान आकर सर में लाते हैं। कल मुझे बड़ा अच्छा लगा जी एम साहब मैं आपको धन्यवाद दूंगा कि कल आप मीडिया में मुखातिब हुए।आज तक एससी एल के अधिकारी कहते थे कि हमारा व्यक्ति जो बैठा है एससीसी और बिलासपुर हेडक्वार्टर में वो जवाब देगा। लेकिन जीएम साहब मैं हाथ जोड़कर आपको नमन करता हूँ, आपको बधाई देता हूँ कि आपने साहस दिखाया और कल आप मीडिया से मुखातिब हुए आपने सारे नियमों को ताक में रख के अपनी बात को रखा। इसके लिए आप बहुत बहुत बधाई के पात्र हैं। जीएम साहब लेकिन मैं इस बात को फिर से दोहराऊंगा जीएम साहब सवेरिया साहब, एस डीएम साहब कमिश्नर साहब भी पहुंचे हुए हैं। सभी पूर्व जनप्रतिनिधि हैं, पार्षदगण हैं आपको नगर निगम से भी चाहे वो कांग्रेस दल का नेता हो, चाहे वो भाजपा का नेता हो, चाहे वो निर्दलीय पार्षद हो, चाहे वो भारतीय जनता पार्टी की चिरमिरी की टीम हो, चाहे हमारे वो विधायक प्रतिनिधि हों, चाहे वो कांग्रेस पार्टी के नेता प्रतिपक्ष हो या ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हों, जब ये भर्ती की प्रक्रिया हो। तो मेरा निवेदन है, आप सभी से पत्रकारों से भी विशेष निवेदन है कि इस बात का ध्यान रखें कि वहाँ पर एक एक व्यक्ति यदि आप वहाँ पर हमारा बैठाएंगे तो शायद चिरमिरी की जनता के साथ हम न्याय कर पाएंगे। क्योंकि ये जनसुनवाई के बाद ये ऐसा न हो की आज तो पूरा पुलिस मकवा आ गया। आज तो पूरे अधिकारी आ गए। आज तो पूरे प्रशासनिक अधिकारी आ गए। आज तो पूरे वन मंडल के अधिकारी आ गए और ये सुनवाई सिर्फ कागजों में रहकर खत्म ना हो। मेरा निवेदन है मंचस्थ माननीय अतिथि गणों से और यदि ये वीडियो रिकॉर्ड हो रहा है तो मैं इस बात को दर्ज कराना चाहता हूँ कि आने वाले

समय में जब भर्ती की प्रक्रिया हो तो मैं इस बात का पुरजोर समर्थन करता हूँ कि चिरमिरी के नौजवानों को मौका मिलना चाहिए। चिरमिरी के युवाओं को मौका मिलना चाहिए, चिरमिरी की महिलाओं को मौका मिलना चाहिए और पहली प्राथमिकता यदि आप डिग्री और डिप्लोमा के लोगों को भी देंगे तो पहली प्राथमिकता जी हम साहब चिरमिरी को देंगे तो पूरा चिरमिरी इसके लिए आपका रीढी रहेगा। आप तो कहीं न कहीं दो 4 साल में ट्रांसफर होके या रिटायर होके यहाँ से चले जाएंगे। कई अधिकारी आए, काम किए, अपने दायित्व का निर्वहन किए लेकिन चुकी एक प्रक्रिया है। एक समय के बाद आपका रिटायरमेंट लेना एक प्रक्रिया है। मै मानता हूँ कि आप यहाँ से चले जाएंगे, लेकिन कुछ ऐसा करके जाइए जी एम साहब कुछ ऐसा करके जाइए सवेरिया साहब की जाने के बाद भी चिरमिरी की जनता आपको याद रखें, चिरमिरी का जनमानस आपको याद रखें कि एक जी एम था एक सवेरिया था। जिसने चिरमिरी का भला किया। पर्यावरण के अधिकारियों से भी आग्रह करूँगा कि खदान खुलने के बाद भी आप अपनी नजर उतनी ही बनाये रखें जितनी नजर आज इस लोग सुनवाई में बनाए हैं। एसईसीएल कहीं ना कहीं गलती करता है जीएम साहब गलती होना स्वाभाविक है, लेकिन मैं प्रिंट मीडिया से भी आग्रह करूँगा कि गलतियों पर अंकुश ना लगाएं। यदि जो कंपनी इस काम को ले रही है यदि वो कहीं पर्यावरण के नियमों का उल्लंघन करती है, कहीं ना कहीं शासन प्रशासन के नियमों का उल्लंघन करती है। तो उस पर कार्रवाई करने के लिए आपको अधिक सतर्क होना होगा, आपको उसके लिए मुस्तैद रहना पड़ेगा। कहीं ना कहीं खाना पूर्ति से काम नहीं चलेगा। आज जीवन आज चिरमिरी को एक नई जीवनदायनी ये परियोजना मिलने जा रही है। आज और खुशी का दिन है। ये वही चिरमिरी है जिसने काला दिवस भी मनाया। आज ये वही चिरमिरी है जो आप साहब जो अब भी खुशी का जश्न भी मनाएगा। आज हम लोग जन सुनवाई के लिए जरूर आए हैं, लेकिन मैं तो यहाँ पर आया हूँ अपनी टीम के साथ जश्न मनाने। आज चिरमिरी के लिए जश्न का दिन है। आज चिरमिरी के लिए बधाई का दिन है। आज चिरमिरी की उन्नति का दिन है। आज चिरमिरी की प्रगति का दिन है। आज चिरमिरी के एक नए इतिहास को लिखे जाने का दिन है जिसका हम आपको बहुतबहुत बधाई देते हैं। आपका बहुतबहुत समर्थन करते हैं आपको जहाँ आवश्यकता पड़ेगी। हम राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर मैं आपको वचन देता हूँ कि चिरमिरी का एक एक नागरिक आपके साथ है। चिरमिरी का एक एक मतदाता आपके साथ है, चाहे वो एसईसीएल श्रमिक का बेटा हो। चाहे वो शिक्षक का बेटा हो, चाहे वो पंडित का बेटा हो, चाहे वो पुजारी का बेटा हो, चाहे अडवोकेट का बेटा हो, चाहे किसी नेता का बेटा हो जहाँ पर चिरमिरी है और जहाँ पर चिरवरी की बात आएगी तो चिरमिरी में पैदा होने वाला एक नौजवान आपसे वादा कर रहा है कि चिरमिरी के हर उस फैसले के साथ हम आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे, जिससे चिरगिरी का भला होगा, जिससे चिरगिरी की प्रगति होगी, जिससे चिरगिरी की उन्नति होगी। मैं राज्य शासन को धन्यवाद देता हूँ कि इतनी अच्छी पहल आज भले 16 साल बाद हो रही है ये पहल, लेकिन 16 साल बाद भी हम इस पहल का समर्थन करते है। इस पहल का स्वागत करते हैं। एससीसीएल प्रबंधन का भी धन्यवाद दूंगा कि आप लोगों में आगे आकर लोग अपनी नौकरियां करते हैं, समय काटते हैं और रिटायरमेंटों के ट्रांसफरों के यहाँ से चले जाते हैं। लेकिन जीएम साहब से सेवेरिया साहब को मैं कोटि कोटि अभिनंदन करूँगा कि आपने साहस दिखाया। आपने क्षमता दिखाई कि मन के हारे हार है मन के जीते जीत और आपने इस बात को आज दिखा

			दिया कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती है। हारने वालों की कभी जय जयकार नहीं होती है तो निश्चित रूप से जी एम साहब सवेरिया साहब। प्रशासन के सभी लोग वन मंडल क्षेत्र के अधिकारीगण जीतने भी लोग यहाँ पर हैं। मैं सबको बहुतबहुत धन्यवाद देता हूँ बधाई देता हूँ और इस अवसर-पर आपने बोलने का अवसर दिया। जनसुनवाई को यहाँ पर रखा है। बहुत ही शांति ढंग से इस जनसुनवाई को सभी लोग संपादित करें। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथियों से भी निवेदन करूँगा। कि आप भी चिरमिरी से यदि आते हैं तो चिरमिरी से कहीं न कहीं आपका नाता जुड़ा है तो आप सभी इस खबर को सकारात्मक दिखाएं। इस खबर को ज्यादा से ज्यादा पॉजिटिविटी के साथ जनता के बीच में लेकर जाएं और एक बार अंतिम मैं अपनी यही बात कहूंगा जी एम साहब से और अधिकारीगणों से कि जब कभी भी भर्तियां हो तो यहाँ के सभी दलों के नेता को उसमें प्रतिनिधित्व करने का अवसर दीजिएगा। आदरणीय सभी की बात सुनने का अवसर दीजिएगा और यहाँ के लोग यदि रोजगार पाएंगे तो यहाँ पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पैसा का सृजन होगा। बैंक आज धीरे धीरे बंद हो रहे हैं। बैंकों में भी रौनक आएगी, बाजार में गुलजार होंगे, आप जरूर चले जाएंगे लेकिन आपका आशीर्वाद आपकी कृपा से चिरमिरी आगे बढ़ेगा। हम लोग चिरमिरी में पैदा हुए हैं और ये बात कहने में कहीं से कोताही नहीं की। हमारा पूरा जीवन चिरमिरी नहीं कटेगा। तो जब चिरमिरी का अच्छा समय भी हमने देखा है, खराब समय भी देखा है और मैं चाहता हूँ आने वाले समय में चिरमिरी का बहुत अच्छा समय भी हम लोग देखें, सब लोग खुश रहें, निरोग रहें, सवस्थ रहें, मस्त रहें। इसी आशा और वचन के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ और अपना समर्थन देता हूँ। पूरे नौजवानों की ओर से। कि इस अंजन हिल परियोजना का जो शुरूआत हो रही है, उसमें हम आपके साथ हैं। कदम से कदम मिलाकर चलेंगे बहुत बहुत धन्यवाद प्रिंट मीडिया इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी साथियों का धन्यवाद, प्रशासनिक लोगों का धन्यवाद। जय हिंद। जय महाराज, जय छत्तीसगढ़ यदि बोलने में कोई त्रुटि हो गई होगी तो छोटा समझ कर बात करिएगा। जय हिंद।
16.	डा. के0 पी0 यादव	ग्राम पंचायत दूबछोला	सभी लोग हमारा जन सुनवाई में आए हुए हैं सभी का पंचायत के तरफ से नमन प्रणाम और आगे तो अभी तक वो का बात नहीं सुना लेकिन सिर्फ चिरमिरी, हम लोग भी देहात में रहते हैं। थोड़ा हम लोग को भी ध्यान दिया करिए बाबू हम लोग गरीब आदमी है और हम लोग से है सब कुछ हम लोग का होता है तो हमारे देहात में दूबछोला है, भुकभुकी है, भंडारदई है में हमारे एक भी अभी नहीं आए क्योंकि अपने गरीबी को बताये ना जो दिल को ना इसका सर कौन समर्थन करता है पूरा पूरा घर समर्थन करता है। सब लोग समर्थन करते है अगर हाँ, लेकिन बोली बोलिए आदत नहीं है मेहनत कहाँ से हो भाई हमारे बातों को कोई मत लीजिएगा की हम हम के सहारे ही हम लोग रहते है, वहीं से हमारे गरीब लोग जाते है, रोजगार खाते है, वहीं से व्यापार करते है, रोजी रोटी मिलता है, गाड़ी होना चलता है। हम लोग छोटा मोटा होटल खोले है, गाड़ी खोले आते है, जीवन यापन करते है, ये जब से बंद है जब से हम लोगों को बहुत ही समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हम लोग बच्चे कैसे पढ़ेंगे, कैसे जीतेंगे अंदर ही खुलने से हम पूरी जनता को हमारा काम पंचायत को छोड़ा था सभी को और पहले कैसे था एसईसी एल के बोलते थे कि कौन नहीं है लेकिन कागज में रहता था। ऐसा नहीं होना। चाहिए कागज में नहीं ऐसा होना चाहिए एसईसी एल का जो भी गोद लिए थे। एक भी कायदा हम लोगों को नहीं मिलता है। ये सब कुछ दिया जाए । धन्यवाद। जय जोहार।

418

17.	संतोष सिंह	सभापति नगर पालिक निगम	आज इस लोक जन सुनवाई में मंच पर विराजमान सभी अतिथिगण, सभी अधिकारीगण, क्षेत्र के जन प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बंधुओं। निश्चित रूप से आज यह लोकजन सुनवाई सभी जनता को बात में रखने के लिए यहाँ पर बुलाई गई है। निश्चित रूप से अंजन माईन अंजन हिल माईन खुलने का मैं स्वागत करता हूँ। महोदय, आप सभी से मैं एक ही बात रखता हूँ की आज यह अंजनहिल माइन खुले पर और ये इतना बड़ा बाजार का नष्ट होना निश्चित रूप से बड़ी दुख की बात है। मैं एक जनजाति समाज से आता हूँ और जनजाति समाज का दुख और पीड़ा मैं अच्छे से समझ सकता हूँ निश्चित रूप से आज की यह जनसुनवाई में जो गांव फंस रहे हैं भंसरदेई भुकभुकी, मेरों। इस क्षेत्र के और गांव के नाम तो नहीं जानता हूँ, लेकिन इस क्षेत्र के जो जनजाति समाज के किसान है, निश्चित रूप से उनके जमीनों का हनन होगा। यह इस मंच के माध्यम से मैं पूछना चाहता हूँ कि वो जनजाति समाज जिन्होंने कई वर्षों से खेत खलिहान बनाकर के अपने परिवार का भरण पोषण करते थे, क्या उनका जमीनों का ये माइंस खुलने से क्या लाभ होगा आज वहाँ के जनता को जो भी जनजाति समाज के लोग वहाँ पर निवास कर रहे है, आज कई वर्षों से खेत बनाए हैं, उसमें उनका पीढ़ी दर पीढ़ी खेती कर रहा है। क्या उनका इतने बड़े पहाड़ को खोदा जाएगा, उसका मिट्टी का गंडारण कहाँ करेंगे क्या निश्चित रूप से ये वाला भूमि पर तो अधिकरण नहीं किसने को कर रहे है ये भी अभी कोई जानकारी नहीं है। निश्चित रूप से इसे के खुलने से अधिकारी कर्मचारियों से कहता हूँ। कि कम से कम उन गरीब जनताओं का आपको ध्यान में रखना पड़ेगा जिनका हजारों एकड़ जमीन यहाँ पर अधिग्रहण किया जाएगा। निश्चित रूप से जनजाति क्षेत्र के लोग पूरे जल, जंगल, जमीन का यदि कोई रक्षा करता है। आज देखे होंगे तो पर्यावरण से लेकर के जन जंगल, जमीन पूरे आदिवासियों ने आज साजो कर रखा है। आज मैं उनके तरफ से मैं ये बात रखता हूँ कि आज वह जंगल का इतना बड़ा मिट्टी खोलेंगे तो क्या उनके जमीनों का कितना नुकसान होगा क्या उनका आने वाले जो खेत खलिहान बनाए हैं, क्या उन लोगों का खेत खलिहान के लिए उन लोगों के पास क्या जो आप लोगों ने राशि देंगे या नहीं देंगे, नौकरी देंगे क्या उनका पीढ़ी दर पीढ़ी दर चलेगा या मैं आज मंच के माध्यम से अपनी बात को रखता हूँ और मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस क्षेत्र के जो भी जमीन भूमि फसेंगे मैं एक ही बात कहता हूँ कि हजारों कई वर्षों से यहाँ पर लोग अपना निवास करते हैं और खेती बाड़ी करके अपना भरण पोषण करते हैं क्योंकि वो गरीब है। अंतिम स्वर में रहने वाले ऐसे लोगों का चिंता करने वाले कौन होगा क्या ये कंपनी हमारी होगी या नहीं। होगी, इस बात को भी मैं रखना चाहता हूँ। निश्चित रूप से अंजन हिल माइंस खुले। मैं अपना बात भी रखता हूँ कि अंजन हिल माइंस खुलेगा तो क्या ऐसी पहाड़ बनाकर छोड़ दिया जाएगा कि उस उस भूमि को समतलीकरण किया जाएगा यदि समतलीकरण किया जाएगा तो निश्चित रूप से फिर से चिरमिरी वहाँ बसेगा। पहाड़ जैसे पहाड़ बनाया नहीं जाना चाहिए। ऐसा मेरा व्यक्तिगत मानना है आज के इस जन सुनवाई में मैं ये भी कहूंगा की यदि जिस दिन कोयला समाप्त होता है तो उस भूमि को राज्य शासन को हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए। क्योंकि यदि उसमें रहे तो यहाँ से जो लोग रहेंगे उनको मालिकाना हक मिलेगा। यदि मालिकाना हक उनको मिलता है। आज यहाँ से रिटायरमेंट होके चिरमिरी का ही बात कहूँ यही से पैसा कमाएंगे, यही से सारी चीज करेंगे, सारी जिन्दगी बिताएंगे, लेकिन अंत में यहाँ से अपना पूरा बिस्तर उठाके सब चले जाते हैं। क्यों कारण एक ही है की वो यहाँ पर पैसा इन्वेस्ट करे तो करे कैसे क्योंकि उनको जमीनो का भी मालिकाना हक

			नहीं मिल पाता है। यदि इस प्रकार से करते हैं तो निश्चित रूप से यहाँ के लोगों का पुनः उसको खेतिहर बनाएंगे। खेती करेंगे, हमारा जल जंगल, जमीन फिर से बचा रहेगा या ये मैं अपनी बातों को या पूरा ज्यादा समय ना लेते हुए यही कहूंगा की कम से कम यहाँ के किसानों को यहाँ के बेरोजगारों को ध्यान में रखते हुए और जो है तो कंपनी से आग्रह है की इस प्रकार से अपने कोई भला करे। जय हिन्द, जय भारत। जय छत्तीसगढ़।
18.	शिवाशु कुमार जैन	चिरमिरी	मेरा नाम शिवाश कुमार जैन है। मैं चिरमिरी में निवास करता हूँ। वर्तमान में मैं कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हूँ। उपस्थित इस जन सुनवाई में। पर्यावरण अधिकारी, जिला प्रशासन संभाग से आई हुई टीम, पुलिस प्रशासन, राजस्व के अधिकारी एसई सी एल के आदरणीय जी, एम सर और सभी अधिकारी उपस्थित पूर्व विधायक जी एवं हमारे चिरमिरी शहर के प्रथम नागरिक रामवरेश राय जी नेता प्रतिपक्ष, सभी पार्षदगण, आदरणीय प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के हमारे पत्रकार बंधुओं चिरमिरी से आए हुए समस्त व्यापारीगण, विभिन्न राजनीतिक दलों से आए हुए हमारे साथी और ग्रामीण क्षेत्र की आए हुए। हमारी प्यारी जनता मैं सभी को प्रणाम करते हुए अपनी बात को प्रारंभ करूँगा। सर्वप्रथम शाहिद भैया ने बहुत अच्छी बात से प्रारंभ किया कि हमें अंजलि के उन शहीदों को नमन करना चाहिए जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति हमारे देश के विकास के लिए कोयला उत्पादन के दौरान उस खनन में हुए हादसे को दे दी। मैं बताना चाहता हूँ यहाँ पर उपस्थित सभी जनता को और एससी एल प्रबंधन को भी याद दिलाना चाहता हूँ। कि जब अंजनिल खदान चला करती थी तो लगभग दो से 2500 एससीसीएल के एम्प्लोयी वहाँ काम किया करते थे और दो से 2500 एससीएल के एम्प्लोयी लगभग 80 से ₹1,00,000 तक का वेतन वहाँ से प्राप्त किया करते थे और कोयला उत्खनन होता था। लेकिन वर्तमान में जो जानकारी हमको प्राप्त हो रही थी, वो जो प्रोजेक्ट है अंजन हिल के द्वारा जो खोला जा रहा है पुनः उसमें ओपेन कास्ट के माध्यम से कोयला उत्खनन होगा और हम जैसा कि जानते हैं कि ओपेन कास्ट से बहुत ही कम लोगों को वहाँ पर रोजगार दिया जाएगा, अधिकतर मशीनरीकरण और बहुत सारे जो टेकनिकल हैंड्स हैं, वही वहाँ पर लगेगा। मजदूर और आम जनमानस का बहुत ज्यादा लाभ नहीं होने वाला तो पहली माँ मेरी ये है कि प्रशासन और एससीसीएल यह प्रयास करें कि अगर उस खदान को दूसरे मोहाड़े के साथ खोलकर अगर अंडरग्राउंड माइनिंग स्टार्ट करें जैसा कि पहले होता था। तो ये हमारे चिरमिरी के नौजवानों और युवाओं के लिए रोजगार के लिए ज्यादा सार्थक रहेगा क्योंकि उसमें 1500 से 2000 लोगों को नौकरी मिलेंगे, पर्यावरण का संरक्षण भी हो सकेगा, हमारे पेड़ भी नहीं काटे जाएंगे और खदान की लाइफ भी लंबी रहेंगी। अभी तक जो हम एससीएल का रवैया देखते हैं। निश्चित रूप से ने हमारे क्षेत्र में बहुत सारे काम किए और बहुत सारे काम नहीं किए। लेकिन मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि लगभग 100 सालों से लगभग दशकों से हमारे इस चिरमिरी की रत्नगर्भा धरती ने पूरे देश को उज्वल किया है। पूरे देश को प्राकृतिक संसाधन कोयला के रूप में भेजा है। लेकिन आज हमारे देश के, हमारे क्षेत्र के हमारे चिरमिरी शहर के जो नौजवान है जो यहाँ तीन चार पीढ़ियों से रहते है वो कही ना कहीं अंधकार में जा रहे है। उनका भविष्य अंधकार में जाना है। मेरा जन्म सन 1988 में चिरमिरी में हुआ। आज मेरी उम्र 36 वर्ष है। जब मैं बारहवीं पढ़ा करता था तो लगभग 120 लोग मेरे साथ उस समय स्कूल में दो सेक्शन में पढ़ते थे। लेकिन आज जब उस 120 में से 10 साथी भी चिरमिरी में वर्तमान में नहीं रह रहे हैं, उसका सबसे बड़ा जो कारण है वह यहाँ का

420

पलायन और बेरोजगारी है। आज हम एससीसीएल से आश्वासन चाहते हैं उस कंपनी से और खिलाफ प्रशासन से आश्वासन चाहते हैं और सभापत्र के माध्यम से चाहते हैं कि पहले तो आप जो पुरानी यहाँ पर कंपनियां प्राइवेट चल रही हैं, उनमें चिरमिरी के कितने युवाओं को रोजगार दिया गया है। ये हमको बताइए और नहीं दिया गया है तो क्यों नहीं दिया गया है आप उसको तीन महीने में सुनिश्चित करिए कि जितनी भी पुरानी खदानें एग्जिस्टिंग अभी चल रही हैं, उनमें चिरमिरी और आसपास के ग्रामीण जो प्रभावित हो रहे हैं, उनको ही रोजगार दिया जाएगा। ऐसा ना हो कि आज जन सुनवाई के बाद हम अपने घरों में चले जाएं। बात तहरी पर समाप्त हो जाए। हम लंबे चौड़े लच्छेदार भाषण दे दें और आने वाले समय में उसी प्रकार से जो अन्य कंपनियां कर रही हैं। एससीसीएल प्रबंधन के साथ मिलकर चंद लोगों को ही चिरमिरी में रोजगार दिया जा रहा है। लोग बाहर से आकर हमारे इस प्राकृतिक सौंदर्य को खत्म करके हमारे चिरमिरी की छाती को चीर कर कोयला पूरे देश मे बेच रहे हैं लेकिन हमारा जो युवा है वो ठगा हुआ महसूस कर रहा है। हमारा व्यापारी ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उसकी दुकानों मे दिनभर बोहनी नहीं हो रही है, राहत नहीं आ रहे हैं। लोगों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि जो जमीनें एसई सी एल लेती है, वो वापस नहीं करती और वापस नहीं करती तो उसका पट्टा नहीं मिलता, उसका पट्टा नहीं मिलता तो कोई बड़ा इन्वेस्टर या व्यक्तिगत यहाँ पर कोई व्यापारी निवेश नहीं करता। इस सारी बातों को सबक पदों के माध्यम से आपको सुनिश्चित करना होगा कि आने वाले जो समय में खदान खुलेगी उसमें 90: हमारे चिरमिरी। और जो ग्राम पंचायत प्रभावित हो रहे हैं, उनके ग्रामीण युवाओं को ही उसमें रोजगार दिया जाएगा। इस बात पर आपको ध्यान देना होगा और वर्तमान मे भी जो पुरानी खदानें अभी संचालित है, जो प्राइवेट खदानें उनमें भी हमारे चिरमिरी के लोगों को आपको अधिक से अधिक भर्ती देना पड़ेगा, उसके बाद ही मूलभूत जो सुविधाएं हैं। वहाँ पर सड़क की सुविधा आज बरतुंगा जाने की स्थिति आप देखिए वहाँ पर सड़क नहीं है, वहाँ डस्ट इतनी उड़ती है कि आप बाइक से जा नहीं सकते। पूरे पाउडर और डस्ट से आप सन जाएंगे। अगर आप बरतुंगा जाएंगे तो ये जिम्मेदारी किसकी है वहाँ के लोग जो अस्वस्थ हो रहे है, हमारी जिम्मेदारी किसकी है वहाँ जो मूल फूल, सुविधाओं, स्वार्थ और शिक्षा का अभाव है, यह जिम्मेदारी किसकी है यह भी सुनिश्चित होना चाहिए। जो कंपनी आ रही है उसको लिखित में शपथ पत्र में देना होगा। हम निश्चित रूप से समर्थन में हैं खदान के लेकिन चिरमिरी के भविष्य को अंधकार में रख के हमारे आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के। भविष्य को अंधकार में रख के हम बिल्कुल इस खदान को नहीं खुलने देंगे। अगर चिरमिरी के साथ अहित होगा तो हम इसका कड़ा विरोध भी करेंगे। मैं मंच के माध्यम से आपको बताना चाहता हूँ। चिरमिरी का एक एक युवा बहुत ही उत्साह से चिरमिरी के इस खदान के प्रोजेक्ट की तरफ देख रहा है। लेकिन आप अगर जन भावनाओं के साथ खिलवाड करेंगे तो हम देश को आजाद करने वाली पार्टी के प्रतिनिधित्व हैं। अपने प्राणों की आहुति देकर भी हम शीलमरी के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। आज हमारे क्षेत्र में लगातार युवाओं को पलायन करना पड रहा है। 10 से 12–15 हजार की नौकरी उनको नहीं मिल रही है। एक बात मैं और मुख्य रूप से बोलना चाहता हूँ, प्रबंधन के लोगों को और जो यहाँ पर जनसुनवाई के जो प्रमुख हैं। अधिकारी की जो खदान खुलने वाली है उसमें लगभग एक से डेढ़ वर्ष का समय है। बार बार मैं सुन रहा हूँ कि टेक्निकल लोगों को बाहर से लाया जाएगा। जो उनको प्रबंधन के लिए उत्खनन करना है, उसकी जो एक्सपर्ट

			टीम है उनको बाहर से लाया जाएगा। अरे क्यों बाहर से लाया जाएगा चिरमिरी में पढ़े लिखे युवा हैं। अभी 1 साल का समय है खदान पढ़ने के लिए आप उनको प्रशिक्षित करिए और 1 साल में इस लाइन बनाइए कि वहाँ से एक भी युवा को न आना पड़े। चिरमिरी कई लोग प्रशिक्षण करके जो आई टी आई किए हैं, जो डिप्लोमा किए हैं, जो इंजीनियर हैं, उनको भी यही प्रशिक्षण 1 साल का दिया जाए। नौकरी की प्रक्रिया पा आगामी तीन माह से बालू कर दीजिए। जब खदान खुलेगी तो एक वर्ष का समय जो अंतर का मिलेगा। 1 साल में पढ़ा लिखा लूँगा, कोई भी प्रशिक्षण मेरे ख्याल से ले सकता है, इस बात को भी आपको ध्यान देना पड़ेगा। आज 100 वर्ष हो गए। लगातार चिरमिरी में कई खदानें थीं। लगातार चिरमिरी की खदानें और। बंद हो रही है। मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ आधार निधि जैन जी को मेरे पूर्व के जो वक्ता हैं जिन्होंने इस बात को भी कहा है कि जो भी थलांग में नियुक्ति होगी वो जीतने भी राजनीतिक, सामाजिक दल है। चिरमिरी के जनप्रतिनिधि है, पस्त है चाहे वो किसी भी दल के हो। पूर्व हो, वर्तमान हो, पक्ष हो, विपक्ष हो, सभी की एक कमेटी बनकर आपको सभी को रोजगार को सुनिश्चित करना होगा। ऐसा ना हो कि मैं बड़े पक्ष में हूँ तो मेरे ही आदमियों को सिर्फ भर्ती हो जाए और यहाँ बैठा हुआ है एक गरीब किसान का बेटा, एक गरीब मजदूर का जो बेटा है वह कहीं ना कहीं शोषित हो जाए। दूसरी एक बड़ी बात तो 1,00,000 है आप उसको फिर भी तनखा देंगे। काम करने के कितने घंटे होंगे, उसकी सुरक्षा की क्या जिम्मेदारी होगी अगर कोई हादसे में मौत होती है तो उसका कंपनसेशन कौन देगा लगभग 50,00,000 से 1,00,00,000 का दौमा। आप सभी हमारे मजदूरों का करियेगा जो उस खदान में जाएंगे जिससे अगर कोई बड़ी दुर्घटना में किसी की जान जाए तो उसके परिवार को उसका भरण पोषण करने के लिए वह रह चुका है। ये सारी बातों को सुनिश्चित करके अगर आप खोलते हैं मैं ग्रामीण भाइयों के लिए भी बोलना चाहता हूँ, एक दूसरे के पूरक हैं भुकभुकी हो या मुकुंदपुर हो। हमारा जो 16 हो यहाँ पे भी जो प्रभावित होंगे उनको भी कहीं ना कहीं उस खदान के माध्यम से रोजगार और अन्य चीजों में बराबरी का हिस्सा मिले उनका साथ भी दिया जाए क्योंकि खड़गवां चिरमिरी एक दूसरे के भाई के समान रहे हैं और आगे भी इस खदान यहाँ चले। दोनों का आर्थिक स्थिति मजबूत हो हमारा दोनों शहर गांव आगे बढ़े। की भविष्य अच्छा रहे। हमारे बच्चा तो भी इसी धरती में मेरा जन्म हुआ और इसी धरती में मेरा अंतिम समय भी यही बीते। सारी बातों के साथ वह पुनः आप सभी को इस सुनवाई के लिए आप सभी को क्या आमंत्रित किया बधाई देते हुए कहाँ पर मेरे मुझे बात करने का अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किया बहुतबहुत धन्यवाद। जय हिंद, जय भारत, जय छी। कृपया सभी को अवसर मिले, उस ढंग से थोड़ा जल्दी अपनी बात रखे और अधिकांश जो अपनी बात रख रहे हैं उनके द्वारा जो। मुद्दे है वो डिफीट हुआ है सभी को एक बार अवसर मिले उस टाइम पे थोड़ा जल्दी से अपनी बात करके या धन्यवाद जन सुनवाई है और लोगों की भावनाओं है वो निकल जाती है। उस समय ये देखा नहीं जाता की किसने कौन मुद्दा उठाया और और नहीं पाया। जी लोगों की भावनाओं का दृष्टिगत रखते हुए। उन्हें बोलने का पूरा पूरा अवसर दिया जाए।
19.	शिवनारायण राव	चिरमिरी	मैं शिवनारायण राव और इसके साथ ही मैं चिरमिरी से भी जुड़ा हुआ हूँ एक लंबे समय तक एसईसीएल चिरमिरी में कार्यरत था और रिटायर होने के बाद आज मैं अभिवक्ता के रूप में चिरमिरी में प्रैक्टिस कर रहा हूँ चिरमिरी हमारी चिरमिरी जो कभी काले हीरे की नगरी के रूप में जाना जाता था, जो प्रदेश ही नहीं पूरे देश में इस चिरमिरी का नाम कोयले की

422

			उत्खनन और राष्ट्र को जो लोग चिरमिरी के द्वारा मिला है नहीं। उसकी जितनी प्रशंसा की जाए वो कम है। आज यहाँ पर लोक सुनवाई में हमारे पर्यावरण के अधिकारी है, प्रशासनिक अधिकारी है हमारे महाप्रबंधक सेबेरिया अशोक कुमार साहब। मनीष कुमार साहब और क्षेत्रीय प्रबंधक साहब आप सभी ने एक लोक सुनवाई के माध्यम से चिरमिरी के लोगों के दिल में क्या है उनके इकाई में क्या है, इसको जानने का प्रयास क्या है इसके लिए आपको बहुत बहुत धन्यवाद चालू हुआ। या चिरमिरी में जो काले हीरे की निकासी की जाती थी या धीरे धीरे यहाँ की मन से बंद होने लगी। पहले कोरिया गेलापानी बंद होते होते सिमट सी गई। एक समय था मैं यही पैदा हुआ। मेरे पिता श्री यही रोजगार करते थे और यही की मिट्टी पे वो आज शुरुआत हुआ यही उनका हम यहाँ के नौजवान जब जनवरी को देखा करते थे तो इस बात का कभी मरा, कभी चिंता नहीं होती थी कि हमें रोजगार के लिए इस देश के कौन कौन से प्रदेशों में भटकना पड़ेगा। हम इस बात को लेकर के अफसोस थे कि हमें तो हमारी इसी नगरी में किसी कोयला क्षेत्र में हमें रोजगार मिलेगा। लेकिन जैसे जैसे कोले का क्षेत्र सिमटता गया, खदानें बंद होती गई, लोगों के ऊपर संकट मंडराने लगा। 1984, 1986 के बाद किसी भी तरह की कोई बहाली कॉल इंडिया ले रही थी। एसईसीएल ने नहीं की जिसके परिणाम स्वरूप लाखों यह कार्य न युवक बाहर के प्रदेशों में पलायन को मजबूर हुआ और बाहर के प्रदेशों में छोटी मोटी नौकरी का जीवन यापन कर रहा है। आज एक तो उस संकट की घड़ी में जब चिरमिरी के वसाहट की बात की जा रही है, जब चटनी से उत्तर रहा है, इसकी बात की जा रही है। एक हल्की सी रोशनी आप अंजनहिल भाई के उन शहीदों पर भी नमन करता हूँ। जिन्होंने इस उत्थान के लिए कोयला उत्खनन में शहीद हुए उन्हें भी नमन करते हुए जब ये अंजनी हिल्स खुलने की एक नौकरी गवाई तो यहाँ उत्साह चिरमिरी के एक एक नौजवानों के अच्छा देखने को मिलता है और पूरा चिरमिरी का जनमानस इस बात का समर्थन करता है की अंजनहिल माइन नहीं है और भी माइन्स हम लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मिले. लेकिन मेरी एक बात है कि जो रोजगार यहाँ पे नवजों को दिया जाएगा वो एसईसीएल के कर्मचारी माने जाएंगे या कंपनी के कर्मचारी इस बात को सुनिश्चित किया जाना हो यदि वो कंपनी के है कर्मचारी होंगे तो क्या कंपनी उतने ही समय के लिए उनको सुविधा पे विस्तृत देगी की जितना समय वो यहाँ माइंस चलाएगी या यहाँ माईंस बंद होने के बाद भी जो नवयुवक इस कंपनी में रोजगार करता रहेगा वो इस कंपनी का कर्मचारी माना जाएगा और सरकारी योजनाओं के आधार पर जो भी सुविधाएं जो आज एसईसीएल दे रही हैं उसी आधार पर यहाँ के बालकों को वही लाभ दिया जा रहा होगा। आज हम देखते हैं कि एक तरफ एसईसीएल के कर्मचारी को 1,00,000 1,50,000 की तनख्वाह प्राप्त हो रही है, लेकिन जो भी। उत्खनन के क्षेत्र में का दोहन करती है। करके वो यहाँ के श्रम का मूल्य 10,000 15,000 20,000 25,000 इससे अधिक मैंने नहीं सुना तो मेरा आपसे ये निवेदन है। इस बात को सुनिश्चित करना होगा कि युवक कर्मचारी जो भी दो युवकों को अंजनहिल माइन्स के खदान खोलने पर लिया जाएगा, वो कंपनी के स्थायी कर्मचारी के छड़ पर रखेगा ना कि कंपनी यहाँ से अपना काम धर्म की और कर्मचारी भी यहीं खत्म हो गया। जैसा की आपने प्रकाश में अभी देखा के बाद के खाना नहीं बंद हो गयी। 350 कर्मचारी 200 में काम करते थे। वो चुनाव मे तो ऐसी कोई स्थिति नहीं है। इस खनन घुले का समर्थन करता हूँ और मैं निवेदन करता हूँ कि 90 प्रतिशत वो कर्मचारी हों वो चिरमिरी क्षेत्र के हों, चिरमिरी ग्रामीण क्षेत्र के हों, अधिक से अधिक कर्मचारियों को यहाँ लिया जाए और उन्हें। वहीं

			पे कर दिया जाए जो एसई सी एल के कर्मचारी कर्मचारियों को प्राप्त हो रही है क्योंकि वो गौरव का कार्य है, एक समान पूछता है तो समानकारी के लिए समान वेतन की नीती को अपनाते हुए आपको इस बात को ध्यान रखना पड़ेगा। इन्हीं बातों के साथ। मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ, जय हिन्द।
20.	अरविन्द तिवारी	चिरमिरी	जी एम सर माननीय श्री सागरिया साहब कुमार साहब हमारे पर्सनल लेबर, एरो पीटर, योगेंद्र साहब और गुप्ता साहब मैं अरविंद तिवारी लॉजिस्टिक। और मेरा जो है जनवरी में 3 साल का काम खत्म हो चुका है और अभी जो है वर्तमान में चल रहा है। अभी जो है नयी कंपनी आ चुकी है। एल ओह आई भी हो गया है, एक महीने का समय लिया है आने के लिए और वो अभी आने वाली है, हद तक मेरी कंपनी तो चलेगी। और मेरी कंपनी का काम से वर्तमान में अभी चल रहा है। दोनों कंपनी लाकर से मेरी कंपनी में कम से कम से अधिक लोग काम करते हैं। जैसे की मैं सभी को और काफी सारे लोग जैसे भाई, शिवान, भाई, रेत ये लोग और भी कुछ लोग जो बोले। थे सबसे पहले जो है। कर्मचारियों को प्राथमिकता हमारे चिरमिरी के लोगों को मिले। बात सही है। चिरमिरी में जो है बेरोजगारी जो है बहुत ही चरण सीमा पर है। लोग पढ़ लिखकर के शौर्य कर्मचारियों के बच्चे हैं जो बाहर बैंगलोर, दिल्ली, मुंबई, पुणे सब जगह पढ़ाकर और यहाँ चिरमिरी में वो खाली बैठे हुए हैं। और मजबूर मजबूरी में उन्हें प्राइवेट कंपनियों में हेल्थ का काम और कॅश पेमेंट का काम जनरल यही काम है। आप रूम बोल रहे हैं जैसे कि लोगों का कहना है कि कंपनी में सबको काम मिले, ठीक है, मानता हूँ लेकिन कंपनी में क्या काम मिले, उस कंपनी के भी जानना जरूरी है। उस कंपनी में काम क्या होता है जनरली उसमें ड्राइवर। सुपरवाइजर ठीक है, यही काम है अब उसके लिए कोई बोलेंगे की हमको ये काम दो, वो काम दो तो वो पॉसिबल नहीं है। एक पढ़ा लिखा आदमी जो टेक्निकल है वो अगर बोलेंगे जाएगा वहाँ दूसरा चीज की जैसे। भाई लोग सामान्य जन के बोल रहे हैं। आप लोगों को बता देता हूँ कि जो विजय दे स्थानीय तारीख से जो मेरी कंपनी का काम चल रहा है। 80 प्रतिशत लोग चिरमिरी के आस पास तो है। पटना, बैकुंठपुर और आपके खानों के लोग 80 प्रतिशत लोग मेरे कंपनी में काम कर रहे हैं। जनवरी के बाद 10 या 15 प्रतिशत रोटी हैं तो इस नई कंपनी के आने से ऐसा क्यों मानसिकता बन रहा है कि जनवरी के लोग चाहे आसपास के ग्रामीण लोग के लोगों को मतलब कि काम नहीं मिलेगा, सबको काम मिलेगा इस कंपनी के आने से। सिर्फ चिरमिरी ही नहीं आसपास के लोगों को भी रोजगार मिलेगा प्लस चिरमिरी के प्रगति में भी उत्थान होगा आप चिरमिरी में प्लांट की स्थिति बनी हुई है। मैं तो इस कंपनी में आज 7 साल से काम कर रहा हूँ और बहुत करीबी से चीजों को देख रहा हूँ तो मैं इस अनजान फिल्म माइंस के आने से मैं इसका सहमति प्रदान करता हूँ।
21.	पनिंद्र हमाम मिश्रा	माँ भारती संगठन यूनियन ट्रेड	माननीय अध्यक्ष महोदय, जन सुनवाई समिति के सदस्यगण एसई सी एल के अधिकारीगण और पुलिस विभाग के सभी अधिकारी, कर्मचारीगण। चिरमिरी से आये हुए सभी दलों के सभी नेतागण आये हुए मातृशक्ति एवं युवा साथी सहप्रथम आप सभी को सादर प्रणाम करता हूँ। मेरा नाम पनिंद्र हमाम मिश्रा मैं माँ भारती। विकास श्रमिक संगठन से यूनियन ट्रेड यूनियन से सजीव के रूप में अपनी बात रखने आया हूँ। आज मैं कुछ बातें रखना चाहता हूँ। 1927 से चिरमिरी में कोयले का उत्खनन किया जा रहा है। मैंने तो ये सुना था की दिन पर दिन कोई भी शहर प्रगति करता है, लेकिन चिरमिरी की स्थिति थोड़ी सी दयनीय है जब चिरमिरी 1980 के दौर में था जब चिरमिरी 5जी हुआ करता था। जब चिरमिरी 1990 के

424

			दशक में आया तब वो 4जी हो गया। जब चिरमिरी 1995–96 के दशक में आया तब वो थ्री जी हो गया और जब चिरमिरी 2025–26 में आया तो टू जी हो गया। लेकिन ये चिरमिरी की विकास की परिभाषा है। वर्तमान में अंजनहिल माइंस जो आ रही है, इसका स्वागत तो बिल्कुल है कि चिरमिरी में रोजगार के बहुत सारे अवसर होंगे, लेकिन। इस रोजगार के अवसर के साथ–साथ इस क्षेत्र में होने वाले नुकसान पर भी गहन शिक्षा करने का विषय है। मैं आप लोगों के सामने भंडारदेई, भुकभुकी और आसपास के गावों के लोगों की जो चिंताएं है घर की सुरक्षा। पानी, स्वास्थ्य और भविष्य वो पूरी तरह जायज है। इसी तरह जो मजदूरी, खनन कार्य के अधिकार और सुरक्षा भी उतने ही जरूरी है। हमारी साझा अपेक्षा है कि इस परियोजना में स्थानीय श्रमिकों। और युवाओं को प्राथमिकता दी जाए ताकि रोजगार का लाभ सबसे पहले क्षेत्र के लोगों को मिले। यह बात स्पष्ट और लिखित रूप से सुनिश्चित की जानी चाहिए। खनन कार्य जोखिमपूर्ण कार्य होता है। इसलिए मजदूरों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधा और दुर्घटना की स्थिति में बात पर मुआवजा पे भी जो भी विचार आप लोग करेंगे वो लिखित रूप से हमें चाहिए न्यूनतम मजदूरी, पीऐफ इएसआइ और बीमा जैसी सुविधा पूरी पारदर्शिता के साथ लागू होना चाहिए पर आप लोगों को। चिरमिरी में इससे पहले भी प्राइवेट कंपनी आई है। इससे पहले भी चिरमिरी में रोजगार की योजनाएं आई है, लेकिन जो भी योजनाए आई है वो मजदूरों की मजबूरी का फायदा उठाने का काम किया है। इससे पहले भी चिरमिरी में बहुत सी कंपनी आई है, लेकिन। वेजेस के रूप में जीस आधार पर वो टेंडर लेते हैं। उस आधार पर हमारे मजदूरों को भुगतान नहीं किया जाता। 12–12 घंटा काम करा करके ₹10,000 जैसी एकदम अमान्य व्यय सैलरी देकर उनसे काम कराया जाता है। निरंतर प्रयास हम लोग करते आ रहे हैं, अपने ट्रेड यूनियन के माध्यम से निरंतर आंदोलन करते आ रहे हैं। इसमें चिरमिरी के एसईसीएल के प्रमुख व्यक्ति जी एम साहब का सहयोग प्रदान होता है। मनीष सिंह साहब का सहयोग प्रदान होता है। लेकिन ये जो कंपनी आएगी हमारे बरतुंगा में इस कंपनी में किसी भी प्रकार का कोई भी समझौता चिरमिरी के लोग नहीं करेंगे जो वेतनमान में टेंडर में उन्होंने भरा होगा। उसी वेतन में चिरमिरी के लोग काम करेंगे। उसी वेतन में भंडारदेही के लोग काम करेंगे। उसी वेतन बाद में के लोग काम करेंगे। कम से कम 90–92 परसेंट कर्मचारी जो हो वो स्थानीय लोग हो। जिससे की यहाँ के लोगों को रोजगार मिल सके। यहाँ का चिरमिरी जो उजड़ता चिरमिरी आज दिख रहा है ये सफलता चिरमिरी के रूप में हमें दिखे ऐसी कामना करता हूँ। इस कंपनी के आने से मेरा चिरमिरी का आपका चिरमिरी का भाग्य का उत्थान होना चाहिए। ना की चिरमिरी का शोषण और दोहान होना चाहिए। कंपनी के आने से बिलकुल स्वागत बिलकुल अभिनंदन बिलकुल सब कुछ है लेकिन चिरमिरी के साथ समझौता नहीं बर्दाश्त किया जाएगा। तो आने वाले समय में कुछ बातें और रखना चाहता हूँ। कियांजनी हिल माइंस में कुछ बरतुंगा में प्राइवेट लोग भी अपना जीवन यापन कर रहे हैं। कल को जब विस्थापना की स्थिति आए तो उन्हें भी अपने गहन चर्चा में उनका भी मान सम्मान बरकरार रखते हुए। उन्हें भी मुआवजा की कैटेगरी में रखें और पूर्णता इस कंपनी के आने से चिरमिरी का और अस्तित्व में एक नई ऊर्जा आएगी। मैं इस कंपनी के कहने से इसका समर्थन करता हूँ लेकिन जो भी बातें थी वो मैंने बता दी। अगर इस मापदंड के नीचे अगर कार्य किया जाएगा तो फिर सड़कों पे चिरमिरी उतर जाएगा। धन्यवाद।
22.	गिरीश कुमार	दूबछोला	मैं गिरीश कुमार जिला पर्यावरण मूल्यांकन पर्यावरण का जो पड़ने वाले जो नगी का जो डायवर्सन हो रहा है वनभूमि का इससे मैं अपनी बात रखना

425

चाहता हूँ और जो कानूनी तौर पे जो सच है एक और जो पर्यावरण में पड़ने वाले प्रभाव है। उनको मैं आपके बीच में रख रहा हूँ। मैं आज की इस ग्राम सभा जन सुनवाई जन सुनवाई या लोक सुनवाई का आपत्ति दर्ज कर रहा हूँ विरोध दर्ज कर रहा हूँ विरोध दर्ज करने के पीछे। आपत्ति दर्ज करने के पीछे जो महत्वपूर्ण कारण है। जो बिंदु है वो मैं 567 पॉइंट में रखूँगा और मुझे विश्वास है की हमारे अधिकारी मेरे सारे बिंदुओं को बहुत से इसपे सोचेंगे, विचार करेंगे और अगली कार्रवाई के लिए कार्रवाई कर सकेंगे। इस जो पर्यावरण जन सुनवाई हो रही है, ये जो इलाका है पांचवी अनुसूचित क्षेत्र का इलाका है। पांचवें अनुसूचित क्षेत्र के अंदर में ग्राम सभा के पास एक विशेष अधिकार है। ग्राम सभा है वन ग्राम सभा के अंतर्गत में ग्राम सभा के सहमति की जरूरत है। लेकिन मजे की बात ये है कि अभी तक ग्राम सभा की सहमति नहीं ली गई। जैसे लेनी चाहिए जो नियम कहता है मुझे ज्ञान हुआ है। मुझे बताया गया है गांव के लोगों से इसी गांव भंडारदेई में भुकभुकी के अंदर में कि जब भी ग्राम सभा होती है, 10–12 से ज्यादा लोग एकत्र नहीं होते हैं। लेकिन नवंबर महीने में जो ग्राम सभा आयोजित की गई उसमें 344 लोगों का हस्ताक्षर उपस्थिति दर्ज कराई गई है और उसे सहमति दी गई है। मेरा सवाल है कि जब आज सोशल मीडिया का जमाना है। डिजिटल रिपोर्ट रखने का जमाना है तो जो 346 लोग उपस्थित हुए उसकी कोई फोटोग्राफी होगी तो वो व्यक्त करें, दिखाएं की कहाँ पर रखी गई है नहीं है लोगों की साइन करवाई गई है जा जा के घर पे कारवाही रजिस्टर में कुछ लिखा नहीं गया। बाद में उसमें लिख दिया गया 346 लोगों का समर्थन है लेकिन विरोध में एक भी नहीं है। सवाल है ऐसा कैसे हो सकता है की विरोध में एक आदमी का भी मत न हो और समर्थन में सबका मत हो जब मैं आपके भंडार दही और के ग्रामीणों से मिला तो उन्होंने बोला हमको ऐसे कोई जानकारी नहीं है की हमने कोई जन किसी ग्राम सभा के सुनवाई में या बैठक में इस तरह के कोई चर्चा हुई है। कैसे हो गया इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इसको कैसे जांच करेंगे ये आपका मैं छोड़ता हूँ। क्योंकि ऐसे शेयर के अधिकारियों को। तो पता नहीं है कानून पंचायत का कानून कैसे काम करता है, लेकिन आप प्रशासनिक अधिकारियों को तो पता है कि पैसा इलाके में कैसे काम करता है। अगर इसका हो रहा है कानून का तो बहुत गंभीर बात है। दूसरा बात। चिरमिरी के अंदर में आज जो बात हो रही है, खदान को लेके पर्यावरण को जो नुकसान हुआ है पिछले के दौरान। चिरमिरी के अंदर में 300 से ज्यादा पानी के स्रोत थे। चिरमिरी से 35 प्रतिशत पानी नदी को जाता था वो कम हुआ है। नदी का प्रभाव लगातार घटा है। आज चिरमिरी के अंदर में जो की जो प्रक्रिया चलाई जा रही है, उसके विषय में मैं बात करना चाहता हूँ। अंजन हिल पहाड़ ही बीच नहीं है। अंजन हिल के साथ में दूसरे भी जितने भी पहाड़ है। वो सब इसमें इफेक्टिव होने वाले हैं। सवाल ये है की इन पहाड़ के ऊपर में सैकड़ों प्रकार के वनस्पति है, जैव विविधता है, वन्य जीव है, बंदर है, भालू है, उनका रहवास है, छेड़ नक्शे, दो नग पेड़ काटने का प्रस्ताव है। पक्षिया है, उनके भोजन की क्या व्यवस्था है, वो कहाँ जाएंगे अभी चिरमिरी के अंदर में बंधनों का आक्रमण है। गांव के अंदर में भालुओं का भी आक्रमण होगा। उनकी क्या व्यवस्था है जो पालतू पशु है, उनके पानी का व्यवस्था नहीं हो पाया है, उनके लिए क्या व्यवस्था है जीतने में पानी के स्रोत थे तीन स्रोत वो सारे स्रोत खत्म हो गए, सुख गए, खत्म हो गए। आदमी को जीने के लिए पानी चाहिए, बिजली पानी चाहिए, जमीन चाहिए, जंगल चाहिए, ये सब चाहिए। तो इसका हनन लगातार हो रहा है। इसको बचाने के बारे में सोच रहे हैं। 21 साल का बोल रहे हैं। हमारे पास ये लीज

लिया जाएगा ना 21 साल के बाद फिर क्या होगा फिर वही होगा, हम उसी शून्य पे खड़े हो जाएंगे। हमारे पास जमीन नहीं है। एसई सी एल को नहीं, उसने अग्रीमेंट की है। सरकार के साथ में की 24 जमीन खोदी जाएगी। उसकी ऊपर की जो उपजाऊ मिट्टी है, जीसको बनने में 30 करोड साल लगे हैं, उसको आपने नहीं किया मिट्टी पूरी खतम होगी। सवाल यही है की पर्यावरण पे पूरा इसका असर पड़ने वाला है। साथ ही साथ ये वन अधिकार अधिनियम जो 2006 आया उसके अंदर में वैयक्तिका कोलाधिकार और समुदाय कोलाधिकार निस्तार का अधिकार दिया गया है। अभी तक आमाडांड, कदरेवा, भुकभुकी, भंडारदेई मेरो, मुकुंदपुर जितने भी आस पास के गांव है उनका सबका निस्तार होता है। लोगों की आजीविका चलती है तो लोगों को छीन लेते हैं, पहनी लेते हैं, कोदो ले दे, ये कुटू लेते हैं, लकड़ी लेते हैं, मरने के बाद फिर संसान के लिए लकडी लेते हैं। मै जानवरों को चराने के लिए गौचर है, गौठान है। ना ना प्रकार के लघु वन उपज एकत्र करते हैं। उनके जीविका का आधार है वो सारे खतम हो जाएंगे। वन अधिकार कानून ने उनको ये मान्यता दिया हुआ है की उनको सभी मान्यता को पूरा किया जाएगा। उनसे बिना सहमति लिए बिना ग्राम सभा के स्वीकृति के इस तरह से कैसे निर्णय लिया जा सकता है ये आपका जंगल नहीं है और ये इसको खनन के लिए दे दिया जाए। ये बिलकुल बर्दाश्त किया नहीं जा सकता। मैं इसकी घोरपत्ती करता हूँ। मैं इसपे वैसे आज की जो जन सुनवाई है, इसको मैं निरस्त करने का बात करता हूँ। क्यों मैं सरता मैं चाहता हूँ निरस्त करने का पीछे कारण है पंचायत उपबंध विस्तार अधिनियम 1996 नियम 2022 10(2) के तहत ग्राम सभा मुकुमपुर और ग्राम सभा ने लिख के दिया है अपने सचिव को। आज की जन सुनवाई के बारे में गांव के लोगों के साथ चर्चा नहीं हो जाती, तब तक कोई भी और प्रक्रिया न चलाई जाए। उसको अनदेखा करके हमारे एस डीएम साहब ने कैसे आज की जन सुनवाई को होने दिया इस कानून को अनदेखा करके इसका मतलब ये आज इसका मतलब है। कि आप कानून के दोषी हैं। सारे लोग जो आज इस जन सुनवाई को आगे बढ़ाने में यहाँ पर खड़े हैं बैठे हैं वो सब इस कानून के दोषी हैं। इसलिए मेरा निवेदन है की आप की ग्राम सभा को निरस्त किया जाए। ये ग्रामशाला किसी तरह से बैठानिक नही है। अवैध ग्राम सभा है। सारी ग्राम सब ये अवैध जनसुनवाई है। जितनी ग्राम सभा इन लोगों ने लिया है वो अवैध है। आप आइए जो आपके जो हमारे ग्राम सभा के जो त्रिसरी पंचायती राज के अंदर में जो उनको नियुक्त किया गया है, उनको उनसे चिठ्ठी जारी करवाईये इस आज जो आप पर्यावरण के बारे में जो चर्चा कर रहे है उनसे उसे चर्चा करवाइये तो उसके बाद ही आप आगे की प्रक्रिया कराइये अन्यथा हम आज आपके सामने हम ये कहना चाहते है की हम इसमें कानूनी संघर्ष के लिए हम आगे आपके खिलाफ में लडाई लड़ने के लिए मशहूर होंगे। ये मेरा निवेदन है। नहीं समझता है वाला अधिकार कानून क्या है ऐसा नहीं समझता है की कैसा कानून क्या है लेकिन मेरा कलेक्टर जिम्मेदार अधिकारी होता है। मेरा एस डीएम जिम्मेदार अधिकारी होता है। वो बहुत अच्छी पढ़ाई करके आते है। उनको हर कानून का बहुत बारीकी से समझ आता है। इसीलिए मुझे मालूम है। की मेरे अधिकारी जो मेरे कलेक्टर सब हैं, जो हमारे अधिकारी हैं, अनुविभागीय अधिकारी हैं। ये सभी लोग मेरी बातों को बहुत गंभीरता से लेंगे और कानून का राज को कायम करेंगे। मैं विकास विरोधी नहीं हूँ लेकिन जब अन्याय होता है, जब कानून की अनदेखी होती हैं तब तो बहुत तकलीफ होता हैं। ये लोक लोकतंत्र को कमजोर करने का होता है। हमको लोकतंत्र को कमजोर नहीं होने देना है। हमको लोकतंत्र को मजबूत बनाना है। आप आइये ग्राम सभा

			में आइये अपने पूरे प्रस्ताव लेके आइये और पूरी योजना लेट आइये कितना काटेंगे कहाँ तक काटेंगे इससे कितना लोगों को नुक्सान होगा, उनके का क्या आधार बनेगा उसकी क्या भविष्य का उसके बारे में कोई बात करनी है मैं इन्हीं सब बातों से अपनी बात को समाप्त करूँगा। दूसरी बात ये जो इलाका है जो पहाड़ है मैंने कलेक्टर साहब भूल गए कलेक्टर साहब, हमने बताया था मैंने है कोर्ट में रिट मैंने ही लगाया था ये क्षेत्र आज से नहीं आया है ना 1973 में लेकिन उससे पहले जब चिरमिरी नहीं था, जब ये गांव भी नहीं था। जब ये भंडारदेई भी नहीं था तब भी एक यहाँ पर रियासत थी। राजा अर्जुन देव की राजा अर्जुन देव की रियासत थी चिरमिरी के ऊपर में बहार के ऊपर में मेरे साथ चलिए। मैंने वहाँ पर शिलालेख खोद के निकाला है, वो शिलालेख में लिखा है राजा अर्जुन देव और हिंदुओं के बीच में लड़ाई हुई थी सन 1430 में तब से है नहीं था उसमें कोई और इलाका था वहाँ पर बहुत सारे अवशेष बिखरे पड़े है। उसी मंदिर के अंदर भी हमारा देवता था की ऐसे से गए तो हमेशा उसपे बम लगाके तो उसको उड़ा दिया। क्या हम क्या हमारे पुरातत्व का अवशेषों के साथ इन्होंने अनादर किया मैं इसका निंदा करता हूँ और मैं कहता हूँ की जो हमारे ऊपर में पड़े है उसको संरक्षण दिया जाए। कलेक्टर साहब की जिम्मेदारी होगा। कलेक्टर साहब का संवैधानिक है की इस तरह का कोई विकृत होता है तो उसको बर्दाश्त ना करे और जो सम्बंधित है उसपे कार्रवाई की जाए। दूसरी बात अंतिम के बाद पड़ कटाई से सारे लोगों को नही पता होगा। पेड़ कटने से 3 प्रतिशत यहाँ का तापमान बढ़ेगा। 3 प्रतिशत ताप बढ़ने के साथ में जो वर्षा के जो बादल हैं। जो अपना यात्रा तय करते हैं, पेड़ उनको आकर्षित करता है, पहाड़ों को आकर्षित करते हैं तब बारिश होती है हमारे हमारे आसपास के इलाके का जो पानी का ग्राउंड वाटर है तब उसके बाद उसमें रिचार्ज होता है। उसी से लोगों को हैंड पंप में और कुंए में पानी मिलती है। लेकिन जब खदान खोले जाएंगे। बाहर हटाए जाएंगे, पेड़ काटे जाएंगे तो हमारा जितना भी पानी का जो बादल है उसका रास्ता बदलेगा और यहाँ पे पानी नहीं बरसेगा। इस तरह से अकाल पायेगा आने वाला दिन आने वाला जो दिन होगा वो पूरी तरह सा रेगिस्तान हो जायेगा। यहाँ के शरीर को मजबूर होना पड़ेगा क्योंकि इस इस जन सुनवाई का इस पर्यावरण लोक सुनवाई का मैं घोर आपत्ति करता हूँ, विरोध करता हूँ और इस कार्रवाई को देखा तो अभी निरस्त किया जाए, कल किया जाए।
23.	प्रिया सिंह मसराम	जिला पंचायत सदस्य	मेरा नाम प्रिया सिंह मसराम है। जिला पंचायत सदस्य इस क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य आज जन सुनवाई में उपस्थित सभी अधिकारी एवं हमारे ग्रामीण जन चिरमिरी में जो भी खदान खुलने जा रहा है, उसका हम समर्थन कर जरूर करेंगे, परंतु हमारे जो ग्रामीण जन हमारे बेलगार भाई है, उनको भी रोजगार मिलना चाहिए। यहाँ जितने भी प्रवक्ता ने कहा। वह सिर्फ खाली चिरमिरी चिरमिरी चिरमिरी कर रहे हैं। क्या यहाँ पे रोजगार नहीं है ग्रामीण में कोई बेरोजगार नहीं है। यहाँ साग भाजी सिर्फ लगाने से क्या उतनी आमदानी हो जाती है जीतने भी अधिकारी, कर्मचारी यहाँ उपस्थित हैं। उनके सारे बच्चे दूर दूर पढ़ाई करते होंगे और जीतने भी हमारे ग्रामीण जो है उनके बच्चे खाली। ग्राम पंचायतों के स्कूल स्कूल स्तर तक ही रह जाते हैं। या क्या सही है उनके पास इतनी आमदानी नहीं है की वह दूर दूर तक अपने बच्चों को पढ़ाएं। हम भी यहाँ कोई राजनीति के क्षेत्र में नहीं आना चाहते थे, परन्तु हमारे पिताजी के पास इतनी आमदानी नहीं थी की वो हमें दूर तक पढ़ा सके। मैं भी चाहती हूँ की चिरमिरी का क्षेत्र भी उन्नति करे। ग्रामीण क्षेत्र भी उन्नति करे और कितने भी यहाँ आए हुए लोग जनमानस है। उनकी बातों को भी सुने धन्यवाद।

428

24.	सोमनाथ दत्ता	जिला युवा कांग्रेस	आज जो ये जनसुनवाई हो रही है। मैं इस जन सुनवाई के अंतर्गत मैं कोई आपत्ति दर्ज नही करा रहा हूँ। कोई विरोध दर्ज नहीं करा रहा हूँ। मैं ये कहना चाह रहा हूँ की आश्चर्य का विषय है की अंजनहिल माइंस का टेंडर हुआ। एमडीओ वर्क है ये एमडीओ और इसके तहत टेंडर में स्पष्ट है कि जो भी इसे टेंडर लेगा, उसे वो चाहे तो ओपेनकारस्ट चला सकता है। वो चाहे तो उसे अंडरग्राउंड चला सकता है। तो मैं जानना चाहता हूँ कि इसे आप ओपेन कारस्ट क्यों कर रहे हैं इसका कारण मुझे जानना है यहाँ पर मेरी आपत्ति इस पे है कि ओपेन कारस्ट आप इसे क्यों कर रहे हैं जो अंडरग्राउंड, बडी आसानी से चल सकता है। इतने बड़े पैमाने पे इतने बड़े पैमाने पे आप लोग पहाड़ काटने जा रहे हैं, आप लोगों का पसीना नहीं सींच रहा है, मुझे समझ नहीं आ रहा है। 200 हेक्टेयर जमीन जल, जंगल जमीन पूरा काट देंगे। आप और इसका प्लान्टेशन आप कहाँ करेंगे 21 साल बाद मैं देखने आऊंगा या ये लोग देखने आएँगे क्या जरूरत है आपको ओपेन कारस्ट करने का, जो अंडरग्राउंड बड़े आसानी से चल सकता है आप दूसरी बात आप लोग कह रहे हैं, कुछ दिनों से अखबारों में भी देख रहा हूँ। पत्रकार से छपवा रहे हैं आप लोग। की 5000, 2500 लोगों को रोजगार देंगे, कैसे ओपेन का इसमें देंगे आप बताइए आप जी एम साहब ठीक बरतुंगा में और भी माइंस चल रहे हैं, ओपेन कारस्ट चल रहा है, कितने रोजगार है वहाँ पर आप तो जानते है भली भाती। सब एरिया साहब भी बैठे हुए हैं 300–250 उससे ज्यादा नहीं तो आप बेवकूफ क्यों बना रहे हैं बैठ कर इन 2500 लोगों को रोजगार मिलेगा। समय ही नहीं है यहां जो खदान चल रहा है आपके पास अगर आप साक्ष्य के साथ बता देंगे आप यहाँ पर लिखित में दे दीजिए, एग्रीमेंट करिए, अनुबंध करिए कि जब तक 2500 लोगों को आप रोजगार नही देंगे। करिये ओपेनकारस्ट 2500 लोग लिख के दीजिए, अखबारों में मत छपवाइए, लिख के दीजिए, 2500 लोगों को रोजगार देंगे। उसके बाद माइंस चालू कर दिया करिये माइंस चालू कोई दिक्कत नहीं है। कोई भी 21 साल छोड़िये, 5 साल में चिरमिरी की स्थिति बरतुंगा के लोग रह रहे हैं वहाँ रह पाएंगे बरतुंगा के लोग समाप्त हो जाएंगा बरतुंगा। आंधी आबादी नही पूरे प्रभावित होंगे। जहाँ जहाँ ओपनकारस्ट होता है, उसके आसपास की स्थिति क्या होती है किसी से छिपा नहीं। मैं कोई मनेजमेंट की दलाली करने नहीं आया हूँ। मैं किसी के पक्ष में बोलने नहीं आया हूँ। मुझे चिरमिरी का अस्तित्व बचाना है। चिरमिरी के लड़कों को रोजगार चाहिए और रोजगार झूठ बोल के रहने से नहीं होगा। बगल में माइस चल रही है, सारे लोग पत्रकारों से अनुरोध है बगल में जाके पूछिए के आये चल रहा है। कितने लोगो को चिरमिरी में रोजगार मिला है। पूछिए ना, ओपेन कारस्ट है ना। ओपेन कारस्ट है। कहा से 2500 हो जाएगा। आज आप इस मंच पर लिखकर अनुबंध करिये, अग्रवाल साहब होंगे कंपनी की ओर से बैठे हैं, क्या आप लिखकर यहाँ पर अनुबंध करिए कि जब तक 2500 लोगों को आप रोजगार नहीं देंगे, आप माइंस चालू नहीं करेंगे, लिखकर दीजिए आप मेरी आपत्ति इस पर चिरमिरी को बचाने के लिए माइंस बहुत जरूरी है तो अंडरग्राउंड चलाओ ना भैया, अंडरग्राउंड माइंस चलाइए। कहीं लिखा हो नहीं है उसमें कि इसको ओपेन कास्ट चलाना है। कहीं लिखा है, कहीं नहीं लिखा वाह क्यों चला रहे हैं क्यों इतना बड़ा नुकसान कर रहे हैं बहुत बड़ी समस्या, चिरमिरी आने वाले समय में जूझेगा जैसी ओपेन कारस्ट होगा। आज सब अच्छा लग रहा है, बहुत लोग बोल रहे हैं, अरे चिरमिरी बचेगा नहीं ये खदान नहीं खुलेगा तो ऐसा हो जायेगा। अरे खदान ओपेन ओपेन कारस्ट से कहाँ बचेगा भाई अंडरग्राउण्ड से बचेगा वो आप उसको अंडरग्राउण्ड करिए और जो लोग कह रहे है ना कुरसिया मैं बोल रहा हूँ। इस मच के

			माध्यम से आने वाले समय में कुरसिया ओपेन कास्ट होने जा रहा है, उस वक्त क्या करोगे खत्म क्या करोगे, कहाँ बसाया जाएगा, कहाँ विस्थापन होगा मैं आप लोगों से अनुरोध कर रहा हूँ, आप मेरी आपत्ति को दर्ज करिए। आप इस माइंस को अंडरग्राउंड चलाइए और ओपेन कास्ट अगर चलाएंगे। तो 2500 लोगों का रोजगार आप लिख कर आज देख के अनबन करके जाइए, उसके बाद आप माइंस चलाइए।
25.	जयप्रकाश साहू	मुकमुकी	मैं जयप्रकाश राहू उस ग्रामीण क्षेत्र से आता हूँ यहाँ की। जो छह सात पंचायतें हैं वो प्रभावित क्षेत्र में आते हैं और सबसे पहले तो मैं ये उम्मीद करूँगा कि आप लोगों के यहाँ जो जनसुनवाई है, मैं यहाँ 10:30 बजे से ही आ चुका हूँ और 11 से लेकर के पूरा 2:00 बजे तक बस चिरमिरी बचाओ उजड़ता चिरमिरी है, इसकी सबको चिंता है। मैं अपनी बात को एक चीज और बड़ा स्पष्ट बोल दूं। ये भी उम्मीद करता हूँ कि जिस प्रकार से अन्य वक्ताओं ने कोई आधे घंटे भी बोला है तो किसी को टोका टोंकी नहीं किया गया है तो कम से कम मेरे ऊपर भी वो समय का प्रतिबंध लागू नहीं होगा क्योंकि मैं ग्रामीण क्षेत्र के जितने लोग आए हैं। उनके समस्त बातों को बिंदु वार बताऊँगा। अरे आप लोग क्या बोलते हो चिरमिरी बचाओ या चिरमिरी में ऐसा क्या था क्या सुविधा है आज गांव के लोग जो देख रहे हैं, न्यूज में सुन रहे हैं। आप सभी को मैं बता दूं गांव में लोग खेती बाड़ी करते हैं, किसानी करते हैं। 2 साल से कोई रोजगार के साधन नहीं चले। पंचायतों में इसके बाद भी गांव के लोगों का जो जीवनयापन चल रहा है। यदि चिरमिरी के लोग आप लोग सोचते होंगे कि लोग आप लोग से बेहतर जीवनयापन नहीं करते हैं, ये आप लोगों का भूल में इसलिए बता रहा हूँ क्योंकि आपके चिरमिरी में कुछ दिन पहले शव जलाने के लिए एक लकड़ी तक नहीं था। आप मुझे जवाब देंगे। जब जंगल कट जाएगा, किसी का मृत्यु होगा। आप लोग क्या चाहते हो की गांव के लोग भी मरे तो उनको लकड़ी तक नसीब ना हो। चाहते ही क्या है आप लोग जंगल कटवा करके ये जितने भी ग्रामीण क्षेत्र के लोग आए हैं। अभी मैं आप लोगों को बताऊँ मेरो मुकुंदपुर, कदरेवा, आमाडांड ये जितने 6,7,8 पंचायत के ग्रामीण हैं ये सारे ग्रामीण लोग जो शुरू से अभी मैं आह्वान करता हूँ। पूरे ग्रामीण लोगों से 11 से 2 बजे तक चिरमिरी बवाव हो गया। अब आप सब लोग नंबर लगाइए और अधिकारियों से भी निवेदन है की एक आधा घंटा का समय ग्रामीणों को आप बाइज्जत दे दीजिए। बोलने के लिए अब मैं समस्त मुद्दे ए क्रम बार बोलना शुरू करूँगा। एक दम क्रम से मेरा बड़ा स्पष्ट सवाल है। एसीसीएल के अधीनस्थ में यदि कोई कंपनी आती है वो एसीसीएल का कोई अधिकारी आ करके यहाँ बता दे कि इस चिरमिरी खदान से सटे जो छह सात पंचायत की ग्राम पंचायतें है क्या उसमें इनके द्वारा यह भी काम किया गया है क्या एक भी काम नहीं किया गया है और यदि चिरमिरी के आप लोग दुहाई देंगे एसईसीएल ने आप लोगों के चिरमिरी को किया है दिया है तो भैया आप लोग चिरमिरी उजाड़ो हमें कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन जो गांव क्षेत्र का जो जंगल है उसे ग्रामीण जो ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी है। उन लोग आप लोगों को बता दो, प्रकृति पूजक है, जैसे लोग देवी देवता का पूजा करते है, लोग पहाड़ों का पूजा करते हैं, तथा पेड़ों का पूजा करते हैं और वो जो जंगल है सामने में जो पहाड़ी है, मुकुंदपुर से इधर दिखता है, वहाँ 300 से 400 पंडो बैगा की जनजाति भी निवासरत है, जो बड़ा शिक्षा भी बना करके जीवनयापन करती है। अपना लघु उद्योग चलाती है और एक चीज बड़ा ही स्पष्ट बता दू यहाँ शुरू से सुनने को मिल रहा है। रोजगार मिलेगा, रोजगार मिलेगा। अब मैं आप सब को बताऊँगा। आप लोगों का जो ओपेन कास्ट है, मैं भी कई जगह जा करके देखा हूँ। अधिकतम रोजगार

200–300–400 या आधिकारिक रूप से भी जो बताया गया 580। लेकिन यहाँ कोई अधिकारी दावे के साथ ये नहीं बोल पाएगा कि आप हम ग्रामीण क्षेत्र से किनको, किनको रोजगार दे पाएंगे कारण ये है कि गांव के लोग ज्यादातर ना पॉलीटेक्निक किए हैं ना आईटीआई किए हैं। बस बार भी बेस है आप लोग जब उन लोग नौकरी के लिए आएँगे तो वो नौकरी वो लोग मना कर देंगे तो हमारा समस्त ग्रामीणों से निवेदन है। क्यो, जो अंजन हिल मैं सबसे पहले मैं एक चीज बड़ा स्पष्ट कर दू न तो मैं खदान विरोधी हूँ, न मैं चिरमिरी विरोधी समस्त सरपंच और ग्रामीणों के साथ हम लोगों ने जो ज्ञापन देने के लिए कलेक्ट्रेट में गया था, जो ज्ञापन हमलोग देने गए थे, मैं भी उसमें साथ में थे और ग्रामीण भी थे। आप लोगों को मैं इसलिए बोल रहा हूँ की खदान विरोधी और चिरमिरी विरोधी नहीं हूँ आप लोगों का जो अंजन हिल खदान चल रहा था, 2010 तक इसी हादसे के बाद बंद हुआ। यदि आप लोग अभी मात्र बस उसी क्षेत्र को आप लोग चालू करते हैं, उस क्षेत्र को नहीं बढ़ाते। अरे आप लोग अंडरग्राउंड करो या ओपेन कास्ट करो। लेकिन गांव वालों के आस पास का जो पहाड़ी है उसको तो बच दो, कम से कम क्या चाहते हैं गांव के लोगों का मृत्यु हो तो लकड़ी उनको भी नसीब ना हो। आप लोग शहरों में हो। अधिकतर पैसे वाले लोग हैं लकड़ी आप लोग पैसे से खरीद के मांगा लेंगे। गांव के लोग चट्टी में, पश्चिमी में शादी में, विवाह में, मृत्यु में। बुरे चीजों के लिए उन लोग पहाड़ के ऊपर डिपेंडेट है। वो पहाड़ जिसका उन लोग प्रकृति को उसका पूजा करते हैं और आप सभी को बता दूं ग्रामीण के बहुत सारे लोग आए हैं। उनके दिलों में बहुत सारा बात है, मैं उनके ही बात को और स्वयं ग्रामीण होने के बाद अपने ही बात को रख रहा हूँ। लेकिन बिचारे 11:00 बजे से नंबर लगाए हुए हैं। नंबर लगाए हुए कोई उस गेट से रोका जा रहा है, कोई आगे गेट से रोका जा रहा है लेकिन अभी मैं करता हूँ गांव क्षेत्र के लोग मेरे बाद भी अपने सभी बातों को रखेंगे। अब मैं इसके जस्ट बाद अगले पिक्चर में आता हूँ। आप लोगों के बीच में आप लोगों ने उसको खुली खदान कर दिया। इसके बाद यहाँ पे दावा किया जा रहा है हम 211 हेक्टेयर का जो जमीन है इसके पौधे काटे जाएंगे, उसके बदले में 439 हेक्टेयर में आप लोग क्या बोल रहे हैं वृक्षारोपण कराएंगे। अब मै आप सभी ग्रामीणों को बता दूं जितने लोग आए हो ये वृक्षारोपण भी आप लोग जिन जमीनों पे कब्जा करके बैठे हो 30 साल, 40 साल 50 साल जिसका पट्टा नहीं बना है उन्हीं जमीनों को ये लोग खाली कराएंगे और बोलेंगे इसके क्षतिपूर्ति में हम लोग यहाँ पे पौधे लगवाएंगे। सेम कंडीशन जैसे परसा को फ्लॉप जो हुआ आप लोग सुने होंगे। परसा में खदान खुलता है लेकिन उसके क्षतिपूर्ति के लिए हरगवां ब्लॉक के 12 से 14 ग्राम पंचायतों की उन जमीनों को लिया जाता है पौधा रोपण कराने के लिए अरे आप लोगों का कैसा नीती है कि आप लोग उन पेड़ों को काट रहे हो कई साल के बीच में कोई वन विभाग का कोई ऐसा प्रतिष्ठापन वाला पौधा बता दें कि उन लोग उत्पन्न करके उसको उस लेवल का उत्पन्न किए हैं। जहाँ 50–50 साल के वृक्षों को आप लोग काटोगे और फिर वृक्षारोपण के नाम पे खाना पूर्ति। दूसरा कि गांव के लोगों के पास जो अभी आप लोग आप लोग फिर से 439 एकड़ का जो जगह है। मैं अपने आवाज के माध्यम से यह भी स्पष्ट जानना चाहूंगा वो 439 एकड़ पर का जो एरिया आप लोगों ने निर्धारित किया है। उस चीज को जरूर आप लोग बताइए। दो 439 हेक्टेयर में इसके क्षतिपूर्ति में पौधारोपण आप लोग कहाँ करने वाले हैं क्योंकि ये जो चार पंचायत पहाड़ से तो प्रभावित है ही और उसके जस्ट मैं आगे अंतिम बात बोल करके अपने बातों को मैं समाप्त करूँगा और समस्त भी ग्रामीण आए हैं।

			अंतिम रूप से अपने बातों को मैं एक बार पुनः निवेदन के साथ समाप्त करूँगा। आप लोगों को अंजन हिल खोलना है। आप लोग जो अंजन हिल पहाड़ का जो दायरा है, उसी में खोलिए जो ग्रामीण क्षेत्र का जो पहाड़ी इलाका है, जो जंगल जिसमें उस लोग आश्रित है, जिसमें उन लोग तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए जाते हैं। जो मेरा परिवार अपना आजीविका चलाता है। निवेदन है कि आप लोग खदान खोलो, चिरमिरी बचाओ हम उसका विरोध नहीं करते हैं लेकिन किसी को बसाने के चक्कर में किसी को उजाड़ने का मत सोचो। ये बहुत गलत सोच है। यदि किसी को उजाड़ से बसे तो क्या बसे हम ये कहते हैं तो ग्रामीण क्षेत्र का जो जंगल है उसे आप सुरक्षित रखिये। चिरमिरी के अंदर में जितना कोयला हुआ आप लोग निकालिए। हम लोगों को कोई लेना देना नहीं है। आजादी के पहले से खदान चल रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को ना तो कोई सुविधा मिला है। अब मुझे नहीं लगता है कि आगे भी कोई सुविधा मिलने वाला है। मैं पूरे विश्वास के साथ अब इस उम्मीद के साथ अपने बातों को खत्म करना चाहूंगा कि जो मुकुंदपुर के सामने की जो पहाड़ी है, जहाँ से यदि अंजनहिल का आप लोग मार्ग कर दिए हैं जहाँ से पहले वो खदान चलता था, आप लोग उसको खोल लो, उससे हमें कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन जो ग्रामीण क्षेत्र का एक भी डेढ़ पौधा, जंगल, झाड़ी को कोई नुकसान आप लोग मत पहुंचाओ और निश्चित रूप से यदि आप लोग उसको यदि अगी भी संभव हो। आप लोग भूमिगत कर दो उस खदान को यदि संभव हो तो ताकि उसके आगे के जो पेड़ पौधे रहे सब सुरक्षित रहे। अब मैं इतना ही कह के अपने वाणी को विराम दूंगा, लेकिन सांस के अन्य ग्रामीणों से भी निवेदन करूँगा। वे लोग भी आए और अपने बातों को रखें।
26.	अजय सिंह	आमाडांड	मैं गांव पर जाता हूँ। जितने भी पदाधिकारीगण और यहाँ के नागरिक बंधु और मेरे ग्रामीण अंचल के क्षेत्रवासी जो पहुंचे हैं बहुत देर से पहुंचे हैं पर उनको समय नहीं मिल पा रहा है। बोलने के लिए मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा क्योंकि हमारे वक्ता जयप्रकाश भाई ने सारा चीज को आप लोग को आपके सामने बात रख दिए है जाहिर कर दिए है। मैं वही बोलना चाहूँगा जो बोल रहे थे पर मैं उसको बार बार दोहराना नहीं चाहता हूँ क्योंकि वाकई में सही चीज है की ये जल जमीन वास्तविक चीज है कि उस जंगल से उस जंगल से सारा चीज ले रहे हैं यहाँ के जनता जनार्दन और आज कोल माइंस खुल रहा है। हम कोयले खदान की विरोध नहीं करते हैं, पर बात ये है कि अंडरग्राउंड से जैसे उन्होंने कहा कि कोयला निकाल लीजिए, ठीक है। पर हमारे क्षेत्र के लोगों को भी बराबर कुछ ना कुछ प्रदान हो तभी तो ठीक है अन्यथा ऐसे कुछ अनहोनी करेंगे तो ये तो गलत हो जाएगा। इसका घोर फिर विरोध करना चालू कर देंगे। इसलिए इस ग्रामीण अंचल के जो जनता आये हैं आपसे वो सीधा संवाद करेंगे। मैं ज्यादा नहीं कहूंगा क्योंकि मेरे पास समय ज्यादा समय लेने के लिए समय नहीं है क्योंकि सारा चीज जयप्रकाश जी बता दिए जो मैं बोलना चाह रहा हूँ। इतने कहकर मैं अपने वाणी को विराम देता हूँ। जय हिन्द, जय भारत धन्यवाद।
27.	बसंत	भुकभुकी	लोक सुनवाई में साहब और सब अधिकारी हैं। सभी से मिलने का अवसर मिला है। मेरा कहना है की हम ये जंगल से हर गुजर रहे है पान, मुखारी, तेंदु, लकड़ी, पान जो की महिलाओं और भालू बन्दर और यहाँ जब ओपनकास्ट खुल जायेगा तो हम कहाँ जाएंगे वो तो खदान खुल सकता है। खदान खुलने में कोई आपत्ति नहीं है। ना वहाँ का लकड़ी कटेगा और ना और कुछ होगा। नुक्सान हमको नहीं पहुंचेगा और ओपेन कास्ट खुलने में हमको बहुत नुक्सान ने कहा है की वहाँ से लकड़ी आम लोग ही लाते है। गांव घर में चार तेंदू महिलाओं सब लाते है। वही गांव में उसी का

			आधार से गुजर बसर और सब खाते हैं और जाते हैं कांदा और गोलिया भी और यहाँ माइन नहीं खुलना चाहिए। मैं इतने कहकर अपने को समाप्त करता हूँ। जय भारत, जय छत्तीसगढ।
28.	पीताम्बर सिंह मरकाम	ग्राम पंचायत मेरो	कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों को मैं सबसे पहले नमस्कार करना चाहूंगा। यहाँ खदान खुलने को लेकर जल, जंगल, जमीन की रक्षा करना पहला हमारा आदिवासियों का कर्तव्य है और इसको बचा के रखना पहला हमारा कर्तव्य है और मैं चाहूंगा कि मैं तो खदान खुलने का कड़ी विरोध करता हूँ कि हमारे गांव के सभी कम से कम धान की खेती करने में तो करीबन चार महीना लग जाता है बाकी तो सब कुछ जंगल से ही जंगल पे सब आधारित रहते हैं और क्या है की खदान खुलने से पेड़ों की कटाई हो जाएगी, जल स्रोत नीचे चला जाएगा तो मै खदान खुलने का कड़ी विरोध करता हूँ। धन्यवाद।
29.	जोखू सिंह	ग्राम–मेरो	मैं मेरो से जोखू सिंह मैं इस जन सुनवाई में आए हुए सभी अधिकारीगण, ग्रामवासी, सभी को मेरा नमस्कार, मैं ये जन सुनवाई में यही कहना चाहता हूँ की गांव को बक्श दिया जाए। गांव को बक्श दिया जाए जैसे कि जयप्रकाश भैया ने बहुत खूब कहा चिरमिरी बचाओ, चिरमिरी बचाओ। बहुत सुन लिया हमने जरा गांव को भी सोचा जाए गांव को भी सोचा जाए गांव में गांव वाले कहाँ जाएंगे आप लोग ही बताइए जीएम साहब भी शायद है यहाँ मैं उनसे ही सवाल करता हूँ। कि वही बताये जब यहाँ यहाँ के कर्मचारियों को रानियों अटारी में या अन्य जगह शिफ्ट किया गया तो वहाँ के लोगों को कहाँ रोजगार दिया गया वहाँ भी तो भगाया ही गया होगा। वहीं से ही यहाँ गांव के लोग पड़े लिखे नहीं है। ज्यादा बारहवीं कोई ग्रेजुएशन किया, कोई पॉलिटेक्निक, आईटीआई ये सब दिए नहीं है। आप लोग कैसे रोजगार देंगे ओपेन कास्ट बोलते हैं आप यही बताइए आप लोग कैसे देंगे आपको रोजगार दे रहा है तो किसी और तरीके से दीजिये। मैं सरकार को बहुत दिनों से सुनता आया हूँ। भारत सरकार को सस्टेनेबल डेवलपमेंट सस्टेनेबल डेवलपमेंट क्या होती है सरकार बताये। सरकार बोलती है सस्टेनेबल डेवलपमेंट को कोल माइंस की जरूरत ही क्या है मैं बहुत बड़े बड़े विदेशों में देख रहा हूँ की कोल माईंस। माइंस चलने वाली फैक्टरी को बंद किया जाए। हमारे सरकार में इतना शक्ति नहीं है क्या नहीं है क्या और माइंस को बंद करके किसी और तरीके से किसी और तरीके से विकास किया जाए। क्या जरूरी है जल जंगल जमीन को नुकसान पहुंचाना तेरा हो गया अभी तो कुछ नहीं दिख रहा चाहे जितना भी साल का लीड हो, रोजगार दे दिया जाए, ठीक है अगर रोजगार दे भी दिया जाए, मान लो अभी हम है हमारे आने वाले पीढ़ी, तो फिर क्या होगा रोजगार देंगे। आपको 40 हजार–50 हजार जितना भी तनख्वाह देंगे। यह तनख्वाह हमारी चार पीढ़ियों को गिरा सकती है। गांव वालों से ही पूछना चाहता हूँ और आये हुए सभी अधिकारी कलेक्टर महोदय सबसे पूछना चाहता हूँ ये क्या पीढ़ी को खिला सकती है रिजर्व बैंक हाँ रोजगार अरे चल है जंगल है जमीन है। अरे जल नहीं बचेगा तो पिएंगे क्या जमीन नहीं रहेंगी तो हम खेती करेंगे। क्या जंगल नहीं रहेगा तो हम सांस लेंगे कहाँ से आप ही लोग। बताइए आप ही लोग बताइए, हम सांस लेंगे कहाँ से इस जंगल से अगर पाड़ दिया जाए कोल माइंस के लिए तो। मेरे को लगता है यहाँ से यहाँ से आप लोग नजर दौड़ेंगे। उसी की पहाड़ी के अलावा कोई पहाड़ी है यहाँ पे आप लोग बताइए यहाँ से कम से कम 40 किलोमीटर दूर जाएंगे मरवाही तक बिलासपुर डिस्ट्रिक्ट में आता था। अब जीपी एम हो गया है, वहाँ तक कोई ऊंची पहाड़ी नहीं है। आप लोगों को शायद चलते तो मालूम ही होगा। कैसे बनते हैं बादल अरे इसी से वर्षा आधारित है। इसी से गांव जी रहा है आप लोग इस चीज को समझते क्यों

			नहीं है समझ गए। अरे, आप लोग समझिये। अगर ये जंगल इस पहाड़ को काट देंगे तो वर्षा ही नहीं होगी। अरे अभी तो चार पांच पंचायत को आप बोल रहे है मेरे को क्या मुकुंदपुर की चिंता नहीं जो भी है। अरे यही बस नुकसान होगा लेकिन। ये जंगल कट जाऐंगे, बारिश ही नहीं होगी तो फिर क्या करेंगे बाकी गांव वाले आप लोग ये बताइए आप लोग मौन आ रहे है।आज भी तो बताएंगे जा भाई जा। आप लोग मौन रहेंगे। इसका मतलब क्या है और गांव में चुपचाप क्यों प्रस्ताव लेने आया जाता है मैं सुना हूँ। क्यों इनको लोभन दिया जाता है तब से ही काम है। साहब लोभन क्यों दिया जाता है एसईसीएल के द्वारा बताया जाए। हमें सब भाई मोहन ने कहा है, जहाँ कहीं भी हूँ मैं मेरे से हूँ। मैं उनको बोलना चाहूंगा कि वो भला आपत्ति दर्ज कराये नहीं कराये। मैं नहीं पता मुझे लेकिन वो गांव के मुखिया आए उनको आना चाहिए। सर्वप्रथम उनको आपत्ति दर्ज कराना चाहिए क्योंकि हम लोगों ने उनको चुनकर सरपंच बनाया है। जल, जंगल जमीन बचा रहा होगा। मैं इस जनसुनवाई में मैं खदान खुलने का विरोध करता हूँ। यहाँ के लोगों को वहाँ रोजगार दे रहे है। वहाँ के लोगों को कहीं और भगा रहे है। बस छत्तीसगढ़ में यही चल रहा है। हम आए दिन देख रहे है। मैं आज सोशल मीडिया पे पोल चल रहा था, मैं देख रहा था। सुबह सुबह इसबार। क्या हुआ कि उसमें किसी ने लिखा था मैं उनका नाम नहीं। लेना चाहूंगा क्या आप अंजनहिल में खदान खुलने के फिर के समर्थन में हैं तो अधिकांश ग्रामवासियों ने मैं वहाँ उनका राज देखा कि खदान खोलने के वो इच्छुक बेरोजगार है तो रोजगार मिलना चाहिए, ये बोलता है। ठीक है, रोजगार तो मिलना चाहिए, किसी और तरीके से क्या सरकार रोजगार नहीं दे सकती ये। खदान खोलकर ये रोजगार दिया जा सकता है। रोजगार अगर दिया जा सकता है किसी और तरीके से किसी और तरीके से रोजगार दिया जाए। गांव को बक्श दिया जाए। मेरा यही कहना है खदान खोलना है, खोलें अंडरग्राउंड खोलें वो चिरमिरी को जितना निकालना है आजादी से पहले से चल रहा है खदान और जब तक चले चलाएं, लेकिन गांव को बक्श किया जाए गांव में गांव के लोग आज भी जाएंगे तो आप चार जन 10 जन टीम बनाकर जाते हैं अपने लकड़ी के लिए और इसकी टेंडरिंग प्रक्रिया हुई तो क्यों नहीं बताया गया कि इस क्षेत्र को अभी तक भी नहीं बताया गया है। 470 की कितना है जमीन, उसमें कहाँ तक के लोग प्रभावित हैं सिर्फ गांवों का नाम लिख दिया गया है बस क्या मैं गलत बात बता रहा हूँ ग्रामवासी आप लोग समर्थन करेंगे तालियों के साथ अगर मैं सही बोल रहा हूँ तो यहाँ चुपचाप रहने से कुछ काम नहीं चलेगा। जब तक आप लोग बोलेंगे नही तब तक सरकार सुनेगी नहीं एसईसीएल सुनेगी नहीं हमारी चिंताओं को जाना है हमको भी इसलिए मैं कहता हूँ आप लोग भी आइए और इस जनसुनवाई में अपना राय अपना डिसीजन जरूर बताईए। धन्यवाद, मैं इतने कहकर अपना को विराम देता हूँ और यही कहूंगा मैं इस बार बार यही कहूंगा मैं इस खदान फूलने के ओपन कास्ट का विरोध करता हूँ। कहता रहूँगा जब तक जिंदा हूँ।
30.	श्रीमती कुर्रे		मेरा नाम श्रीमती कुर्रे है, मैं गांव ग्रामीण क्षेत्र की महिलाए हूँ हमने ग्रामीण क्षेत्र की जितनी हमारे बंधु, हमारे भाइयों, हमारे माता पिता, हमारे पूर्वजों ने इसी जंगल, इसी जल जंगल से हमारे माता पिता ने हमारे हमारे माता पिता ने हमारे पूर्वजों ने हमारे माता पिता ने सबने देहांत हो गए, उसी पहाड़ियों से कंडा से, खुर्सा से जड़ी से, बूटियों से, लकड़ी से चार से तेंदु से पान से पतई से तेंदु पान भी उसी पहाड़ियों में तोड़ा जाता है। हम लोग ग्रामीण क्षेत्र के हम हम में जीतने ग्राम वासी है हमे आज चिरमिरी में कितनों ही कितनों ही खुली वहाँ खदान ओपेन कास्ट खुला हमारे ग्रामीण

8

434

भाइयों बहनों को हमारे बच्चों को एक भी रोजगार नहीं मिला और जो चिरमिरी क्षेत्र है चिरमिरी क्षेत्र से जितना जितना खदान ओपेन कास्ट खुली चिरमिरी के लोगों भाइयों को कोई भी रोजगार नहीं मिला, वो भी अपना दो–चार दिन के मिला अपना अपना कुछ भी कुछ मजदूरी करके अब जी खा रहे है वही हलात हमारे गांव में आने वाली है ये हलात हमारे गांव में नहीं आना चाहिए हमने मजदूरी कर करके अपने बच्चे को बहरी बेच के मजदूरी करके बच्चों को पढ़ाई लिखाई। आज से हमारे बच्चे ऐसी ही अनाथ घूम रहे है। हमारे बच्चों को कुछ भी नहीं मिला हमारे बच्चे अनाथ घूम रहे हैं और कहीं गंजा दारू चोरी बदमाशी कर रहे है। क्यों कि यही सरकार की आंख नहीं दिखी की हमारे ग्रामीण बच्चो को कोई भी रोजगार दिया जाए, चिरमिरी को दुकान खुली और खदान खुला वहाँ तो किसी को रोजगार दिया नहीं गया तो हमारे ग्रामीण क्षेत्र में हमारे कलेक्टर साहब हमारे जीएम साहब जो जीतने हमारे अधिकारीगण आये हैं उन्हें मै सभी को बोल रही हूँ और बोलूंगी कि क्या कहते हैं क्या रोजगार गांव वालों, बच्चों को, हमारे भाइयों, हमारे हमारे पूर्वजों से कितने उसी जंगल, जब से वो जंगल से जंगल से जी करके कितने देहांत हो गए आज हमने उनके बच्चे कितने संख्या बढ़ गई हमारी गांव में ग्रामीण गांव में कितनी संख्या बढ़ी और कैसे कैसे हम अपने जीवन यापन कर रहे हैं, कैसे जी रहे हैं लेकिन आज तक हमें कोई कुछ भी नहीं मिला। हमारे बच्चे पढ़ के ऐसे घूम रहे हैं आवाज भी सरकार हमारे गांव को गांव को हमारे बरबाद करने जा रहा हैं पहाड़ को खोलने जा रहा है और पहाड़ को खोल करके को खोल करके क्या हमें मृत्यु करेगा। पहले हमारे ग्रामवासियों पर हमारे बच्चों पर सरकार पहले गोली चलाए एक तरफ से मारे एक तरफ से खत्म करे, साब लोग तब यह आपको दे देंगे। नहीं तो नहीं देंगे देखिये। यही नौबत आज चुकी है हमारी ग्रामवासियों का करेंगे गाव को आपको उत्तर मिलेगा। आपको खाली स्थान मिलेंगे आप ऊपर बात कर दीजिये। हम कहाँ जाएंगे ग्रामवासी कहाँ जाएंगे ग्रामवासी हम इसी जल जंगल से जी रहे हैं, हमारे बच्चों को खिला रहे हैं तेंदु, चार से, मुहुआ से, सरई से हमारे अपने बच्चों को पाल रहे हैं। जब इतने पेड़ कटाई हो जायेगी तो हमारे गाव में ये ग्रामीण में कहीं वर्षा नहीं होगी। तो हम खेती भी नहीं कर पाएंगे। अब कैसे अपने बच्चो को पालेंगे बताइए अब तो बहुत हद हो गया हद हो गया हमारा पांव पड़ते पड़ते हाथ जोड़ते जोड़ते हमारी इतना बहुत बड़ा हद हो गया सरकार हमारे गांव पर हमारे ग्रामवासियों पर चढ़ाई करने जा रहा है। हमें मारने जा रहा है यही मेरा निवेदन है की एक तरफ से हम ग्रामवासी को मारा जाये और ये पहाड में ऊपर तरफ से खोला जाए और तो हम दुआ करते थे तो हमारा कुछ सुनवाई नहीं हो रहा है। हमारी पानी भी नीचे चली जाएगी यहाँ ऊपर काम का पानी भी नीचे चली जाएगी ना हमें पानी पीने को भी नहीं मिलेगा और दूसरी बात ये बादल एक बीच के चलते बादल हो रही थी बारिश हो रहा था वो भी नहीं होगा हमारी खेती भी नहीं होगी तो हम कैसे जियेंगे, हमारे बाल बच्चे कहाँ जाए और हम अपने बाल बच्चे का क्या खिलायें हम ग्रामीण महिलाएं हैं, हमने पढ़े लिखे नहीं हैं और हमारे बच्चा पिता ने पढ़ाया लिखाया नहीं, आज कल के बच्चे को भूसा पैरा बेच के बच्चे को पढ़ाये तो उनको रोजगार भी नहीं मिला और फिर पहाड़ की अशीष से ये पहाड मे गुजार जा रहा है। ये इसलिए मेरा निवेदन है कि पहाड़ को न उजाडा जाए करोडो संख्या का आधारित है हमने बाहर से करोडो संख्या का जीवन को ना लिया जाए। सरकार से मेरा निवेदन हैं की ये सरकार से ओपन कास्ट न खोला जाये यहाँ मेरा कहना है। इतना कह के मैं अपने बात को विराम करती हूं। जय भीम जय भारत

31	लक्ष्मण साहू	कदरेवा	आज यहां अंजनी लोकसभा जन सुनवाई में हमारे अधिकारी, कर्मचारी, पदाधिकारी एवं गीड़िया बंधु एवं हमारे जनता ग्रामीण जनता माता बहिन सब आये हैं तुम को मेरी ओर से सब को प्रणाम है और यह अंजनी हिल जो है ओपेन कास्ट खुलने का जनसुनवाई है। इसमें हम समर्थन के लिए तैयार है। लेकिन हमारे जनता ग्रामीण क्षेत्र और चिरमिरी क्षेत्र इस क्षेत्र के लोगों को रोजगार देने के लिए सुनिश्चित किया जाए और यह किया जाए कि ग्रामीण में कितने लोगो को दिया जायेगा, चिरमिरी से कितने लोगो को दिया जायेगा। अभी हमारे पूर्व वक्ता लोग बताए की चिरमिरी के ही लोगों को दिया जाए। ऐसा ना हो की चिरमिरी के लोग को ही दिया जाए। ग्रामीण जैसे हमारे मुकुंदपुर हो गया, मेरे हो गया, दुवछोला, भुकभुकी के पंचायतों के लोगों को भी रोजगार का अवसर दिया जाए और जल जंगल जमीन इस पर ध्यान देते हुए हमारी जनता की सुख सुविधा इस पर भी ध्यान देते हुए और इनके जमीन को बचाया जाए, कुछ पेड़ों को बचाया जाए, ऐसा ना हो कि यहाँ पूरा मरुस्थल बना दिया जाए और जब ये सब हो जाएगा तो हमें हवा कहाँ से मिलेगा, पानी कहाँ से मिलेगा अब ऐसे ही स्थिति में तो हम जनता का अहित होगा। इस अहित को रोकते हुए और हमारे युवा साथी और हमारे जनता इन लोगों का रोजगार सुख सुविधा को ध्यान देते हुए यह कार्य किया जाए तो हम इसके लिए समर्थन हैं और बाकी अगर इस सुविधा को ना दे तो ये अहित होगा तो ऐसा अहित ना किया जाए, हित के ऊपर कार्य किया जाए और इतना ही कहकर मैं अपने वाणी को विराम करता हूँ जय हिन्द जय भारत जय चिरमिरी
32	श्याम बाई	कदरेवा	भाई खदान खुलने वाला है तो पहाड तोड़ने वाले है तो हम लोग तोड़ने नहीं देंगे। कहे कि उसमें हम लोग तेंदु चार बेच–बेच के 2 रूपये 3 रूपये किलो बच्चे लोगों को हम लोग पढ़ाएं हैं जिलाय हैं जी रहे हैं लकड़ी ले चुरी ले नागर ले बैला ले सब। हमने न देब खदान, खदान इतना जंगल है उसने शुद्ध हवा शुद्ध पानी खदान खोलने में ना भारी तकलीफ भारी दुख हवै। इही मैं बोलने चाहत हौं।
33	हीरा सिंह,	कदरेवा	मैं आज इस भुकभुकी का धरती पावन में ग्राम पंचायत कदरेवा का पूर्व सरपंच आये हुए और यहाँ भी साहू जी बोल रहे थ कि हमारे हमको रोजगार चाहिए। हमको रोजगार से बेरोजगार में ठीक है रोजगार आज तक ऐसा शासन ने ग्रामीण योजना को रोजगार दिया ही कहा है अपना बैगा, पंडों जो आदिवासी क्षेत्र में मुखारी पत्ता चिरमिरी मे जाके बेचते हैं और चिरमिरी वाले में से ऐसा नहीं है की अपना इसी हम लोग इस गांव के इस मुलक से वो है और बाहर बाहर के आदमी अभी मैं किसी से विरोध नहीं करूँगा। कोई बिहार से आया है, कोई झारखंड से आया है, कोई उड़ीसा से आया है तो सब अपने आदमी है, वो उसको नहीं कहूंगा। लेकिन जिस ग्रामीण क्षेत्र ग्राम पंचायत कदेवा से जितने यहां हमारे बुजुर्गो का देवी देवता मानते तक आज हमारे उसी संस्था में आज मिट्टी में गुजर चूके हैं और गुजरने के बाद ऐसा होगा कि हम लोग वहाँ वो खदान खुलेगा इसके चक्कर में हमारा भी खदान खुलेगा। जिसमें हमारा खेती बाड़ी जो भी है, तेंदु पत्ता से लेकर अचार तेंदु उसी में देख के हम रोजगार कर लेते हैं। अगर रहिस चिरमिरी उखड़ जायेगा तो चिरमिरी वाले तो जहाँ से आये हैं वहाँ चल देंगे, लेकिन अपना ये आसपास ग्रामीण क्षेत्र है कहाँ जाएंगे कहीं तुमको जगह नहीं मिलेगा, ना की मिलेगा क्या अगर मिलेगा तो मैं ऐसा कहता हूँ की जगह मिलने से पहले हमको जगह बता दिया जाए की आपका जगह यहाँ पड़ा हुआ है। मैं इतने कह कर अपने वाणी को विराम कहता हू जैसा अभी बीच मे है की नहीं खुलने से हमको 100 आदमी को रोजगार मिल जायेगा। हमको रोजगार नहीं चाहिए अपने

			को अधिकार चाहिए तेंदू, पत्ता, मुखारी, सरई पत्ता, लकड़ी, घूरी, अचार, तेंदू साब अपने जंगल से निवास कर रहे है हम लोग। इतना कह कर मैं अपने वाणी को विराम करता हूं।
34	बसंती	कदरेवा	सुनने को आ रहा है कि हमारे गांव में खदान खुलने जा रहा है तो इसके लिए तो गलत बात है, जो गलत है वो गलत है हमको खदान नहीं चाहिए हमको शुद्ध हवा चाहिए शुद्ध पानी शुद्ध खाना पीना।
35	विष्णु सिंह श्याम	निवासी ग्राम कदरेवा	मैं विष्णु सिंह श्याम निवासी ग्राम कदरेवा से दिलॉग करता हूं मैं आज ये लोक सभा सुनवाई भुकभुकी में मैं ये कहना चाहता हूँ कि जो अंजन हिल मैं ओपन कास्ट खुलने का योजना चल रहा है, उसे मैं विरोध करता हूँ। ये अंजन हिल ना खोला जाए क्योंकि अंजन हिल खोलने से हमारे गांव को बहुत बड़ा नुक्सान पहुंचेगा, क्योंकि उसी जंगल से हमारे ग्रामवासी ग्रामीणों ने लकड़ी, पत्ता, तेंदू, चार, महुआ डोरी और अनेक प्रकार के औषधीय जड़ी–बूटी वहीं से प्राप्त होता है। अगर इतने इतने जड़ी–बूटी और पेड़ पौधे नष्ट हो जाएंगे तो हमारे जीवन में अशांति का माहौल हो जाएगा क्योंकि जंगल कट जाने से प्रदुषण फैलेगा तो अनेकों प्रकार की बीमारियां हो गयी तो मैं वहाँ खदान ना खोला जाए क्योंकि वहाँ खोलने से जल और वायु ऐसे और अलग प्रकार की समस्या आ सकती है और हमारे इस पहाड़ के ऊपर जो हमारे देवी देवता है जो आज ये तलवा पहाड़ कहते है से बरतुंगा से ऊपर उस तलवा पहाड़ में हमारे देवी देवता है, वो देवी देवता हमारा नष्ट हो जायेगा। क्योंकि हम उसी के आश्रित में रहते है तो ऐसा मैं कोल माइंस से कहना चाहता हूँ ऐसे हमारे देवी देवता को नष्ट ना किया जाए और इसी इतना कहकर मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। धन्यवाद।
36	पार्वती		हम लोग खदान–वदान नहि खुलन देंगे हम वहा तेन्दू पत्ता तोडते हैं लकड़ी, झूरी सब कुछ ता एखर मैं विरोधी हो हम लोग कर रहे हैं खदान नहीं खुलने देंगे।
37	गंगाराम आयाम	निवासी ग्राम भंडारदेई	हमारे इस कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारीगण, हमारे इस सभा उपस्थित समाजसेवी तथा आप जनता मैं आप सबो से निवेदन करते हुए मैं अपना परिचय देता हूँ। मैं गंगाराम आयाम ग्राम भंडारदेई से हूं। मैं आज इस लोक जनसुनवाई के मंच पर आप लोगों को कुछ विशेष राज भरी बात बताना चाहूँगा, साथियों आप लोगों को यह पता होना चाहिए कि हमारे इस देश के मूल वंश समाज जो है, ये आदिकाल से इस धरती का वंशज रहा है। इन्होंने अपने देओ या भगवान के रूप में इन्होंने जल, जंगल, जमीन, वायु और अग्नि को माना है। इसके अलावा इनके पास कोई भगवान का कॉन्सेप्ट नहीं है। साथियों, आज हमारे इस देव को हमारे भगवान को आज क्षति पहुंचाने का बहुत बड़ा साजिश हो रहा है इस साजिश से और लड़ने के लिए हमें ग्रामवासियों को कानूनी तौर पर हमको संघर्ष करना चाहिए। साथियों आप लोगों ने देखा है आज हमारे इस देश में हमारे चिरमिरी फील्ड में अंग्रेजों के शासन काल से न जाने अरबों खरबों रुपए के कोयला का माल निकाल के ले गए लेकिन हमारे क्षेत्र के ग्रामीणों के लोगों को एक गली तक इन लोगों ने सुधारने का मन नहीं बनाया और आज ये कहते हैं हम रोजगार देंगे, किस तरह से हमें रोजगार देंगे आप लागों के पास एग्जैम्पल होगा यहाँ पर साजाकारी है यहाँ पर दुवछोला में करोड़ो रुपए का बांध का स्वीकृति हुआ था। इधर कदरेवा में मे अधूरा बांध पड़ा है। उधर मेरो मे अधूरा बांध पड़ा है। वैसे ही कौन सी सरकार है जो योजना बनाती है और आगे पैसा खर्च करने के बाद कोई योजना फैल हो जाता है, हम कैसे यकीन कर रहे है की आप कह रहे हो की हम ग्रामीण अंचलों के लोगों को रोजगार देंगे, हम कैसे मान ले, इसलिए साथियों मैं चाहता हूँ की हमको जो है हमारी जो पारम्परिक रोजगार है अभी काम से

8

			जो हमारा रोजगार है वनोपज के संग्रहण के साथ हम लोग अपना जीविका पालन करते हैं। हमको जो है हर हालत पर इसे हमको बचाना होगा और मैं हमारे इस मंच पे हमारे सरकार के पदाधिकारी, पर्यावरण से आए हुए अधिकारीगण सब से मैं निवेदन करूँगा की हमारे इस होने वाले आदिवासी मूल निवासी मूल वंश समाज की उत्थान के लिए आप लोग भी सहयोग दे ताकि हमारा इस अंजनि हिल में ओपेन कास्ट खदान ना चले ऐसे मैं आप लोगों से उम्मीद रखता हूँ। साथियों मैं ज्यादा नहीं बोलूंगा क्योंकि हमारे पीछे बहुत सारे वक्तागण है और मैं इतने शब्दों के साथ मैं अपने विराम देना चाहता हूँ। जय शक्ति का जय गोंडवाना जय जोहार
38	सुनील शर्मा, पत्रकार	चिरमिरी	मेरा नाम सुनील शर्मा है और मैं पेशे से पत्रकार हूँ। मैं इस ओपेन माइंस का विरोध करता हूँ। पता है क्यों, क्योंकि आज 5 फरवरी है और 6 फरवरी को जो हमारे सामने बैठे हुए जज हैं, वो कूलर के सामने बैठे हैं। समझिये जिस जब ठंडी पड़नी चाहिए तो आप लोगों को किसकी हवा चाहिए कूलर की समझिये आप लोग पर्यावरण स्वीकृति के लिये आये हुए हैं समझिये जिस फरवरी में आपको कूलर की जरूरत पड़ रही है जब ये पहाड़ नष्ट हो जाएंगे जब ये जंगल नष्ट हो जाएगा तो क्या होगा, यहाँ पर दो तरह के लोग आए हैं एक आयें है चिरमिरी के लोग जो समर्थक जो चाहते हैं कि अंजन हिल खुले पता है क्यों, क्योंकि वहाँ से रोजगार को उनको लगता है कि उनको रोजगार मिलेगा, दूसरा वो लोग है जो नीचे रहते हैं, जिनको पता है कि अगर खुल जाएगा तो ये जो पहाड़ है उसको राख बना दिया जाएगा। इस पहाड़ का सीना छलनी कर दिया जाएगा। उस जंगल को नष्ट कर दिया जाएगा। तो सबसे पहले जो चिरमिरी के लोग है उनको बोलना चाहता हूँ इससे पहले भी चिरमिरी में ओपन माइंस था, बहुत सारे माइंस थे, लगभग 1,50,000 के ऊपर के लोग रहते थे, लेकिन जैसे ही माइंस बंद हुई लोग चिरमिरी को छोड़कर भाग गए तो कई साल बाद जब ये परियोजना बंद हो जाएगी तो वही लोग वही लालची लोग फिर छोड़कर भाग जाएंगे, फिर ये कहाँ जाएंगे, तब तो पहाड़ नहीं रहेगा कोयले को निकाल लिया जाएगा, धरती माता का सीना चीर लिया जाएगा, फिर क्या करेंगे ये लोग कहाँ जाएंगे कहाँ जाएंगे, कहाँ से लाएंगे जंगल विरोध इसलिए है कि हमने कवर किया है हसदेव को जिस तरह से हसदेव का सीना छलनी कर दिया गया है, बोला गया था कि हम पेड़ लगाएंगे जाके देखिए। अकेला रिपोर्टर हूँ जब मैंने कवर किया था तो मुझे बोला गया था रिपोर्टिंग मत करो, कैमरा बंद करो अदरवाईज इसी ओपेन माइंस के नीचे फेक दिया जाएगा अकेला गया था हमने देखा हैं हमने देखा हैं जंगलों को नष्ट होते हुए और आप बोलते हैं ना बोलते हैं कि हम पेड़ लगाएंगे, चलिए दिखाईए एक पेड़ दिखाईए, आप लोग जितना भी पेड़ लगाते हैं, एक भी पेड़ दिखा दीजिए। पेड़ लगाने का काम सिर्फ भारत माँ का धरती माता का वो पेड़ लगाती है, वही जिंदा होता है आप लोगों की तरह तो भ्रष्टाचार किया जाता है। नेताजी लोग यहाँ पर बोल रहे हैं सिर्फ समझिये तालियों की गड़गाड़हट को समझिये। जब नेता भाषण देते हैं तो एक भी ताली निकलती है, उनको तो वोट बैंक चाहिए चिरमिरी में वोट बैंक है इसलिए बोलते हैं कि चिरमिरी के हक की बात कर लेंगे। यहाँ वोट बैंक कम है लेकिन समझ लीजिये यहाँ अस्तित्व की लड़ाई है। ये ऐसे लोगों की अस्तित्व में लड़ाई है जिनका जीवन इसी जंगल से चलना है। ऐसे लोगों के अस्तित्व की लड़ाई है जो इस जंगल पे इस पहाड़ पर निर्भर करेंगे। देखिए इस पहाड़ को कितना सुंदर पहाड़ है देख लीजिए कैसे, कैसे देख लें इसको राख बनते हुए कैसे देखें और जो लोग यहाँ पर हैं आप लोग तो जज हैं लेकिन कुछ लोग हम देख रहे हैं की जब लोग हमें भाषण देते हैं, गरीब लोग तो बोल नहीं पा रहे हैं, ना हंसते

			है आप लोग शर्म आनी चाहिए वो कभी उन्होंने भाषण नहीं किया लेकिन सोचे वो माता आती हैं, महतारी आती हैं उसने कभी भाषण नहीं दिया होगा बैठे हैं आप लोग हस देते हैं, उसकी इच्छा शक्ति को देखे, बचाने के लिए क्या कर रही है वो कभी जिसने कभी नहीं बोला है, मंच मे आकर वो बोल रही है, बोल रही है कि हम हम अपन जगल जमीन ल और पहाड ल नहीं नष्ट नहीं होन देवे। अब आप लोग क्या करते हैं खिलखिला रहे हैं। आप भी इसी देश के नागरिक है, हम भी इसी देश के नागरिक है, हम सब इसी भारत माता की गोद में पैदा हुए है, आखिर आप लोग कैसे हंस सकते है आप हमको चाहिए की हाँ गांव के गरीब महिला जिसे ऐसे माइक पकड कर अपनी भाषा में बोल रही है तो उसके जज्बे को सलाम करना चाहिए ना की आपको हंसना चाहिए इसलिए एक पत्रकार के तौर पर हमने जो भी देखा है, हमने वन विभाग की योजनाओं को देखा है हमने नेताओं के भाषणों को देखा है वो आप लोगों के कार्यशैली को देखा है एक पेड नहीं लगा सकते हैं आप लोग दावे से बोल रहा हूँ और रही बात रोजगार की ना तो जितने पैसे वाले हैं उनको रोजगार मिल जाएगा, लेकिन जिनके जिनका बनियान फटा हुआ है ना उसके बच्चे को अगर आप रोजगार देंगे उसका दावा करते हैं तो दे देंगे तो चलिए खोलिए नहीं देंगे, हाईवा चलेगी करोड़पतियों की समझियेगा, हाईवा चलेगी करोड़पतियों की नौकरी मिलेगा उनको जिनके जेब गर्म है जिनके जेब मोटी है, पैसे है उनको नौकरी मिल जाएगी वो अवैध व्यवहार भी कर लेंगे उसी कोयले से और उसी कोयले से अपने बच्चों को कहा की जाओ अमेरिका और पढ़ लो इनको तो ढंग का सरकारी स्कूल नहीं मिल पाता है उनके जंगलों को नष्ट कर देंगे आप लोग, पर्यावरण की बात कर रहे है पहले पर्यावरण बचाने के लिए समझिये 5 फरवरी को हम लोग कहाँ है 5 फरवरी को पंखे के नीचे है जब ठंडी होने चाहिए कड़ाके की और इसके बाद में इसको पूरा नष्ट कर के बोलेंगे चलिए हमने तो बचा लिया पर्यावरण नहीं होना चाहिए एक पत्रकार के तौर पर एक आम नागरिक के तौर पर इन ग्रामीणों के लिए और इन ग्रामीणों को इनकी समस्याओं के लिए मैं बोलता हूँ कि ऐसा यहाँ पर ओपन कास्ट माइन नहीं होना चाहिए। हमको बचाना चाहिए जंगलों को।
39	दुर्गावती	ग्राम पंचायत आमाडांड	सभी मंचासीन अतिथियों को मेरा सादर जय जोहार नमस्कार, मैं दुर्गावती ग्राम पंचायत आमाडांड से आई हूँ। मैं अपने अधिकार के लिए कुछ बोलना चाहती हूँ, मैं ज्यादा तो नहीं, लेकिन थोड़ी सी ही बोलूंगी, हम सब जानते हैं की हम भारत माँ के संतान हैं, हम धरती माँ से अन्न उगता हैं उसी से हम लोग अपना भरण पोषण करते हैं। कितनो बड़े अधिकारी कर्मचारी न होंगे लेकिन धरती माता से उगाए गए अन्न को खाते हैं और धरती माँ से जो पेड़–पौधे हैं उसी में जो मिलता हैं वही गांव वाले लेते है, और वही का जल भी पीते हैं। लेकिन आज जब सुरक्षा की बात होती है तो उसके हित के लिए कोई आगे नहीं हो रहे हैं। जबकि सब जानते है कि हम जहाँ भी हैं हम धरती माँ के ही से उगे हुए हर कुछ कर रहे हैं, हवा भी ले रहे है, पानी भी ले रहे हैं और अन्न भी खा रहे हैं। जब सुरक्षा की बात होती है, सब पीछे हो जाते हैं अरे आप सब को उसकी सुरक्षा के लिए आगे आना चाही, लड़ाई लड़नी चाही क्योंकि हम उनके संतान है। आज हर दिन हम लोग के छत्तीसगढ़ को सोन की चिड़िया कहते थे। आज उस सोन की चिड़िया को अंग्रेजो ने कुछ दिन आकर छीन कर पूरा ले गए आज वही वही कुछ बचा हैं कोयला काला हीरा के रूप में आज उसको भी कोल माइंस लेकर अंग्रेज बनकर छीन रहें है। क्या आप लोग उसकी लड़ाई में नहीं साथ देंगे। आपको सबको इस लड़ाई में सहयोग देना चाहिए। हम लोगों का साथ देना चाहिये ना कि कसाई लोगों का पक्ष लेकर खुदवाने में उनको सहयोग देना चाहिए, क्योंकि आप अधिकारी होंगे लेकिन धरती माँ

			से उगाए हुए अन्न ही खा रहे हैं। हम कसाई नहीं बनेंगे, हम धरती माँ की सुरक्षा के लिए लड़ेंगे मरे लड़ते करते मर जाएंगे, लेकिन हम छोड़ेंगे नहीं अपने धरती को। जय हिंद नहीं नहीं पार्टी की बात नहीं कर रही हूँ और ना मैं किसी पार्टी का हूँ। मैं अपने हित की बात कह रही हूँ, जो सच है जो सदियों से चलता आ रहे है। हम जब हम आदिवासी है, हम जब नौकरी कहां मिलेंगे अगर पढ भी ले बारहवीं ग्यारहवीं नौकरी के लिए जाते हैं तो हम लोग को नहीं मिलता है, हम अनपढ़ हैं, थोड़ा कम पढ़े लिखे हैं, हम लोग को नौकरी नहीं दी जाती है, लेकिन हम लोग अपने गुजारा के लिए उसी जंगल से थोड़ी मोड़ी जो उसकी हम लोग उनका खेती बाड़ी तो हमेशा चलता नहीं, समय समय पर चलता हैं। इसके बाद हम लोग जंगल से अपना जरूरत की पूर्ति के लिए तेंदु पत्ता हो गया, समय पर उसी से महुआ बिन लेते हैं उसी से हमारा गुजारा चलता हैं। क्या वो भी हमारा छीन लेंगे, नौकरी तो मिलती नहीं हम आदिवासियों को कि हम नहीं कर पाते है। हम लोग कमजोर वर्ग से है हम लोग जो सही की वो ना अब तक नौकरी तक नहीं पहुंचाई जा सकती। हम लोग जो अपना जीवन अपन जंगल से कर रहे हैं, आज उसे भी छीना जा रहा है। हम छीनने नही देंगे हम अपनी धरती माँ की रक्षा करेंगे हम सब धरती माँ के संसार हैं मैं आप सबसे प्रार्थना करती हूं कि आप सब हमारे साथ आइये अपनी धरती मां की रक्षा के लिये हाथ उठाईये सब साथ आइये और धरती मां के काला हीरा को के न ले जाने के लिये। हम सब कायर हो जायेंगे ऐसा नहीं करते हैं तो। यह कह कर मैं अपने वाणी को विराम देना चाहती हूँ। धन्यवाद।
40	अनिल सिंह उदय	ग्राम पंचायत आमाडांड	ग्राम पंचायत आमाडांड से अनिल सिंह उदय। आज ये ग्राम पंचायत भुकभुकी मे जो जन सुनवाई आज आम की बैठक किया गया है। सभी में प्रशासनिक अधिकारियों से सेवा जोहार करता हूँ कि इनके पीछे आज बहुत बड़ा राज है हमारे पर्यावरण, जल, जंगल, जमीन का जो कि कितने भी हमारे प्रवक्ताओं ने आया और सही सही तथ्यों को बोल कर चले गया अब मैं एक ही बीज बोलना चाहूंगा थोड़ी सी चंद बूंदों शब्दों मे एक हमारी माँ है और एक हमारी बाप है उसके आर्थिक स्थिति इतना कमजोर है की जिसका बयान किया नहीं जा सकता है और उसका पिताजी बोलता है कि बेटा मैं तेरे को पढ़ा लिखा कि डीएम और कलेक्टर बनाऊंगा और अच्छा बड़े अधिकारी बनाऊंगा। लेकिन आज हमारे गरीब बेटा की बाप अगर डीएम बनता है तो बेटा बोलता है कि आज मैं अपनी कुर्सी पर बैठ चुका हूँ उन आदिवासियों का कुछ भी करने के लिए मैं तैयार होना चाहता हूँ। ये बात को मैं मैं अपने जीतने भी बड़े प्रशासन के अधिकारी है। उनसे मैं कहना चाहूंगा और दूसरी बात ये कहना चाहूंगा की मेरे भाई एक पुलिस में है और एक बाप और माँ गरीबी खेत में घुटन कर रही है और पुलिस का तो बेट बाप अब तेरे को इस धरती में जीने का अधिकार नहीं है। इसलिए मैं सभी आदिवासियों को कहना चाहूंगा कि भारत को पहले सोने का चिड़िया कहा जाता था, उस समय हमारा भारत देश अंग्रेजों का गुलाम नहीं था मेरी बातों को ध्यान से सुनिए, छोटी बातों में बहुत बड़ी संख्या उपलब्ध है और जैसे भी अंग्रेज अंग्रेजों न आये और हमारे भारत में 750 रियासत था उस रियासतों को पूरे राजाओं का खजाना को लूट के इंग्लैंड ले गया। उसके बाद भारत देश को जब आजाद होना तो तीन राष्ट्र में बांटा गया। उनसे कहा कि भारत देश छोड़ के तो चल देंगे बेटा, लेकिन याद रखना एक पाकिस्तान को दिया जाएगा और एक भारत को और एक इंडिजेनस मूल वंश आदिवासियों को दिया जाएगा। पाकिस्तान का अलग हो गया लेकिन अब दो टुकड़ा बनाया गया 750 जो रियासत था, तीन टुकड़ा बटा और बचा दो तो कहा की जितना भी राजाओं हो एक भारत के

			साथ विलय कर दीजिये जिसमे की आपका जो शासन सत्ता है उसको हम नहीं छीनेंगे, वो तुम्हारा ही रहेगा। लेकिन आज हमारे भारत के पूरे नागरिक अंग्रेजों के गुलाम तो थे लेकिन अंग्रेज सफेद अंग्रेज छोड़ के चले गए लेकिन आज हमारे भारत में काला अंग्रेज है जिसको कोल माइंस से बड़े उद्योगपति कहा जाता है इसके लिए मेरे को 35 साल को उम्र हो को मेरे को जिस हद तक जाना पड़ेगा लेकिन मैं पर्यावरण को काटने नहीं दूंगा और एक आ जाए बोलते नहीं की एक पेड़ एक माँ की बराबर होता है और उसके बाद उसके एक पेड़ को काटा जाए तो तीन पेड़ लगाएंगे तो मैं पूछना चाहता हूँ मेरा सवाल है कि वो तीन पेड़ को किसके जमीन पे आप लोग आएँगे ना तो केंद्र सरकार के पास ना तो राज्य सरकार के पास एक इंच का जमीन नहीं है, जो जमीन है तो हमारे आदिवासियों के पास है। इन लोग बाहर के राज्यों से आकर अपने धंधा पानी कर रहे है जो की आदिवासियों को गुमराह में रख कर आज बोलते है की चिरमिरी में ओपेन कास्ट खोलेंगे और बोलते है कि तुम लोग को कोई क्षति पूर्ति नहीं होगा। ये प्रदूषण इतनी गंदी निकलेगा जिससे की शुद्ध हवा शुद्ध पानी शुद्ध जल आदिवासियों को मिलने के लिए मजबूर कर देगा। आदिवासी क्या पूरे छत्तीसगढ़ को रहने वाले को नुकसान होने वाला है। पहले छत्तीसगढ़ राज्य को धान की कटोरा कहा जाता था, लेकिन आज 2026, 5 फरवरी है मेरे को याद करना 2040 आते-आते तक पूरे छत्तीसगढ़ को कोयला का कटोरा कहा जाएगा। ये मेरे प्रशासन से एक अगर आदिवासियों को अगर उनका हक अधिकार को बचाना चाहते हैं तो मैं एसडीएम साहब से कहूंगा कि उनको ध्यान में रखते हुए आप ये पर्यावरण को नुकसान न करें। मेरा कहने का यही है और यही से अपना वाणी को विराम देना चाहता हूँ। सादर सभी को सेवा जोहार।
41	सुक्खुराम ध्रुर्वे, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, शहरी प्रभारी	भुकभुकी	भुकभुकी के पावन धरा को नमन करते हुये, मेरा नाम है सुक्खुराम ध्रुर्वे, मैं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी से शहरी प्रभारी हूँ और लोक सुनवाई में जितने भी पदाधिकारी आये हुए है सभी को सेवा जोहर करता हूँ ज्यादा न बोलते हुए मैं इतना कहूंगा कि अभी तक बहुत लोग आपको अवगत कराया इस कार्यक्रम और उद्योग के बारे में समर्थन भी दिया, समर्थन नहीं भी दिया लेकिन मैं इस उद्योग के समर्थन में समर्थन यही बोलना चाहूंगा कि शहरी इलाका हो या ग्रामीण इलाका हो, उसके साथ उचित न्याय किया जाए, उसका उचित न्याय नहीं हुआ, अन्याय के साथ विरोध में मैं हमेशा समर्थन देता रहूंगा। अगर उसके साथ न्याय नहीं हुआ तो उसके लिए जो भी करना पड़े आंदोलन करना पड़े उसका साथ दूंगा मैं और ज्यादा न कहते हुए मैं अपनी वाणी को यही विराम देता हूँ। मेरे ये चंद शब्दों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ये निवेदन करना चाहता हूँ। जय सेवा जय बड़ा देव, राज करे गोंडवाना छत्तीसगढ़ जय सेवा।
42	सूर्यप्रताप सिंह	ग्राम पंचायत मेरो	मैं ग्राम पंचायत मेरो से सूर्य प्रताप सिंह आज भुकभुकी में लोक सुनवाई जो हो रहा है अंजन हिल कोल माइरा के समक्ष मे उसमें मै बताना चाहूंगा ग्राम वासियों से जो स्थिति आज दंश से जूझ रही है चिरमिरी वहीं स्थिति गांव का भी होने वाला है इसलिए ज्यादातर समर्थन चिरमिरी वालों ने कोल माइंस खोलने के लिए दिया था। आज जो स्थिति बना हुआ है लोग पीने के लिए पानी के लिए तरस रहे हैं चिरमिरी में बाहर से पानी जाता है पीने के लिए वहीं स्थिति गांव में भी बनने वाला है। इसलिए सब कोई मिलकर हम लोग गांव वाले अपने गाव के तरफ सब विरोध कर रहे हैं की कोल माइंस ना खोला जाए। हमारा पर्यावरण सुरक्षित है और हमारा दूषित पानी से हमको जूझना ना पड़े, बीमारियों से जूझना ना पड़े, कई प्रकार के साइड इफेक्ट्स है जो चिरमिरी के लोग जूझ रहे हैं वही स्थिति गांव का भी आने वाला है। इसलिए हम सबको सतर्क रहना है और विरोध करना है

			कि कोल माइंस ना खुले हमारा पर्यावरण स्वतन्त्रता सुरक्षित रहे। आज तक कोल माइंस कहीं भी कोई भी पेड़ का विस्थापन नही किए है बोलते है वैसा की हम लोग पेड़ लगवा देंगे, कहीं पास कोई पेड़ का विस्थापन नहीं किया है, ना करेंगे, आज तक जुमला वादा झूठा वादा बस चलता रहा है और वही चलेगा। इसी का प्रकार का रोजगार की जो बात कहते हैं। जस्ट उल्टा हो जाता है, बेरोजगार में बदल जाता है क्योंकि रोजगार सिर्फ पूंजीपतियों को मिलता है, जिसका पॉकिट गरम है, उसी को रोजगार मिलता है जिसका पॉकिट नरम है उसको रोजगार नही मिलता है। ये देखते आ रहे है और ये हमारे पहले के वक्तव्यों ने बताया है कि किसी भी प्रकार का विकास के नाम से अगर बोलते हैं तो कोई भी कोल माइंस से विकास हुआ होगा तो बता देंगे विकास नहीं विनाश हुआ है और वही होने वाला है। जितना भी दूषित धुआं, प्रदूषण, डस्ट उससे हमारा पर्यावरण प्रदूषण होगा और उससे हमारा विकास नहीं विनाश होगा और कोई भी फायदा नहीं है इससे इसलिए मैं अंजन हिल कोल माइंस का विरोध करता हूँ और आगे करते रहूंगा क्योंकि हमारा छत्तीसगढ़ महतारी से हमकों अनेक प्रकार की जो खाद्य सामग्री मिलता है जंगल से जो औषधि मिलते है, हमारा जो रोजगार है वो कोल माइंस के द्वारा छीना जा रहा है वो साजिश है, लोगों का, बस भरम दिया जाता है। अभी हमने कुछ टाइम पहले आया तो यहाँ पास कुछ लोग मिले थे उनका नाम नहीं लूँगा जो ज्यादा बोलता है उनको बोले की हमसे मिलाओ, डिमांड करो अपना वक्तव्य रखो क्या चाहिए हमको कुछ नहीं चाहिए हमको जल, जंगल, जमीन चाहिए। हमको प्रदुषित पानी नहीं चाहिए, हमको शुद्ध हवा चाहिए, हमको पैसा नहीं चाहिए अगर पैसे से अगर चार पीढ़ी बिताया जा सकता है तो कोई बता दे हमको जमीन चाहिए, हमारा जल, जंगल, जमीन सुरक्षित चाहिए, क्योंकि पैसा में रहके जिया नहीं जा सकता है, जमीन में रहके खेती किया जा सकता है और जिया जा सकता है स्वतंत्र जीवन यापन किया जा सकता है। पैसा तो 4 दिन में खत्म हो जाएगा लेकिन जमीन हमारा अचल संपत्ति है और पैसा तो 4 दिन का खेल है बाकी खत्म हो जाता है। इसलिए हमको शुद्ध वातावरण और जल जंगल जमीन चाहिए। मैं इतना ही कहकर अपना वाणी को विराम देता।
43	इंद्रपाल सिंह	निवासी कदरेवा	मैं कदरेवा ग्रामवासी नाम इंद्रपाल सिंह मैं अंजन हिल माइंस खुलने का विरोध करता हूँ, जंगल जाते है, नांगर काटते है, नांगर बनाते है अपना खेती किसानी करते है नहीं खुलना चाहिए जब तक जान रहेगा वो खुलने भी नहीं देंगे, भले जान क्यों ना चला जाए इस लडाई में लेकिन खुलने नहीं देंगे हम कोल माइंस को और लोग पीछे लाइन लगे है ज्यादा बोलूंगा तो उनको समय नहीं मिलेगा। सब साथी भाई को समय मिले मिलने लिए मै वाणी को यहीं मैं विराम करता हूँ।
44	रगलाल सिंह	ग्राम पंचायत झगराखांड	बोलिये भारत माता की जय। मैं रगलाल सिंह ग्राम पंचायत झगराखाडी से बिलॉग करता हूं। जो की आज लोक सुनवाई में भुकभुकी में रखा गया है जिसका मैं घोर विरोध करता हूँ और मैं 11:00 बजे से यहाँ पहुंचा चिरमिरी बचाओ चिरमिरी बचाओ तब से सुन रहा था। मैं इसके बारे में आज तक चिरमिरी कहना चाहिए कि जो भी साग सब्जी वगैरह लाया जाता है वो गांव से ही लाया जाता है। अगर ओपेन कास्ट खुलता है तो इसमें सबसे ज्यादा गांव की और पर्यावरण प्रदूषण जैसे धुल मिट्टी वहाँ का जमीन बंजर हो जाएगा इससे खेती करना असंभव है वहाँ कितना भी उसमें ऊरिया खाद डालोगे लेकिन खेती नहीं होगा उसमें और इसमें एक चीज और बताना चाहूंगा जल जंगल जो जमीन है वो सिर्फ आदिवासियों का है आज तक जो भी आदिवासी बेटा है वो जंगल का वीर हमारा है, मैं ज्यादा बोलते समय के देखते हुये मैं ज्यादा नहीं बोलूंगा। बोलिए भारत माता की

			एक बार मेरा तुम्मा बाबा की।
45	वीरेन्द्र सिंह,	निवासी ग्राम कदरेवा	मेरा नाम वीरेंद्र सिंह है, मैं कदरेवा का रहने वाला हूँ। मैं इस ओजन हिल ओपेन कास्ट माइनिंग के विरोध में हूँ और एसईसीएल के अधिकारी लोग हमारे गांव में जा जा के बोलते हैं, ये काम कराएँगे, वो काम कराएँगे, हॉस्पिटल बनवाएंगे, स्कूल बनवा लो, प्राइवेट स्कूल बनवा लो, अच्छा पढ़ाई होगा तो गांव में इतना पैसा वाला नहीं है की प्राइवेट स्कूल में पढवाए अपने बच्चे लोग को। इसे कौन पढवाएगा पैसे वाले ना लेकिन हमको बहलाना, फुसलाना उनको अच्छी तरह से आता है और और बोलते है नौकरी मिलेगा, नौकरी मिलेगा, नौकरी नहीं चाहिए। हमको हमारे परदादा ने इतना जमीन जगा के रखा हैं जिसमे हम खेती बाड़ी करके अपना जीवन यापन कर सकते है और और ओपेन कास्ट खुलने से हमारी पानी की स्त्रोत वाटर लेवल खत्म हो जाएगी तो हम खेती कैसे करेंगे और बोलते है पीने के लिए पानी देंगे तो खेती करने के लिए पानी देंगे क्या हम पेड़, खदान खुले पर पेड़ नहीं काटना चाहिए। पेड कटने से बचने के लिए एक बार हुआ था ना चिपको आंदोलन पेड़ में चपक–चपक के बचाएंगे आदिवादी है मूल निवासी रहेंगे। फानेन्द दाइ की,कुम्मा बाबा की इतने बोल कर मैं अपने वाणी को समाप्त करता हूं।।
46	तेजप्रताप सिंह	ग्राम मेरो	आज बड़ा सौभाग्य बात है की लोक सुनवाई यहाँ मुकमुकी ग्राम पचायत में हो रहा है और मुझे भी अवसर मिला इस मंच तक आने के लिए और हमारे शासन, प्रशासन जो भी है सब यहाँ आज उपस्थित हैं। यहाँ निराकरण करने के लिए आए हैं और अच्छे से मैं सोच रहा हूँ की हमारा जो आज का सुनवाई है उसको अच्छे से निराकरण कर दीजिये। मैं अभी समय इसलिए लेना चाहता हूँ और इसके बीच हमारे भाई और लगे हैं लाइन में पीछे आइए धन्यवाद।
47	शिवनारायण कुर्रे, अधिवक्ता	चिरमिरी	आज ग्राम पंचायत भुकमुकी के पावनधारा पर जनसुनवाई रखा गया है। उस जन सुनवाई में जीतने भी अधिकारीगण, जनतागण और पुलिस प्रशासन, मीडिया प्रभारी उनको मैं हार्दिक स्वागत, अभिनंदन करता हूँ। साथियों सभी वक्तागण अपना–अपना विचार रखा और अच्छा बताया, लेकिन मैं जो हूँ इस सूर्यवंशी समाज से। बिलॉग करता हूँ और जिलाध्यक्ष भी हूँ मैं बोलना चाहता हूँ कोल फील्ड इंडिया पहले यहाँ खुला हमारे पूर्वज वहाँ से आए भग के और यहाँ कहते हैं एक प्रथा छुट्टी का इस प्रथा को हम लोग अपना जमीन सुरक्षित करके और रखे साथियों, इस सुरक्षित जमीन पर हमने जितना हमारा तीन पीढ़ी बीत चुका लेकिन यहाँ हवा, पानी बहुत शुद्ध वातावरण मिला, लेकिन जब इस ओपन कास्ट का पानी आया, तो इस ओपन कास्ट में हमने और पूरे गांव के बैठक करके हमने बोला यदि इस ओपेन कास्ट खुलेगा इसको ओपेन कारट से दूषित हवा पहुंचेगा गांव में और जीतने जीव जन्तुए हैं, वो सब उनको हानि पहुंचाएगा। साथियों मैं विरोध नहीं करना चाहता हूँ ना और कुछ करना चाहता हूँ हम चाहते हैं जिस प्रकार कोल इंडिया जब खुला उस समय आपने कितने एसटी, एससी, ओबीसी को रोजगार दिया उसका आंकड़ा होना चाहिए। साथियो वो हमें कॉलरी खुला लेकिन वो आंकड़ा आज तक हमको नहीं मिला कि कितना एसटी, एससी ओबीसी कोल इंडिया में कर्मचारी है, वहीं आज जो है ओपन कास्ट नहीं खुलनी चाहिए अंडरग्राउंड भले खुल जाए और उस पर जितने भी गांव क्षेत्र में से आते हैं चाहे चिरमिरी गांव क्षेत्र में हो वो जो एसटी, एससी, ओबीसी को हमको बेरोजगार है, उसको रोजगार चाहिए साथियों और जैसे बोले गांव क्षेत्र में ज्यादा अधिक पढ़े लिखे लिखे नहीं रहते हैं सही वास्तव में है सर, क्योंकि जीतने भी तकनीकी क्या मेकेनिकल डिपार्ट होता है उसमें जीतने भी जो औद्योगिक मतलब स्कूलें है यहाँ से दूर है और हमारे गांव क्षेत्र के जो

			अध्ययन नहीं कर पाते है साथियों तो आप लोग बेरोजगार को कैसे रोजगार देंगे, उस पर विचार होना चाहिए साथियों, मैं उन अधिकारियों से अवगत कराना चाहता हूँ इस मंच के माध्यम से की हमारे अनपढ़ लोग हैं, बेरोजगार और शिक्षित लोग भी हैं। नौवीं, दसवीं भाई लोग, लेकिन उनकी सुनिश्चित होनी चाहिए की एससी एसटी ओबीसी की कितनी परसेंटेज होनी चाहिए उस परसेंटेज के आधार पर होनी चाहिए जो संविधान में आरक्षित है। तो मैं इतना कहकर अपने वाले को ध्यान देता हूँ भारत माता की छत्तीसगढ़ महतारी की, भंडारी दाई की कुम्मा बाबा की।
48	केवल सिंह मरकाम जिलाध्यक्ष गोंडवाना गणतंत्र पार्टी		आज जनसुनवाई कार्यक्रम ग्राम भुकभुकी के इस पावन धरा में सभी पधारे अतिथिगण और एसईसीएल के पदाधिकारी, जिला प्रशासन के पूरे प्रशासनिक अधिकारी और इस क्षेत्र के तमाम आम जनता, नागरिक बंधुओं सभी को मेरा प्रणाम सभी को मेरा सादर सादर सेवा जोहार। मेरा परिचय केवल सिंह मरकाम गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिला अध्यक्ष, साथियों, आप सभी ने या फिर मैं जब से आया हूँ काफी समय हो चुका है सभी के विचारों को मैंने काफी समय से सुन रहा था। सभी का मकसद सभी का विचार किसी ने अपना विकास की ओर देख रहा है तो किसी ने अपना विनाश की ओर देख रहा है। शहर वाले गांव क्षेत्र के लोग सभी ने अपना अपना विचार रखे हैं और मैं शहर हो, चाहे गांव हो, चाहे जातिवाद हो, चाहे राजनीति हो सभी से उठ करके अपना विचार रखना चाहूंगा कि जितना भी इस क्षेत्र में एसईसीएल का जो काम चले हुए हैं या चलने वाला है, हम किसी का विरोध यह फिर समर्थन जो भी बातें हो, हमारा सिर्फ एक ही मकसद है कि हमारा भविष्य आने वाला समय जो पीढ़ी उसका स्थिति क्या रहेगा, आने वाला पीढ़ी कहाँ जाए। अभी हम लोग 2025 वर्षों का विकास और भविष्य की ओर सभी ने देख रहा है। साथियों, मैं उदाहरण के तौर पर बताना चाहूंगा अभी कुछ दिनो आप सभी ने कोरोना काल के समय में जो दंश झेला है, ऑक्सीजन के बिना तो तड़प तड़प करके मेरे ही कई साथियों ने ऑक्सीजन के बिना अपने जान अपने जान को गंवा बैठे तो प्रकृति का पर्यावरण के साथ जो छेड़खानी हो रहा है या होने वाला है तो यदि पर्यावरण या प्रकृति हमारे साथ यदि छेड़खानी किया तो हम लोग कहाँ जाएंगे इस पहलू पर भी इन लोगों को विचार करने की जरूरत है। ये बहुत बड़ा वैज्ञानिक सोच या हमारे बुद्धिजीव यहाँ पर जो बैठे हुए हैं काफी समझदार लोग और बुद्धिजीवी हमारे बहुत ही शुभचिंतक और अच्छे अच्छे विचार रखने वाले उपस्थित हैं तो जरा सा इस पर्यावरण और प्रकृति के साथ भी विचार करने की आवश्यकता है। यदि प्राकृतिक और पर्यावरण को अगर प्रशासन यदि सरकार की कोई योजना है उसको कट्रोल कर लेती है तो इस प्रकार की काम जायज है, अन्यथा दोनों पहलू पर विचार करते हुए काम तो करना चाहिए। हम इसका समर्थन करते हैं। आप सभी ने काफी समय से जो अच्छे पढ़े लिखे व्यक्ति हैं, जो गांव की जो अनपढ़ लोग भी हैं, सभी ने अपना बारी बारी से विचार रखा है। इस बार मैं चाहूंगा कि वैज्ञानिक के शोध या विचार के अनुसार इस पर निर्णय होना चाहिए। हम उसका समर्थन करते हैं। एक पक्ष के विकास के साथ दूसरा पक्ष विनाश हो इसके साथ हम जो हैं तो कहते भाई तैयार नहीं हैं, तो साथियों आप सभी ने काफी समय से सबका बारी बारी से विचार सुना है, इसलिए ज्यादा ना बोलते हुए इस पर विचार करने की जरूरत है और आगे काम करने की आवश्यकता है इस पर मैं अपना सहमति और सहयोग प्रदान करता हूँ। जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़ धन्यवाद।
49	अजय सिंह, गोंडवाना	चिरमिरी	आज इस मंच में कितने लोग पधारे हैं सभी को मैं सादर जोहर करता हूँ और हम अपना जो कोयला खदान की बात हो रही है वो सारा चीज होना

8

444

	गणतंत्र पार्टी जिला महामंत्री		चाहिए या नहीं होना चाहिए ये तो हमारे देश का जो भारत जो संविधान है उसके आधार पे होना चाहिए वो पेशा कानून लागू है उसके आधार पे इसके उस कानून के दायरे में होना चाहिए जैसे सरगुजा संभाग जो है आदिवासी ट्राइबल क्षेत्र में पेशा कानून लागू है। हाँ, उस पेशा कानून में लिखा गया है कि उस क्षेत्र में सरकारी हो या प्राइवेट हो कोई भी कंपनी खुले आदिवासियों का 90 परसेंट वहाँ नौकरी लगना चाहिए 10 परसेंट जो है तो बाहरी लोगों रखना चाहिए। ये उस संविधान में अंकित है ये होना चाहिए क्योंकि हमारे आदिवासी भाइयों को दरकिनार किया जाता है और पढ़े लिखे पैसे पूंजीपति वालों को मान सम्मान दिया जाता है ऐसा न होना चाहिए। आप सभी लोग जो इस मंच में अधिकारी, कर्मचारी जो बैठे हुए हैं वो पढ़े लिखे मेरे को लगते हैं और काम क्या करते है तो हमें बताता है सर और 40 साल पहले जब हम लोग बच्चे रहे इसी जगह में कोई रोड नहीं था, कोई बिजली नहीं था, कोई हॉस्पिटल भी नहीं था गांव में, लेकिन हमारे पुरखों ने हम लोगों ने जिन्दास्त थे किसके वजह से इस पर्यावरण और इस जल जंगल जमीन के वजह से आज, आज भी यहाँ जो काम हो रहा है बताने की आज बड़े बड़े फैक्टरी खुल रही है बड़े बड़े कोल माइन्स में ये जानना चाहता हूँ की कोयला अगर खुलेगा कोयला खा कर तो कोई जिंदा नहीं रहेगा खायेगा तो अनाज ही ना खायेगा बड़े बड़े शहर सिटियों में जब कुर्सी की फैक्टरी होती है बाइक की फैक्टरी होती है, सोना चांदियों की फैक्टरी होती है। ये सब चीज खाये जाती है लेकिन इसके पीछे सभी लोगों का नजर वही रहता है जिस चीज को कमाने वाले हम जिनके बेटा है जो अनाज कमाने वाले का है उस अनाज कमाने वालों को इज्जत नहीं किया जाता है। किसान भाइयों को किनारे किया जाता है इस चीज से मेरे को बहुत दुःख होता है ज्यादा समय ना ले करके मैं अपने वाणी को यही विराम देता हूँ। जय शक्ति।
50	सतेन्द्र समुदे	निवासी छोटी बाजार चिरमिरी	सभी को परनाम माता और बहनों को, मैं ये बोल सकता हूँ कि ये आज 200, 250 में किसी का रोजगार नहीं चलता है, न अपने बाल बच्चों को पाल सकता है न कुछ नहीं। आज हमारे एरिया में किसी का 50 लोग हस्तक्षेप कर रहे हैं या कुछ भी कर रहे हैं सभी के पास में 50 एकड़ जमीन नहीं है 100 एकड़ जमीन नहीं है सभी आज बेरोजगार है आज जिनके पास 50 एकड़ जमीन है, ये 100 एकड़ जमीन है 30 एकड़ जमीन है या 10 एकड़ जमीन है, मैं सीधी बात करूँगा मै ज्यादा बात नहीं करूँगा। दो शब्दों में बात करूँगा, मेरे को ये चीज चाहिए की कुछ किनके पास जमीन है, वो हस्तक्षेप करे या कुछ करे ये अगर कोल माईंस खुलती है तो रोजगार सब को मिलेगा आज यह चीज बोलता हूँ तुम्हारे बच्चे अच्छे शिक्षा पाएंगे तुमको रोजगार मिलेगा और अच्छी चीज होगी आज तुम्हारे बच्चे अच्छे पढ़ाई लिखाई करेंगे आज तुमको हर चीज का व्यवस्था मिलना मगर जिसके पास में जमीन है, जायदाद है, हर चीज है वो व्यक्ति विरोध कर सकता है जिसके पास कुछ नहीं है, वो क्या करेगा, वो अपने बाल बच्चों के लिए कुछ नहीं कर पायेगा उसको रोजगार मिलना चाहिए। आज किसी के यहाँ वो जा रहे है, मजदूरी कर रहे है या कुछ भी करे, आज उनको भविष्य उनको मिल रहा है क्या नहीं मिल रहा उसको ये तो बिलकुल भी नहीं मिलेंगे मेरी वाणी को गलत मत समझिए आज रोजगार अगर किसी तुम्हारे द्वार में चल के आया है, उसका लाभ उठाइए आज तुम्हारे बच्चों के भविष्य आज तुम अपने बच्चों को पढाने से लिखा पा रहे हो ना, कुछ नहीं कर पा रहे हो मेरा कहने का मतलब यह चीज है कि जिसके पास 50 एकड़ जमीन है, 100 एकड़ जमीन है, वो तुमसे मजदूरी करवा रहे है, मजदूरी करवा के तुम्हारा शोषण कर रहें है आज तुम्हारे दुआरे में आज तुम अपने बच्चे के भविष्य बना सकते हो। सब के पास में

			100 एकड़ 50 एकड़ 10 एकड़ जमीन सब के पास में नहीं है। सो की सीधी बात कर रहा हूँ जो तुम्हारे यहाँ बंधुआ मजदूरी बनके कर रहे है आज तुम्हारा जो भी है तुम अपनी भविष्य को खुद सुधारना पड़ेगा, तुम्हारे बच्चों के भविष्य को सुधारना पड़ेगा, आज किसी को सौ–पचास रूपये में बिक जाना, ये गलत बात है। तुम अपनी भविष्य को देखो, क्या तुम्हारी भविष्य है तुम्हारे बाल बच्चे का भविष्य है, उसको देखो आज बंधुआ मजदूर न बनो। अंग्रेज जमाने का शासन जो था वो बंधुआ मजदूर को कोड़े से मारते थे। आज वही शासन लागू होने जा रहा है या कुछ भी हो रहा वो जो शोषण सब की हो रही है, आज पैसे वाले लोग कुछ भी कर रहे है, कैसे भी कर रहे है अगर हम बड़ के आपके पास रोजगार आ रहा है, उसका लाभ उठाइए। वहाँ पर किसी का भिड़काव में मत आइये कही पर किसी चीज की मतलब कोई भिड़का रहा है, कुछ पैसा दे रहा है, कुछ दे रहा है उनके बहकावे मत आइये तुम्हारा भविष्य बनना है जिस जगह में वो भविष्य को देखिए, अपने को मत देखिए, हम तो जिंदगी भर मेहनत किए, रोजगारी किए, ठेकेदारी किए हम हमको कितना हमको परेशान किया गया। हर कोई दबाया गया, हमको पच्चीस रूपये रोजी से काम कर रहा हूँ, छठवीं छोड़ के मैं मैं बहुत मेहनत किया मगर आज मेरा मेरे बच्चों को मैं मेहनत करके कॉलेज पहुंचाया हूँ मैं मगर वो पैसा हमको नहीं मिला की हमको अपने बच्चों का भविष्य बना सकें। आप सोचिए आप लोग गांव में रहते हो, जंगल में रहते हो, अपने बच्चों को भविष्य बना सकते हो, आप आज कितना पढ़ाई में कितना पैसा खर्च हो रहा है कहाँ पर उस चीज की बात करिये ना, किसी का भिड़काव में मत आइये, आप तो दुआर में चल के आया रोजगार उसको देखिये कोमेंड कोमेंड से जो चीज है उसको सोचिये तुम्हारे यहाँ रोजगार आ के आ रह है, चल के रहा है उसको देखिये भारत माता की जय। अपनी वाणी को विराम देता हूं। सच्चाई बोल रहा हूँ, गलत बोल रहा हूँ तो बोल सकते हो।
51	अहमद अंसारी	निवासी चिरमिरी	यहाँ पर बैठे सभी को मेरी ओर से नमस्कार। मेरा नाम अहमद अंसारी है और मैं चिरमिरी का निवासी हूँ और मैं अंजन हिल कोल माइंस जो के ओपेन कास्ट के रूप में खोला जा रहा है। मैं इस माइन को खोलने से मेरी तरफ से पूर्ण रूप से सहमत हूँ। इसलिए के ये जो माइन खोला जा रहा है, बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा और बेरोजगार अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पाएगा और अपना घर परिवार अच्छे से चला पाएगा। धन्यवाद
52	शनि जयसवाल	चिरमिरी	ये खुलना चाहिए जरूरी है आदमी लोगों को रोजगार मिले। जय हिन्द जय भारत।
53	राजा	निवासी चिरमिरी	जो माइन्स खुलने वाला है इससे सहमत हूं।
54	.....		आज इस मंच पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारी गण, एसईसीएल के अधिकारी सम्मानीय सभापति एवं सभी गांव के वरिष्ठ बुजुर्ग लोग। आज बहुत से लोग बहुत बहुत बात बोल रहे है की माइंस खुलेगा तो यहाँ पर धुल उड़ेगा। गांव के लोग कहा जाएंगे, ऐसा नहीं है की धुल उड़ेगा तो उसका उपाय नहीं है, उसका उपाय है। धुल उड़ेगा और उसका पानी का छिड़काव होगा और बोल रहा है की ये पेड़ कट जाएगा तो हम लोग क्या करेंगे आप लोग ओपेन कास्ट में आइये चिरमिरी ओपेन कास्ट में और ये देखिये जितना लगभग एरिया का कोयला निकाला जाता है कहीं उससे ज्यादा उसी जगह पर कुछ दिन के बाद पुराना लाखों, लाखों पेड़ पौधे हर करके लगा दिया जाता है। आप लोग प्रशासन से ये निवेदन कीजिए की जो हमारा पेड़ है उसी पेड़ प्रजाति को लगाया जाए। अब ये बोल रहे है कि पेड़ कहाँ लगाएंगे, पहले कोयला निकालने दीजिए, जगह खाली होगा

446

			उस जगह पर फिर कोयला निकाल दिया जाएगा। आप लोग बारबार बोल रहे हैं, इंडस्ट्री आ रही है, आपके यहाँ शादी होता है, छोटा किया होता है, छोटा आदमी निमंत्रण करता है, बड़े किया होता है, बड़ा निमंत्रण होता है। ये बड़ी इंडस्ट्री आई है। काफी लोगों को रोजगार मिलेगा, ये दिमाग से आप निकाल दीजिए। रोजगार मिलेगा पर इंतजार तो कीजिये सब लोग बड़े बड़े लोग आये है तो ऐसा नहीं की ऐसे चले जाएंगे। उनका भी कुछ एक्सपीरियंस है। आप देखिये पहले हमारे घर में क्या था, आज घर में क्या है आपका लडका नौकरी करेगा यहाँ पर विकास होगा, आप भी अच्छे से रहेंगे। पहले देखिए की आप मोबाइल नहीं चालते रहे अभी देखिए सभी माताओं के पास मोबइल है तो कहाँ से आइए सर इसलिए इस इंडस्ट्री को मत जाने दीजिए। ये चिरमिरी के लिए बहुत बडा सौभाग्य की बात है और बहुत दिनों के बाद ये इंडस्ट्री आई हैं। हो सकता है की आप लोग ऐसा क्यों बोल रहे है की मत करो, मत करो, इंडस्ट्री चले जाएगी, आप लोग क्या करेंगे अभी कुछ लोग बोल रहे थे की हम पेड से दातून ले जाकर बेचते हैं। जब इंडस्ट्री नहीं रहेंगी, लोग यहाँ नहीं रहेंगे तो क्या बेचेंगे गांव के लोग आप यहाँ का सब्जी बेचते हैं, किसको सब्जी बेचेंगे जब यहाँ पर लोग रहेंगे तब ना, तो आप लोग खुले मन से इस इंडस्ट्री का स्वागत कीजिए, ज्यादा का नहीं बोलुंगा। जय हिन्द जय भारत।
55	बलदेव दास,	निवासी गोदरी पारा वार्ड क्र.31 पूर्व पार्षद	बलदेव दास गोदरीपारा वार्ड क्रमांक 31 क निवासी हूँ, पूर्व पार्षद नगर निगम मे रहा हूं। आज कोयला खदान की स्थापना में जो पर्यावरण स्वीकृति पर जो लोक सुनवाई होवै थे, गांव ले शहर ले और जितना अधिकारी हावें आये है सबोला जय जोहर करत हो साहब बंदगी करत हो। ग्रामीण भाई मन जो आय के कहत हैं कि इतना जुहार ले चिरमिरी वाले मन चिरमिरी चिरमिरी चिरमिरी करत हैं। तो चिरमिरी दार मन तो चिरमिरी के बात करबे करहीं और तुमन जो ग्रामीण भाई है तो तुम ग्रामीण के बात करिहा, लेकिन मैं तुमल बतात हो कि चिरमिरी में मैं रहथ हों लेकिन पूरा दिल जो है यहां गांव में रहत है। चिरमिरी यदि शरीर है तो धडकन गांव है चिरमिरी मैं एक बार कहत हूँ की जब मोर वोटर आइडी बनीस तो गोदरीपारा के जगह ओखर नीचे ग्राम भुकभुकी लिखत रहिस तो पहले तो ग्रामीण मन का प्राथमिकता हवै बोले कर, कहे कर अधिकार मांगे कर। भाई सब यहाँ कहत हैं कि अंजनी हिल खुलत है, हमन खुलै नही देयब, अंजनी हिल तो खुल गई, वहाँ आगी लग गई रहिस। वो जो शहीद हो गईन जो सिराय गईन ओ ला मैं नमन करत हो, लेकिन भाई मन तुमन चटीक कुछ जो बुद्धिजीवी हाँ, जो सियान हाँ, एसईसीएल अधिकारी मनठे जाए के चटिक बैठा और जाना कि आगी लग गईस है तो ओकर बाद पहाड में जो दरार आ गईस है वो आज नहीं जैसे कि हमर दाई दाउमन हमर चिंता करिन तो हमन भी अपन लडकन मन के चिंता करि काबर मैं बोलथ हों कि आग लगिस है आज यदि ओमा हमन सब मिलके नहीं सोचब तो भले ठीक है वो उत्खनन काल नहीं हुई, कंपनी वापस चल दही। एसईसीएल कुछ नहीं करी लेकिन तुमन सोचब ध्यान से कि आज नहीं तो कल अंदर आग लगिस है वो आगी लगिस है पूरा धीरे धीरे फैलै ही है और जाके बैठ जाही वो घरी कैसे करिहा। राष्ट्र का संपत्ति है और राष्ट्र में जो भी शासन प्रशासन हमन का तो चिंता लगवे करही कि जो राष्ट्र का संपत्ति है आगी लगही से समय से पहले ओला निकाल लेई बचाए रही, जेमै देश के निर्माण में जो भी आर्थिक लाभ होई ओला करब ये सोचेक पडत है भाई मन मैं ये नही कहत हो कि मैं तुमन के साथ नहीं हूँ। तो पहले तो ये चिरमिरी जब अर्जुन देव शासक रहिन, जब रियासत रही तो केवल तीन गांव रहिस इस चिरमिरी में हल्दीबाडी और ये भुकभुकी, चिरमिरी, बडा बाजार गोदरीपारा, बडा बाजार रहित और बरतुंगा रहित तीन

8

447

			गांव के नाम से बड़े बड़े गांव रहिन एकर नाम से जानल जात रहित। मैं तुम्हारे साथ हूँ लेकिन ऐला भाई बहन तुम्ही सोचन पड़हीं आज यदि हम एकर खुलै का समर्थन नहीं करत ही, नहीं करत हो ठीक है लेकिन मैं फिर से बतात हूँ कि पूरा अंदर में आग लगिस है अब आने वाला 10 साल, 20 साल, 30 साल बाद वो आग ना फैलत जाही और बैठ जाही, ओ घरी तो नुकसान होवै न करही। तो ये मन हमारल सोच के बैठ के साहब मन के चिंता करके जरूरत है, ये सोचना जरूरी है आज यदि खुलत है तो ऐसा नहीं कि एसईसीएल जो है तो तुमन के जमीन में हाथ डाल दे ही मैं जहाँ तक जानत हों, एसईसीएल का जो लीज हवे वहीं तक उमन काम करि तुमन का जमीन तुमन के गांव नहीं आते है तुमन का जो सियानी है, वो जो सियान है, सरपंच है ओला जाए की अधिकारी मन को पूछे और यदि ओकर अलावा तुमन का जल जमीन जगीन में या तुमन का खेत बाड़ी में हाथ डालत है तो मैं तुहर साथ रहा हूँ लेकिन येला समझ जा भैया ये आईस ये उद्योग लगे का बात है। कोयला निकालने का बात है तो इन्हें यदि चिरमिरी बाचे रही तो ऐसा नहीं है की वहाँ व्यापार बड़ी तो ये व्यापार तुहर से नहीं हुई ये वहाँ से भी यहाँ का व्यापार निर्भर होवे यहाँ ले वहाँ बेचे जाथा वहाँ ले इते आथे तो ये सब हमल बैठ के शहर चिरमिरी और आठ गांव के लोग बैठ के सोचे व पड़ही कि येला खोलना है और खोलें से का लाभ है खाली ककरों भड़कायें में मत आवा। मैं फिर से कहत हो य जो एसईसीएल ये कोयला उत्खनन काम हुई, वो कर अपन एरिया मे हुई तुंहर जमीन में तुंहर गांव तरफ जरा भी नहीं आई यदि खुलत है और पर्यावरण में माने प्रदूषण फैलत है तो चिरमिरी में प्रदूषण फैलत है, लेकिन ओला रोके कर कोयला का पानी छींचत है शहर में पानी छींचत हैं, ओला रोकथाम करत है यदि खोल ही तो ऐसा नही है कि तुमन आहत होइहा। रोकथाम नहीं हुई तो मैं ऐ चाहत हूँ की मैं तुमन साथ दिया, सोचा अच्छे से कोउ के बरगलाय में न आवा और बात होत हे की पेपर मे छपिस है 2500 कर्मचारी लगहि ओमे और मैं कहत हूं कि 25 का 5000 को ना हुई 5000 होना चाहिए की नही होना चाहिए। गांव और शहर मिला के संख्या बढ़ाना चाहिए ये सब बात हवे मोर और इतना में यदि कोई मोर से भूल चूक हुई तो क्षमा करिहा। जय हिन्द जय चिरमिरी जय भारत।
56	मुकेश,	निवासी चिरमिरी	हेलो मैं मुकेश चिरमिरी से आया हुआ हूँ, नगर पालिका निगम चिरमिरी का मैं पूर्व पार्षद वार्ड क्रमांक 11 का हूँ। यहाँ लोक सुनवाई का आज यहाँ कार्यक्रम रखा गया था उस बीच में मैं सभी वक्ताओं का वक्त सुना सभी कोई ये बोल रहे हैं की कोई खुले, कोई ना खुले मैं जिस समाज से आता हूँ आदिवासी के बाद अगर कोई यहाँ समाज है इस क्षेत्र में तो ओबीसी का समाज है, मैं उस पनिका समाज से आता हूँ। मैं अपना वक्त अभी सरगुजिया में देना चाहूंगा। मैं इधर भुकभुकी का जितना भी गांव है, अगल बगल में मैं ओमन से आए हमर दादा, भौजी, काकी, मामी मन के सब मन परनाम करत हूँ और मैं ये बात ल बतात हो कि चिरमिरी का हूँ लेकिन मैं एक सरगुजिया भाई भी हूँ। मैं सरगुजिया में उनका भी दर्द ल समझत हूँ। मैं इस मंच के माध्यम से जो अधिकारी हैं, मैं उनसे पूछना भी चाहूंगा कि जितना अधिकार जब ओपेन कास्ट मान लीजिए खुल रहा है जितना अधिकार चिरमिरी वासियों को भी मिलेगा उतनि अधिकार इस गांव के जो हमारे बड़े भाई हैं, छोटे भाई हैं, वो सभी को देना चाहिए और इस खुले उसके लिए जैसे आप लोगों का मंशा रहेगा आप लोगों का जो बाकी वक्ता लोग बोले थे की लिखित रूप में होगा। मै चाहता हूँ, कि गांव वाले लोगों को बहुत लोग ऐसे लोग होंगे जो अभी यहाँ वक्त दिए हैं, जो पिछले मतलब चिरमिरी में रहकर एसईसीएल में काम करके आज एसईसीएल का बुराई कर रहे हैं। मैं ऐसे लोग से गांव वाले मनके, दादा व भौजी मनके में

			बताना चाहूँ की, ओगन से बचे और सही निर्णय ले की चिरमिरी खुली तो यहाँ भी यहाँ का भी आदमी मन का यहाँ का भी बच्चा मन का रोजगार मिली। मैं ओपेन कास्ट खुलत हे वो कर लिए मैं समर्थन दिया था मोर मोर टीम के भी ओर से मैं समर्थन दिया था। जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़, जय चिरमिरी
57	लक्ष्मी प्रसाद	निवासी गोदरीपारा चिरमिरी	मेरा नाम लक्ष्मी प्रसाद चिरमिरी गोदरीपारा एसईसीएल में कर्मचारी हूँ चिरमिरी ओसीएम मे ऑपरेटर पद पर हूँ और ऑपरेटर एसोसिएशन का अध्यक्ष भी हूँ तो इस मंच मे आज लोक जनसुनवाई में पहली बार मेरे को ऐसा मौका मिला है और आदरणीय हमारे जिला के मुखिया महोदय कलेक्टर जी आदरणीय हमारे एसईसीएल के सभी पदाधिकारीगण और हमारे राजस्व के सभी अधिकारीगण और हमारे माता बहनों और हमारे यहाँ आए हुए भाईजनों आप सभी को मेरा नमस्कार। निश्चित ही चिरमिरी और ये खड़गवां और यहाँ से गांव भुकभुकी, दुधचोला ये ग्राम पंचायत हम भी गुदरीपारा भुकभुकी ग्राम पंचायत में आया करते थे। निश्चित ही इस देश का डिजिटल इंडिया जब बना तो कोल इंडिया का ये कहीं बहुत बड़ा योगदान रहा है। हमारे कोल इंडिया का योगदान डिजिटल इंडिया के लिए रहा है, जिससे आप सभी का विकास हुआ है। कहीं ना कहीं बढ़ने में, शिक्षा में, हर चीजों में हमें आज एक अधिकार मिला है, देखा जाए भुकभुकी और चिरमिरी गुदरीपारा बहुत ज्यादा दूरी नहीं था फिर भी यहाँ सड़कें नहीं थी, यहाँ पर बिजली नहीं थी लेकिन कोल इंडिया के खुलने पर चिरमिरी एसईसीएल खुलने पर निश्चित ही 15 किलोमीटर की दूरी तक विकास की गई है जहाँ पर अपने बच्चों को अच्छा शिक्षा अच्छा रोजगार और अच्छी सारी सुविधाओं के साथ आप सभी लोगों ने चिरमिरी वासियों को कहीं न कहीं सब्जी हुआ, अनाज हुआ हम सभी तक आप लोगों ने पहुंचाया है गांववासियों ने उसके लिए आप सभी को बहुत बहुत धन्यवाद और आप सभी का आभार मैं व्यक्त करता हूँ और ये जनहित की बात है आप ये समझ लीजिये एक कर्मचारी यहाँ काम करता है तो आपके पीछे 10 कर्मचारी आपसे आश्रित रहता है। गांव से लेकर शहर तक तो मैं निवेदन करूँगा की इसमें आप सभी अपना समर्थन बनाएं और समर्थन देने की कृपा करें। क्योंकि एक समय ऐसा था सन् 1973 के करीब भुखमरी आया था। भुखमरी का कहना चाहिए पानी नहीं गिरने पर यहाँ का खेती ही नहीं हुआ। खेती अनाज नहीं उगे लोगों को अनाज के लिए 15-15 किलोमीटर 100-100 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था कमाने के लिए घर में धान नहीं था, चावल किसी के घर से मिल जाए थोड़ा सा तो धान के साथ साथ भी और यहाँ पर अनाज भुट्टा के साथ-साथ मिलाकर खाया जाता था आज वहाँ से आज विकास किया। आज ऐसा कोई भी आदमी नहीं है जो अनाज जिसके घर में न हो और आज हर आदमी अपने अपने जगह पर खुशहाल जीवन जी रहे है। अब गांव से लेकर शहर तक आज देखिये शहर के आज गांव के बच्चे कहीं ना कहीं अच्छे विकास कर रहे हैं, कहीं ना कहीं अधिकारीगण वही बन रहे हैं कहीं ना कहीं उनकी जो सोच है प्रेम है वो सबके लिए है हम शहर के लोग हैं, हम आपसे, हम भी आपसे जुड़े हुए लोग हैं कहीं ना कहीं। आज ये अंजनि हिल ऐसा नहीं है अंजनि हिल तो पहले भी खुल चुका था, अंजनि हिल पहले भी खुल चुका था अंजनि हिल आज सिर्फ उसको एक नई दिशा देने जा रही है जो नई बेरोजगारों को देने जा रही है। यहाँ तक कि वहाँ पर शिक्षिका शिक्षक है, उनको भी वहाँ पर तो जगह दी जाती है और अनपढ़ है, उनको भी वहा पर जगह दी जाती है क्योंकि अनपढ़ो को भी वहाँ पर रोजगार दी जाती है। अपने घर चलाने के लिए उनको एक छोटी सी रोजगार मिलती है तो मैं चाहूंगा आप सभी देशवासियों अपने यहाँ के इस क्षेत्र के वासियों से

			निवेदन करूँगा की अंजलि हिल पर अपना समर्थन बनाए रखें और अंजलि हिल पर किसी विषय का चर्चा या उग्र टाइप का कोई बात ना करें। कृपया आप सभी से मेरा निवेदन है। मैं इतनी कहते हुए अपनी वाणी को यहीं पर विराम देता हूँ। धन्यवाद।
58	प्रीति सिंह,	ग्राम पंचायत दूबछोला	हैलो, मेरा नाम है प्रीति सिंह, मैं ग्राम पंचायत दूबछोला से बोल रही हूँ जनसुनवाई उपस्थित में आप सभी अधिकारियों को अभिनंदन करती हूँ। की हमारे ग्राम पंचायत छोला में सिलाई की मशीन दिया गया है, दिया जा रहा है, स्कूलों में बैग दिया जा रहा है और वाटर कूलर भी दिया जा रहा है। हम और हमारे यहाँ बेरोजगार रोजगारों को रोजगार दिया जाए। धन्यवाद रोजगार दिया जाए धन्यवाद
59	ज्योति,	निवासी दुबछोला	मेरा नाम ज्योति है और मैं ग्राम दुबछोला से हूं। हमारे में अभी महिलाओं को मशीन सिखाया जा रहा है मशीन बांटा जाएगा। वो कुछ महिलाएं ऐसे है जो नहीं आ पा रहे उपस्थित नहीं हो पा रहे हैं तो हमारे गांव में महिलाओं झगड़े या फिर कोई विवाद उठाया जा रहा है। तो अंजन हिल माइंस जो भी आ रहा है तो हम जाने दे जो सभी को फायदा मिले कोई छूटे ना महिला। सभी को मैं धन्यवाद देती हू।
60	हसीना	निवासी दुबछोला	मेरा नाम हसीना है सिलाई सिखाती हूँ और मेरे जो सिलाई सीखता है सिलाई भी मिलेगा। जब कंपनी आने से हम लोग को कोई परेशानी नहीं है। मतलब हम लोगों को रोजगार चाहिए। हमारे बच्चा लोग को भी रोजगार चाहिए।
61	शब्बीर अहमद	बरतुंगा	अंजन हिल माइन खुलने का समर्थन करता हूं।
62	हीरालाल डोगरे	बरतुंगा	अंजन हिल माइंस खुलने का समर्थन करता हूँ
63	सुमित खुटे	बरतुंगा	अंजन हिल माइंस खुलने का समर्थन करता हूँ
64	गणेश कुमार	मुकुंदपुर	हमारे इस लोक सुनवाई के सभापति को अभिनन्दन स्वागत है और सभी आये हुए हमारे अधिकारी, कर्मचारीगण एवं पुलिस प्रशासन सभी को स्वागत अभिनन्दन करते हैं। भैया रोजगार का परलोभन, कंबल का परलोभन और सिलाई मशीन का पररलोभन दे के ये कंपनी हमारी इस जल जंगल जमीन को उजाड़ने वाली है और हम चाहते हैं कि ये जल, जंगल, जमीन उजड़ेगी वातावरण पर बहुत प्रभाव पड़ेगा, जिससे कुछ दिन बाद बहुत खुशी तक हाँ संभालना होगा और हमारे बरसा भी हवा भी नहीं आएगी, जिसे जल जंगल कट जाएगा तो और ये परलोभन जैसे कंपनी खोल रही है, उजाड़ने का काम कर रही है। हम चाहते हैं कि यह ना उजड़े और इससे जो इस इस जंगल से जो इस जंगल से जो जीविका चला रहे हैं, अपने जैसे छोटी जनजाति है बैगा आदि, पंडो जो मुखारी पत्ता और लकड़ी बेच के अपना जीवन यापन कर रहे है वो कहाँ जाएगे मैं इतने कहकर अपने वाणी को विराम देता हूँ। नाम गणेश कुमार मुकुंदपुर गांव का हूँ। धन्यवाद।
65	रामनरेश राय, महापौर,	चिरमिरी	आज इस भुकभुकी ग्राम में आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित सभी मंचासीन अतिथिगण, मीडिया के लोग, उपस्थित जनसुनवाई मे आए हुए चिरमिरी के देवकुल जनता साथ ही इस ग्राम सभा में आयोजित ग्रामीण अंचल के सभी देवदल माता और बहनो मेरा नाम रामनरेश राय है और मै चिरमिरी का प्रथम नागरिक के साथ–साथ अपना दायित्व निभाने के लिए यहाँ उपस्थित हुआ हूँ। आज जिस, अंजनी हिल माइंस को लेकर के यहाँ पर जनसुनवाई की जा रही है। उसके लिए सर्वप्रथम तो मै एसईसीएल के

8

450

मुख्य महाप्रबंधक परम् सम्मानीय अशोक सिंह साहब का धन्यवाद देना चाहूंगा कि उनकी अथक प्रयास और उनकी पहल से ये अंजनी हिल माइंस आज पुनः संचालित होने जा रही है क्योंकि आज यहाँ पर जनसुनवाई के दौरान जिस प्रकार के वक्तव्य अलग अलग लोगों के द्वारा व्यक्त की गई है मैं उसके बारे में अपने इन ग्रामीण अंचल के सभी माताओं और बहनों को ये बताना चाहूंगा, क्योंकि अंजनी हिल माइंस कोई नई माइंस नहीं है, वो माइंस ऑलरेडी पहले से खोली जा चुकी है, लेकिन दुर्भाग्य है कि 2010 में एक प्राकृतिक हादसा होने की वजह से वो माइंस रोक दी गई है और उस माईंस के अंदर गैस का रिसाव आज भी भरा हुआ है। यदि ओपेन कास्ट माइंस को नहीं चलाया जाता है तो आज नहीं कल उसमें कोई भी बड़ा हादसा हो जाएगा। जिसका यदि आप लोगों को यकीन नहीं है तो आप लोग जाकर उन पहाड़ियों को देखिए उन पहाड़ियों में हल्का सा दरार आया हुआ है। यदि ऐसा नहीं किया जाता टेक्निकल ड्राफ्ट से अंडरग्राउंड माइन नहीं खोला जा सकता। इसलिए क्योंकि उसके अंदर गैस का रिसाव आज भी भरा हुआ है और उसी गैस के रिसाव के कारण वो उतनी बड़ी हादसा हुई थी, जिसमे हमारे चिरमिरी के श्रमजीवी संगठन के पदाधिकारी और श्रमिक उस हादसे में दुर्घटना में उनकी मृत्यु हुई। प्रबंधक ऐसी कोई आपदा फिर से दोहराना नहीं चाहती है कि फिर वैसी ही 2010 की घटना फिर से पुनरावृत्ति की जा सके। इसलिए मैं अपने उन ग्रामीण अंचल के माता बहनों को यही आश्वासन देना चाहूंगा कि माइंस खुलने से आपका किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो रहा है। आज की जनसुनवाई बिल्कुल विधि सम्मत है इसमें पहले एक वक्ता ने गलत सूचना दे दी और उस कार्यक्रम को अवैध बताया जो कि यह पूरी तरह से गलत है। मैं उसका खंडन इसलिए करना चाहता हूँ चूंकी यह शासन की ओर से पूरी तरह से सुनियोजित कार्यक्रम है और शासन की ओर से यह जनसुनवाई कराया गया है और जनसुनवाई का मतलब यह नहीं होता है कि आपकी उन बातों को आपके जो विचार है उसको यह प्रशासन नहीं सुनेगी। आपके विचार आपके जो मन में व्यथा आ रही है उसको सुनने के लिए प्रशासन ने जन सुनवाई का कार्यक्रम रखा है। आप अपनी उन बातों को निर्भिकता के साथ रखें, आप अपनी समस्याओं से, विधि रूप में यहाँ पर कहें। उसी के तहत ये कार्यक्रम आयोजित की गई है और रही बात एसईसीएल की तो एसईसीएल प्रबंधक निश्चित ही कोयले का दोहन करती है, लेकिन उस दोहन के प्रतिफल के रूप में सीआरएस मद और डीएमए फंड के माध्यम से आपके क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में विकास कार्य भी करती है। शायद आप लोगों को यह नहीं मालूम होगा कि इस डीएमएफ फण्ड से अभी खड़गवा में दो से ढाई करोड़ रूपये का काम संचालित किया जा रहा है। इसको कलेक्टर साहब ने स्वीकृति दी है और चिरमिरी को भी डेढ़ से दो करोड़ रूपय डीएमएफ फण्ड से विकास कार्य के नाम बिल दिया गया है। तो मैं निश्चित ही आप लोगों से यही कहूंगा की आज की जो है जन सुनवाई है वो चिरमिरी के हित में है, मै इस हित में इसलिए कहूंगा की मेरी जो पैदाइश है वो चिरमिरी के गेला पानी में हुई है मेरी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा जो है वो गेला पानी में शुरू हुई है मेरे फादर जो थे वो एसईसीएल में अपनी पूरी जिन्दगी बिता दिए और 2000 में वो रिटायर होकर के ईश्वर को प्यारे हो गए। साथ ही साथ मेरी तीन पीढ़ी मेरे चाचा, मेरे भाई और मेरे से जीतने भी बड़े भाई है उन्होंने अपनी सेवाएं एसईसीएल में दिया है और एसईसीएल के बतौर कर्मचारी थे। मैं अपने पिताजी की बात करता हूँ जब मेरा बड़ा बेटा हुआ था तो उन्होंने यह कहा था कि तुम अपने बेटे को माइनिंग से बीई कराना और आप लोग के आशीर्वाद से मैं यह बताना

8

			चाहूंगा कि आज मेरा बड़ा बेटा भी बीई किया हुआ है, वह भी माइनिंग से तो उस समय खदानों में काम करने का जो क्रेज था उस वजह से हमारे फादर ने उनको बीई कराने का प्रलोभन दिया और मैंने उसको बीई कराया। आज यदि माइंस खुलेगा तो मैं ये भी कहता हूँ की उसमें 2000 श्रमिक काम करेंगे या 5000 श्रमिक काम करेंगे, उसमें जीतने भी श्रमिक काम करेंगे तो उनका परिवार तो उनके ऊपर डिपेंड होगा यदि एक आदमी नौकरी करता है तो अपने पीछे अपना और अपने बच्चों का, अपनी बीवी का, इतने लोगों का तो ख्याल कर सकता है। मैं ये नहीं कहता की वो खदान खुलने से इसको फायदा होगा, उसको फायदा होगा, जो उस लायक होगा उसको निश्चित ही रोजगार उपलब्ध होगा। लेकिन साथ ही साथ मैं अपने प्रबंधक से यह कहूंगा कि हम प्रशासन से यह निवेदन करेंगे कि स्किल्ड और सेमी स्कील्ड के जो भी कर्मचारी आएँगे, मेरा आप लोगों से यह निवेदन है कि उसमें ग्रामीण अंचल के जो भी युवा आते हैं, उनको प्राथमिकता दें। अब जो भी काम यहाँ करने जा रहे हैं उसमें ग्रामीण अंचल के उन प्रतिनिधियों का जरूर सहमति ले और उनका सहभागिता जरूर निभाए ताकि ये जो उनके मन में एक अविश्वास की भावना पनप रही है, उससे उनको निजात मिल सके। मैं ग्रामीण क्षेत्र के पूर्ण युवाओं को भी कहना चाहूंगा जो बारहवीं दसवीं पास की है निश्चित ही उनके लिए भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, लेकिन उसके लिए हमें आपस में बैठकर के यह चर्चा करनी पड़ेगी। ऐसा नहीं है कि माइंस खुलने से ग्रामीण अंचल के लोगों को उसका लाभ नहीं मिलेगा। यदि चिरमिरी आज हमारा एक समय चिरमिरी में दो से ढाई लाख की आबादी दी। आज हमारा आबादी पचहत्तर से अस्सी हजार के आसपास रह गई है तो निश्चित ही यदि उस समय माइंस 11 हुआ करते थे, आज तीन माइंस चल रही है। यदि माइंस उस समय थे तो 45 से 50,000 की इन्कम प्रति व्यक्ति को मिलता था। तो आज दुकछोला से खड़गवां से भुकभुकी से लोग अपना व्यापार करने की चीज मिल जाते थे, निश्चित ही उसका लाभ उनको मिलता था। लेकिन धीरे-धीरे माइंस बंद होने की वजह से जो व्यापार जो है उसमें शिथिलता आई है। मैं अपने ग्रामीण क्षेत्र के सभी माताओं बहनों को ज्यादा समय ना लेते हुए क्योंकि मै चिरमिरी का हूँ निश्चित ही चिरमिरी से मेरी आस्था है और मैं चिरमिरी से जुड़ा हूँ और उसमें मेरा ये है कि चिरमिरी में यदि रोजगार खुलते हैं तो उसका लाभ आसपास के लोगों के साथ चिरमिरी के लोगों को भी मिलेगा। इसीलिए मैं पीठासीन अधिकारी को अपने अधीनस्थ सभी पार्षदों का समर्थन पत्र साथ ही साथ अधिवक्ता संघ चिरमिरी जो कि विभिन्न दूर-दराज के अधिवक्ता भी वहाँ काम करने जाते हैं और उनकी भी मंशा यही है कि चिरमिरी में माइंस खोला जाए और चिरमिरी के माइंस खोलने से उनका भी व्यापार और व्यवसाय में बढोत्तरी होगी। इसलिए मैं पीठासीन महोदय से इतना कहते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ और अपना और अपने 40 पार्षदों का समर्थन पत्र के साथ अधिवक्ता संघ चिरमिरी का भी समर्थन पत्र आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ जिसमें उन्होंने अपनी सहभागीदारी निश्चित की है किसी चिरमिरी में आपेन कास्ट माइंस खोला जाए। बहुत बहुत धन्यवाद।
66	गोपाल सिंह मरावी,	ग्राम पंचायत मेरो	मेरा नाम-गोपाल सिंह मरावी ग्राम पंचायत मेरो से, सभी लोगों को जय भीम। लोक सुनवाई में कुछ अपना बात रखना चाहता हूं। कहते हैं लोकसभा ना विधानसभा सबसे बड़ा ग्रामसभा तो मैं यहाँ जिसमें कर्मचारी, एसडीएम महोदय कलेक्टर महोदय से ये जानना चाहता हूँ कि ग्राम सभा ग्राम पंचायत में होता है या सरपंच के घर में अपने ग्राम पंचायत का प्रस्ताव के लिए सरपंच ग्राम पंचायत मेरो के घर में लोग प्रस्ताव के लिए बात करने जाते हैं ये कहाँ का नियम है ये संविधान में है कि सरपंच के

			घर में प्रस्ताव मानने जाएं। ग्रामसभा पंचायत में बैठक के माध्यम से होता है। हमने सुना है लेकिन लोगो को बरगलाने के लिए प्रलोभन देने के लिए सरपंचों के घर में जाकर पिकनिक के नाम पर हमारे गांव में ऐसे सुनने को मिलता है ग्राम पंचायतों में की पिकनिक के नाम पर वहाँ कुछ पंचों को बुलाकर सरपंचों को जानकर आदमी को बुलाकर समझाओ करके प्रस्ताव देव दिलाव करके एनओसी दिलाव करके ये कहाँ का नियम है. मैं ये जानना चाहता हूँ हम हर ग्राम सभा में उपस्थित होते है ग्राम सभा में ग्राम प्रस्ताव दिया जाता है की सरपंचों के घर में दिया जाता है। पहले सुना जाता था की मेरो, दुवछोला, आमाडांड, कदरेवा, मुकुंदपुर, भुकभुकी से प्रस्ताव की जरूरत है एनओसी की जरूरत है कुछ दिन बाद सुना जाता है की वहाँ का एनओसी की जरूरत नहीं है तो मैं ये कहना चाहता हूँ कि हम हमारा जो जंगल है उससे हम लोग लकड़ी काटते हैं। तेंदु, महुआ, चार, पत्ती तोड़ाई करते हैं, उससे हमारा का जीवन यापन चलता है किसान है। किसानी तो कुछ दिन के बाद ही चलता है। इसलिए हम लोग इसके विरोध में है। इतना कहकर अपना विराम
67	करीमुल्ला	निवासी चिरमिरी	करीमुल्ला चिरमिरी से सबसे पहले मैं यहाँ अतिथियों महोदयों का धन्यवाद करता हूँ और नमस्कार करता हूँ और साथ ही मोदी जी का भी बहुत बहुत मैं शुक्रगुजार हूँ कि उन्होंने खदानों को प्राइवेट किया जिससे रोजगार के अवसर खुले, उनका बहुत बहुत मैं शुक्रगुजार हूँ और साथ में ये भी कहना चाहता हूँ कि ये जो रोजगार खुलने का जो बात चल रहा है, कुछ लोग मेरे को बोले कि इसको विरोध करना है ना मेरे को दो चार लोग यहाँ पे बोले हैं तो मैं भाई मैं अपने विवेक से काम ले रहा हूँ और मैं ना उन लागों की बात को नजर अन्दाज करते हुए मैं अपना जो भी है समर्थन रख रहा हूँ की खदान खुलना चाहिए और से रोजगार मिलेगा लोगों का सबका भला होगा और अगर किसी परसन व्यक्ति को क्षति होता है तो मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि उसको दो करोड़ रूपये दिया जाए और समय के हिसाब से दो करोड रूपये वही आने वाले समय में कुछ नहीं रहेगा। उस हिसाब से अगर किसी व्यक्ति को क्षति पहुंचता है तो उसको जमह और दो करोड़ रूपये मुआवज के तौर पे दिया जाए और जो अगर हम तो गरीब आदमी हमको तो काम ही मिलेगा दो करोड़ रूपये नही मिलेगा, लेकिन काम के एवज में हमको एक हजार रूपये तनख्वाह कम से कम मिलना चाहिए जिस तरीके से महंगाई आगे चलकर बढ़ता जाएगा ऐसा तो है नहीं कि काम सदा दिन रहेगा कम से कम कमा के कुछ रखे रहेंगे इसी के साथ अपने वाणी को मैं विराम करता हूँ। धन्यवाद।
68	विजय सिंह, सरपंच	मुकुन्दपुर	मेरा नाम विजय सिंह, सरपंच, ग्राम पंचायत मुकुंदपुर में खदान का विरोध नहीं, सवाल पूछना चाहता हूँ आज ये जो ओपेन कास्ट माईंड जो खुलने वाला है उसमें हमारा छः पंचायत प्रभावित क्षेत्र फंस रहा है। मुकुंदपुर मेरो कदरेवा अमाडंड, भुकभुकी और दुवछोला, यहाँ है ये जितना है गांव के लोग, उनका जंगल से इनका जीर्णोपर्जन चलता है और तुम्हें यही जो अपना माइन वाले सार है उनको मैं इतनी बोलना चाहता हूँ की सार चीज को ध्यान में रखते हुए की उनका उधर से चार, तेन्दू जो भी उपर्जन होता है उनको विशेष ध्यान आपको को देना पड़ेगा की उनका वायु जो है अपना जंगल जमीन बचा रहे और हमारे चिरमिरी के प्रवक्ता जी बोले की ओपेन माइन खुलेगा तो हमारा चिरमिरी के लोगों को 80 प्रतिशत रोजगार मिलना चाहिए। नौकरी मिलना चाहिए तो मैं यही बोलना चाहता हूँ कि अगर चिरमिरी के लोग ऐसे बोल रहे हैं कि 80प्रतिशत नौकरी यहाँ मिलना चाहिए तो ऐसा नहीं होना चाहिए हमारा हमारा ग्रामीण के लोगों को भी जो है तो बराबर मान सम्मान होना चाहिए, क्योंकि हम लोग भी तो प्रभावित क्षेत्र में आ रहे हैं। ऐसा अगर भविष्य में होता है तो मै एसडीएल प्रबंधक

			को यही निवेदन करना चाहता हूँ कि आप लोग अपना विशेष सहभागी शहर में शहर में जितना होना चाहिए उतना गांव में भी होना चाहिए। मैं आप लोगों से ही आप लोगों से ही मैं, मैं जो है गुजारिश करना चाहता हूँ कि ऐसे हमारे गांव के लोगों को उनका जंगल भी एक जीवन की तरह है उसको बेघर ना किया जाए और बेघर करेंगे तो उनके लिए पूरा व्यवस्थित करना पड़ेगा और सब को एक सम्मान आप लोगों को प्रथमिकता देना पड़ेगा। धन्यवाद।
69	धति सिंह सरपंच	ग्राम पंचायत मेरो	आज लोग जनसुनवाई में आये हुए सभी शासनिक–प्रशासनिक अधिकारियों से और एसाईसीएल प्रबंधक महोदय जी से यही सवाल करना चाहूँगा कि जो हमारे ग्रामीण क्षेत्र में जो जंगल पहाड है उसको खोदेंगे तो चिरमिरी से और गांव का डिस्टेंट पूरा बराबर हो जाएगा तो जो भी वहाँ का पहाड़ को खोदेंगे तो सेम वैसे चार, तेंदू, महुआ जो भी पेड़ है वैसे सेम लगाकर देंगे तभी तो सहमत रहेंगे अनयथा हम लोग विरोध पे विरोध करेंगे और सेम ऐसे पहाड़ बनना चाहिए। धन्यवाद
70	सहदेव दास	निवासी गोदरी पारा चिरमिरी	सबसे पहले, मैं अपना परिचय दे दूँ, मेरा नाम सहदेव दास है गोदरी पारा चिरमिरी निवासी हूँ और मैं ये जो खदान खुल रही है, इसका मैं पूर्ण रूप से समर्थन करता हूँ, लेकिन एक शर्त है इसकी प्राथमिकता हमारे ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को सबसे पहले प्राथमिकता दे इतना करके मैं वाणी को विराम देता हूं।
71	आदित्य कुमार पांडे,	कपूर सिंह दफाई , चिरमिरी	अंजनी खदान को हमारे गांव के सब माता बहन लोग सब वो कर रहे है की नहीं खुलना चाहिए ठीक है नहीं खुलेगा अंजनी खदान जब भसक जाएगा तब मुखारी दातून जामुन ये सब कह रहे ये कहा से मिलेगा, आज कह रहे है की आज अंजनी खदान ना खुले ठीक है हम लोग नहीं खोलना चाहते की जब अंजनी खदान में इतना आग लगा है आज नहीं 2 साल 4 साल 5 साल बाद अंजनी खदान जब भसक जाएगा तब क्या करोगे आप लोग तब कहा महुआ और तेंदु जामुन और ये ये सब बेच रहे हो कहा से बेच रहे होगे वो तो सब बरोबर हो जाएगी ना तो मैं ये कहना चाहता हूँ कि आप लोग सब मिलकर अंजनी खदान को चालू करवाइए और आप को कोयले को निकलवाइए आग से बचिए।
72	अंसलम अली	चिरमिरी	अंजनी ओपन कास्ट माइन खुलने का समर्थन करता हूं।
73	राजकुमार	चिरमिरी	अंजनी ओपन कास्ट माइन खुलने का समर्थन करता हूं।
74	राजू कोसी	चिरमिरी	मैं राजू कोसी चिरमिरी का रहने वाला हूँ। और अंजन कोल माइन खोलने का समर्थन करता हूँ।
75	नफीस अहमद	चिरमिरी	मैं नफीस अहमद चिरिमिरी ओपेन कास्ट खोलने का सहमति करता हूँ।
76	शाकिब खान	चिरमिरी	अंजन हिल ओपन कास्ट माइन खुलने का समर्थन करता हूं।
77	उमेश कुमार साहू	चिरमिरी	अंजन हिल ओपन कारट माइन खुलने का समर्थन करता हूं।
78	सोमनाथ	बरतुंगा	अंजन हिल खुलने का समर्थन करता हूं। जिससे हमें काम मिले।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी. तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, अंबिकापुर द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ, तब अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी. द्वारा लोक सुनवाई के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण/जवाब हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री अशोक कुमार, महाप्रबंधक चिरिमिरी क्षेत्र एसईसीएल द्वारा प्रस्तावित परियोजना के सम्बंध में लोकसुनवाई के दौरान उठाये गये मुद्दों को निराकरण हेतु उपस्थित जन समुदाय को मौखिक रूप से अवगत कराया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया जो निम्नानुसार है :–

1. एसईसीएल, अंजनहिल ओपनकास्ट कोल माइन के खुलने हेतु आपके समर्थन पर आभार व्यक्त करता है।
2. इस परियोजना में किसी भी प्रकार की अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण या आवंटन शामिल नहीं है। इसमें केवल वन भूमि का डायवर्जन शामिल है, जिसके लिए एफसीए 1980 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। परियोजना में किसी भी प्रकार से ग्रामवासियों की निजी भूमियों का अधिग्रहण प्रस्तावित नहीं है।
3. अंजनहिल अंडरग्राउण्ड कोल माइन जो 2010 में विस्फोट के बाद बंद हो गई थी, अभी भी उसमें आग तथा धुआँ के कारण अंडरग्राउण्ड का वातावरण कार्य करने लायक नहीं है तथा अंडरग्राउण्ड पद्धति से कार्य करना मानव जीवन के लिए खतरा होगा। अतः इस खदान का ओपनकास्ट पद्धति से चलाना उचित है ताकि सुरक्षित कार्य किया जा सके और राष्ट्रीय संपत्ति के नुकसान को बचाया जा सके। यदि इस खदान का ओपनकास्ट से क्रियान्वयन नहीं किया जाता है तो अंडरग्राउण्ड में लगी आग धीरे–धीरे ऊपरी परत तक आयेगी तथा सतह पर लगे वन को भी नष्ट कर देगी जिससे वायु प्रदूषण भी अधिक मात्रा में होगा तत्पश्चात इसे नियंत्रित करना मुश्किल होगा। साथ ही कोयले के रूप में राष्ट्रीय संपत्ति का नुकसान होगा।
4. परियोजना हेतु वन भूमि के भू–परिवर्तन हेतु वन संरक्षण अधिनियम के अनतर्गत आवेदन किया गया है एवं कुल 439.406 हे. बिगड़ा वन भुमि बलरामपुर एवं कोरिया वनमडंल में क्षतिपूर्ति वृक्षारापेण हेतु वन विभाग छत्तीसगढ़ द्वारा उपलब्ध कराई गई है।
5. अंजनहिल अंडरग्राउण्ड कोयला खदान के लिए पूर्व में पर्यावरणीय स्वीकृति पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 09 मई 2006 के माध्यम से प्रदान की गई थी।
6. पर्यावरण प्रभाव आंकलन रिपोर्ट में दिए गए प्रदूषण के शमन हेतु एवं निगरानी संबंधी सभी उपायों और पर्यावरण विभाग द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति और सहमति के माध्यम से लगाई गई शर्तों का पूर्णतः पालन किया जाएगा।
7. अंजनहिल ओपनकास्ट कोल माइन के खुलने से नये रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। स्थानीय लोगों को उनकी योग्यता एवं आवश्यकता के आधार पर प्राथमिकता दी जाएगी।
8. सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत क्षेत्र के संर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, विकास, लोककला एवं संस्कृति तथा स्थानीय विकास के लिए लोक

कल्याण कार्य ग्राम वासियों के परामर्श पर कलेक्टर महोदय की अनुमति/आदेश एवं कंपनी के सीएसआर पॉलिसी के तहत कराये जायेंगे।

9. उत्खनन कार्य हेतु Controlled Blasting, सीमित विस्फोटक एवं निर्धारित समय में की जाएगी जिससे कंपन और ध्वनि का स्तर नियंत्रित रहेगा। परियोजना से निकटतम बस्ती लगभग 1 से 1.5 किमी की दूरी पर स्थित है, जो डीजीएमएस के निर्धारित दूरी से 2–3 गुना है, अतः ब्लास्टिंग का बस्तियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
10. खदान में उपयोग किए जाने वाले ड्रिलों में वेट ड्रिलिंग मैकेनिज्म की व्यवस्था रहेगी, जिससे ड्रिलिंग के समय धूल का उत्सर्जन नहीं हो। नियमित अंतराल पर हॉल रोड, सर्विस रोड तथा कोयला लोडिंग और अनलोडिंग बिंदुओं पर पानी का छिड़काव किया जाएगा। धूल नियंत्रण के लिए ट्रक माउंटेड मिस्ट स्प्रे सिस्टम, स्थिर प्रकार के मिस्ट फॉग कैनन सिस्टम तथा रोड स्वीपिंग मशीन का प्रभावी रूप से उपयोग किया किया जाएगा।
11. प्रस्तावित अंजनहिल ओपनकास्ट कोल माइन भी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार से अनुमति के पश्चात् ही क्रियान्वित की जाएगी।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 372 आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना के संबंध में सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोकसुनवाई के दौरान कुल 78 व्यक्तियों द्वारा मौखिक आपत्ति/सुझाव/विचार एवं टीका–टिप्पणियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई के दौरान उपस्थित जनसमुदायों में से लगभग 1500 लोग उपस्थित थे और कुल 389 लोगों ने हस्ताक्षर किये हैं। संपूर्ण लोक सुनवाई कार्यवाही का वीडियोग्राफी कराई गई।

तत्पश्चात् अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला–मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर (छ.ग.) द्वारा लोकसुनवाई में उपस्थित सभी जन समुदाय को लोकसुनवाई में भाग लेने एवं आवश्यक सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हुये दोपहर 4.54 बजे लोकसुनवाई की कार्यवाही समाप्त करने की घोषणा की गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल
अंबिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

अपर कलेक्टर
एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी,
मनेन्द्रगढ़, जिला–एम.सी.बी.